राष्ट्रीय संस्करण

# दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 306

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 14 अप्रैल, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

आतंकियों को उन्हीं की भाषा में दे रहे जवाब

>> 6

## चुनावी बांड मामले से चर्चा में आई मेघा इंजीनियरिंग पर भ्रष्टाचार का मुकदमा

### सीबीआइ ने 315 करोड़ की परियोजना में अनियमितता को लेकर दर्ज की प्राथमिकी

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** चुनावी बांड के जरिये चंदा देने को लेकर पिछले दिनों चर्चा में आई मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड मुश्किल में घिर गई है। सीबीआइ ने रिश्वत देने के एक मामले में कंपनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। हैदराबाद स्थित इस कंपनी ने राजनीतिक दलों को चुनावी बांड के जरिये 966 करोड़ रुपये का चंदा दिया था। वह चुनावी बांड खरीदने वाली दूसरी सबसे बड़ी कंपनी थी।

अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि जगदलपुर एकीकृत इस्पात संयंत्र से संबंधित कार्यों के लिए मेघा इंजीनियरिंग के 174 करोड़ रुपये के बिलों को मंजूरी देने के एवज में लगभग 78 लाख रुपये की कथित तौर पर रिश्वत दी गई।

सीबीआइ की यह प्राथमिकी शनिवार को सार्वजनिक की गई। इसके अनुसार, एजेंसी ने 10 अगस्त, 2023 को जगदलपुर एकीकृत इस्पात संयंत्र में इंटेक वेल, पंप हाउस और पाइपलाइन के कार्यों से संबंधित 315 करोड़ रुपये की परियोजना में रिश्वतखोरी के बारे में प्रारंभिक जांच दर्ज की थी। इस परियोजना का ठेका मेघा इंजीनियरिंग को मिला था। प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के आधार पर विगत 18 मार्च को रिश्वतखोरी का नियमित मामला दर्ज करने की सिफारिश की गई। 31 मार्च को इस सिलसिले में नियमित मामला दर्ज कर लिया गया।

सीबीआइ ने इस मामले में एनआइएसपी और एनएमडीसी लिमिटेड के आठ अधिकारियों को नामित किया है। इनमें सेवानिवृत्त कार्यकारी निदेशक प्रशांत दास, निदेशक (उत्पादन) डीके मोहंती, डीजीएम पीके भुइयां, डीएम नरेश बाबू, वरिष्ठ प्रबंधक सुब्रो बनर्जी, सेवानिवृत्त सीजीएम (वित्त) एल कृष्ण मोहन, जीएम (वित्त) के राजशेखर, प्रबंधक (वित्त) सोमनाथ घोष शामिल हैं। इन पर 73.85 लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप है। सीबीआइ ने अपनी एफआइआर में मेकान लिमिटेड के दो अधिकारियों- एजीएम (अनुबंध) संजीव सहाय और डीजीएम (अनुबंध) के इलावरसु को भी नामित किया है। इन दोनों अधिकारियों पर 5.01 लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप है।

**174** करोड़ के बिलों को मंजूरी देने में 78 लाख की रिश्वत देने का आरोप, कई अधिकारी भी प्राथमिकी में हैं नामित

- चुनावी बांड खरीदने वालों में दूसरे नंबर पर थी हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग

### चुनावी बांड के जरिये कई पार्टियों को दिया था चंदा

चुनाव आयोग को भारतीय स्टेट बैंक से मिली जानकारी के अनुसार, मेघा इंजीनियरिंग ने बांड के जरिये भाजपा को लगभग 586 करोड़ रुपये, बीआरएस को 195 करोड़ रुपये, द्रमुक को 85 करोड़ रुपये और वाईएसआरसीपी को 37 करोड़ रुपये का चंदा दिया। तेदेपा को कंपनी से करीब 25 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 17 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा जदएस, जनसेना पार्टी और जदयू को कंपनी ने पांच करोड़ से 10 करोड़ तक का चंदा दिया।

### शुरू में नगर पालिकाओं के लिए पाइप बनाती थी कंपनी

पामीरेड्डी पिची रेड्डी ने 1989 में मेघा इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज नाम से कंपनी शुरू की थी। कंपनी ने नगर पालिकाओं के लिए छोटे पाइप बनाने से अपने कारोबार की शुरुआत की थी। वर्ष 2006 में इसने अपना नाम बदलकर मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर कर लिया और बांध, बिजली संयंत्र और सड़कों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सक्रिय हो गई। कंपनी ने कई बड़ी परियोजनाओं को पूरा किया। इसमें 14 अरब रुपये की लागत वाली तेलंगाना की सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना भी शामिल है। इसके अलावा श्रीनगर और लद्दाख को जोड़ने वाली जोजीला सुरंग का भी निर्माण किया है।

## ईरानी कमांडो ने 17 भारतीयों वाले इजरायली जहाज को किया अगवा

- समुद्र के मध्य से जहाज ईरानी तट पर ले जाया गया
- भारत ने अपने नागरिकों को लेकर जताई चिंता

इजरायल के कंटेनर शिप को होरमूज की खाड़ी के निकट हेलीकाप्टर से आए ईरानी कमांडो ने कब्जे में लिया। एपी >>

**तेहरान, एपी :** ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड फोर्स के कमांडो दस्ते ने शनिवार को समुद्र के मध्य में इजरायल के कंटेनर शिप को कब्जे में ले लिया। इस जहाज के 25 सदस्यीय चालक दल में 17 भारतीय नागरिक हैं। कमांडो जहाज को कब्जे में लेकर ईरानी तट की ओर ले गए हैं। ईरान और इजरायल के बीच बढ़े तनाव के बीच यह घटना हुई है। भारत ने अपने नागरिकों को लेकर ईरान से चिंता जताई है और उनकी कुशलता के लिए बात की है।

इजरायली जहाज को होरमूज की खाड़ी के निकट हेलीकाप्टर से आए ईरानी कमांडो ने कब्जे में लिया। ये कमांडो रस्से के जरिये जहाज पर उतरे और उन्होंने चालक दल को अपने प्रभाव में ले लिया। इसके बाद जहाज का रुख ईरानी तट की ओर हो गया। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार विशेष बल ने पुर्तगाल के झंडे वाले एमएससी एरीज नाम के जहाज को कब्जे में लिया है। इस जहाज का संचालन लंदन की कंपनी जोडैक मेरीटाइम करती है। जोडैक मेरीटाइम इजरायली धन कुबेर एयाल ओफर के जोडैक ग्रुप का हिस्सा है। ग्रुप ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया है। ईरान द्वारा कब्जे में लिया गया जहाज शुक्रवार को दुबई से होरमूज की खाड़ी की ओर रवाना हुआ था। इजरायली विदेश मंत्री इजरायल काज ने इसे प्रतिबंधित ईरानी संगठन का आतंकी कृत्य बताया है। एक अप्रैल को सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हवाई हमले में ईरान के एक वरिष्ठ जनरल समेत सात सैन्य अधिकारियों की मौत हुई थी। घटना के लिए इजरायल को जिम्मेदार मानते हुए ईरान ने कार्रवाई का एलान किया है।

बाइडन ने कहा, इजरायल पर हमला न करे ईरान पेज>>11

रविवार विशेष

छोटे कदम से स्वावलंबन का बड़ा लक्ष्य ● पेज-7

### संपादकीय

**लोकतंत्र-संविधान के खात्मे का हौवा :** यदि मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में बड़े बदलावों की बात कर रहे हैं तो इसके आधार पर यह कैसे कहा जा सकता है कि वह संविधान और लोकतंत्र खत्म करने जा रहे हैं? **संजय गुप्त** का आलेख।

**साकार हो रहे बाबा साहब के सपने :** आंबेडकर जी को याद करते समय यह भी जानने का समय है कि हम कितने समावेशी बन सके हैं? **असीम अरुण** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

### विमर्श

**नैतिक मानदंडों से ही बनेगी साख :** देश में 18वीं लोकसभा के गठन के लिए चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। परंतु साहित्य जगत में चुनाव संबंधी हलचल बहुत कम दिख रही है। ऐसे में साहित्य को राजनीति के आगे मशाल लेकर चलने को विश्लेषित कर रहे हैं, **अनंत विजय**। ● पेज-9

### आइपीएल

आज का मैच

लखनऊ सुपरजायंट्स vs कोलकाता नाइटराइडर्स

दोपहर 3:30 बजे | स्थान : कोलकाता

चेन्नई सुपरकिंग्स vs मुंबई इंडियंस

शाम 7:30 बजे | स्थान : मुंबई

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

### सप्ताह का साक्षात्कार

#### देश में कभी भी मुस्लिम वोट बैंक नहीं था, केवल हिंदू वोट बैंक है : ओवैसी

आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तिहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) का नाम आते ही असदुद्दीन ओवैसी की छवि दिमाग में आ जाती है। वह मुसलमानों के मुद्दों को संसद के अंदर और बाहर पूरी ताकत और तर्कों के साथ उठाते रहे हैं। चार बार के सांसद ओवैसी ने दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन उर्दू दैनिक 'इंकिलाब' के संपादक वदूद साजिद के साथ एक साक्षात्कार में बताया कि इस देश में कभी भी मुस्लिम वोट बैंक नहीं था। केवल हिंदुओं का ही वोट बैंक है। यही वजह है कि कोई भी राजनीतिक दल मुस्लिम नेतृत्व को उभरने नहीं देना चाहता है। ● पेज-13

### महासमर 2024

पर्दे के पीछे भी लिखी जाती है पटकथा पेज>>3

भाजपा की लुभावनी योजनाओं के बाद वोटर देंगे साथ या जताएंगे नाराजगी पेज>>3

प्रचार के दौरान गो बैक नारा सुन अधीर ने खोया आपा, थप्पड़ मारने का आरोप पेज>>4

योगी ने महाराष्ट्र में गरमा दिया है पालघर साधु हत्याकांड का मुद्दा... पेज>>5

आदिवासी हमारे लिए वोट बैंक नहीं, वे हमारे लिए गौरव हैं : राजनाथ पेज>>5

## पीएम मोदी आरक्षण के सबसे बड़े समर्थक : शाह

अलवर में शनिवार को चुनावी जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। प्रेट्र

**जागरण संवाददाता, जयपुर**

- अलवर में बोले गृह मंत्री- भाजपा कभी खत्म नहीं करेगी आरक्षण
- शाह बोले, हम न आरक्षण समाप्त करेंगे और न ही करेंगे देंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी खुद आरक्षण के सबसे बड़े समर्थक हैं। आरक्षण चाहे दलित का हो या पिछड़े वर्ग का हो, भाजपा आरक्षण का समर्थन करती है। आरक्षण न तो समाप्त करेंगे और न ही किसी को करने देंगे। आरक्षण को लेकर कांग्रेस झूठी बातें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है। उन्होंने ये बातें शनिवार को अलवर के खैरथल में भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं।

शाह ने कहा कि कांग्रेस ओबीसी विरोधी पार्टी है। पिछड़ा वर्ग पर कांग्रेस ने सालों तक अन्याय किया है। काका साहेब कालेकर और मंडल आयोग की रिपोर्ट दबाकर रखी। मोदी ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। केंद्र ने सारे दाखिलों में 27 प्रतिशत आरक्षण ओबीसी समाज को दिया। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि सोनिया का पूरा ध्यान राहुल बाबा को पीएम बनाने में है। आपके बेटे-बेटियों पर ध्यान नहीं है। राहुल बाबा एक ऐसे यान है जो 20 बार लांच हुआ और हर बार लांचिंग फेल हुई। अब ऐसी स्थिति आ गई है कि कांग्रेस पार्टी ही लांच नहीं हो पा रही है।

**मोदी ने कई असंभव काम किए :** शाह ने कहा कि दस साल में मोदी ने कई असंभव काम किए हैं। मोदी के पास दस साल का रिकार्ड और 2 साल की योजना है इसलिए मोदी को चुनना है। 70 साल तक कांग्रेस मंदिर को लटकाती रही। कांग्रेस के नेताओं ने राम मंदिर में दर्शन करने का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नदियों को जोड़ने का विरोध करती रही है।

### नोएडा में मोबाइल फोन से जनसभा को किया संबोधित

जागरण संवाददाता, नोएडा : खराब मौसम के कारण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा के समर्थन में नोएडा में आयोजित जनसभा में नहीं पहुंच सके। उन्होंने मोबाइल फोन के जरिये करीब डेढ़ मिनट तक लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में गरीब कल्याण से लेकर अर्बन डेवलपमेंट और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए देश में बड़े कार्य किए हैं। एक्सप्रेस वे और हाइवे को आपस में जोड़ा गया है।

## मेरे नूब बोलते ही आप समझ जाएंगे किसकी बात हो रही : मोदी

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- पीएम ने गेमरों से संवाद में राजनीतिक माहौल पर ली चुटकी
- यह भी कहा- गेमिंग उद्योग को विनियमन की आवश्यकता नहीं

नई दिल्ली में भेंट के दौरान देश के सात प्रमुख गेमरों के साथ पीएम नरेन्द्र मोदी। एएनआइ/ फाइल >>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि गेमिंग उद्योग को किसी विनियमन की आवश्यकता नहीं है। इसे मुक्त रहना चाहिए। तभी इसका विकास होगा। मोदी पिछले दिनों इलेक्ट्रानिक गेम बनाने वाले देश के शीर्ष सात गेमरों से मिले। इस दौरान उन्होंने गेमिंग और गैंबलिंग (जुआ) पर चर्चा की। गेमरों ने पीएम से कहा कि गेमिंग में एक शब्द होता है-नूब। इस शब्द का प्रयोग किसी नौसिखिया या कमजोर खिलाड़ी के लिए किया जाता है। इस पर मोदी ने मौजूदा राजनीतिक माहौल पर चुटकी लेते हुए कहा कि मैं अगर चुनावी रैली के दौरान इस शब्द का इस्तेमाल करूं, तो आप समझ जाएंगे कि किस व्यक्ति के लिए कह रहा हूं। मोदी ने हालांकि किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी पर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया।

प्रधानमंत्री ने गेमरों को ऐसे गेम बनाने के लिए प्रेरित किया जो जलवायु परिवर्तन जैसी वास्तविक समस्याओं को लेकर भी जागरूकता पैदा करे। पीएम ने कहा, युवाओं को इसकी लत नहीं लगनी चाहिए। वह चाहते हैं कि भारतीय युवा संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए ऊंचाइयों को छुएं। उन्होंने यह भरोसा भी दिया कि उनकी सरकार यह देखेगी कि इस उद्योग की समस्याओं को कैसे दूर किया जा सकता है।

माना जाता है कि भारत में लगभग 45 करोड़ लोग गेमिंग करते हैं, जबकि 9-10 करोड़ लोग इसके लिए भुगतान भी करते हैं। हाल में सऊदी अरब ने 'ईगेमिंग वर्ल्ड कप' आयोजित करने की भी बात कही है। स्पष्ट है कि पीएम नहीं चाहते हैं कि भारत ऐसे उभरते क्षेत्र में पीछे रह जाए।

जाहिर तौर पर मोदी ने जहां इस क्षेत्र को लेकर सरकार की गंभीरता जताई, वहीं राजनीतिक रूप से भी बड़ा संदेश दिया। दो महीने पहले उन्होंने क्रिएटर्स अवार्ड से भी कई ऐसे लोगों को सम्मानित किया था जो अपने अपने क्षेत्र में इंफ्लुएंसर माने जाते हैं। गेमर भी पूरी तरह प्रभावित होकर गए। पीएम से मिलने वालों में नमन माथुर (मार्टल), अनिमेष अग्रवाल (ठग), अंशु बिष्ट (गेमफ्लीट), गणेश गंगाधर (एसकेरासी), तीर्थ मेहता (जीसीटीतीर्थ), पायल धरे (पायल गेमिंग) और मिथिलेश पाटनकर (मिथपैट) शामिल थे।

### पीएम ने गेमिंग में आजमाए हाथ

पीएम ने कुछ देर गेमिंग में भी हाथ आजमाया। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार जब पी2जी2 शब्द इस्तेमाल करती है तो उसका अर्थ होता है-प्रो पीपल, गुड गवर्नेंस। गेमर भी ने बताया कि वे नूब शब्द का इस्तेमाल तब करते हैं, जब सामने वाला खिलाड़ी अच्छा न खेल पा रहा हो। इसी पर पीएम ने तंज में कहा कि रैली में वह इस शब्द का इस्तेमाल करेंगे तो आप समझ जाएंगे।

मोदी के 'नूब' वाले बयान पर राजनीतिक घमासान पेज>>4

### मंडी में कंगना के सामने होंगे विक्रमादित्य सिंह

**नई दिल्ली :** हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत को कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह चुनौती देंगे। चंडीगढ़ में इस बार कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी को टिकट दिया है। शनिवार को जारी सूची में गुजरात में तीन और ओडिशा में नौ सीटों के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई। (पेज-4)

### सिडनी के माल में ताबड़तोड़ चाकूबाजी, छह की मौत

**सिडनी :** आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में शनिवार को एक माल में सिरफिरे की ताबड़तोड़ चाकूबाजी से छह लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हुए हैं। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने हमलावर को घेरकर गोली मार दी। जिस माल पर हमला हुआ वह समुद्र के किनारे बसे बोंडी उपनगर में स्थित है। (पेज-11)

## 'संदेशखाली में मानवाधिकारों का हुआ उल्लंघन'

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- बंगाल के प्रभावित इलाके का दौरा करने के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सौंपी रिपोर्ट
- रिपोर्ट में की गई सिफारिशों पर बंगाल सरकार से आठ सप्ताह में मांगी कार्रवाई रिपोर्ट

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बंगाल के संदेशखाली में मौके का दौरा करने पर पाया कि वहां मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ है। आयोग ने पीड़ितों के मन में भरोसा जगाने और उनके पुनर्वास व कल्याण के लिए रिपोर्ट में कई सिफारिशें की हैं। एनएचआरसी ने रिपोर्ट में की गई सिफारिशों पर बंगाल सरकार से आठ सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट भी मांगी है।

एनएचआरसी की टीम ने दौरे के बाद तैयार रिपोर्ट में कहा है कि पीड़ितों पर अत्याचार के कई मामले सामने आए हैं। इससे साफ पता चलता है कि इसकी रोकथाम में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की वजह से मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ। आरोपितों द्वारा किए गए कथित अत्याचार के कारण ऐसा माहौल बन गया है कि पीड़ित खामोश हो गए हैं। पीड़ित गांव वालों को हमले, धमकी, यौन शोषण और अपनी भूमि पर कब्जों का सामना करना पड़ा। इन परिस्थितियों के चलते उन्हें संदेशखाली क्षेत्र और राज्य के बाहर आजीविका की तलाश के लिए मजबूर होना पड़ा। एनएचआरसी ने कहा है कि संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और भूमि पर कब्जे के मामले पर हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है और ऐसे में आयोग सुनवाई में हस्तक्षेप के अनुरोध के साथ हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगा।

संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और जमीन पर कब्जे के मामले सामने आए थे और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर वहां की महिलाओं ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया था। वहां महिलाओं के यौन शोषण और जमीन पर अवैध कब्जे के मामलों में पूर्व तृणमूल नेता शेख शाहजहां आरोपित है। वह काफी दिन तक गायब रहा और बाद में उसे बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

मीडिया में आई खबरों पर एनएचआरसी ने लिया था स्वत: संज्ञान पेज>>6

### सियाचिन दिवस

सियाचिन क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना को शिकस्त की 40वीं वर्षगांठ पर जोश से भरे हैं जवान, दुर्गम क्षेत्र में अत्याधुनिक साजोसामान से लैस जवान 24 घंटे कर रहे निगहबानी

## सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में साहस का परिचय दे रहे भारतीय जांबाज

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सियाचिन, काराकोरम पर्वत शृंखला में करीब 20,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र। सालभर यहां बर्फ जमी रहती है और सर्दियों में तापमान माइनस 50 डिग्री तक गिर जाता है। ऊपर से बर्फीली और सर्द हवा। इन तमाम विपरीत हालातों के बावजूद इस निर्जन और बीहड़ इलाके में भारतीय सेना के जांबाज अदम्य शौर्य और साहस का परिचय देते हुए अत्याधुनिक साजोसामान से लैस होकर 24 घंटे निगहबानी कर रहे हैं। 'आपरेशन मेघदूत' की वर्षगांठ पर शनिवार को इन जाबांजों का जोश देखते ही बनता था। आखिर ऐसा हो भी क्यों न? आज ही के दिन ठीक 40 साल पहले यानी 13 अप्रैल 1984 को बैसाखी के दिन इस क्षेत्र में पाक सेना को भारतीय सेना ने शिकस्त जो दी थी। उस वक्त पाकिस्तान की ओर से 'अबाबील आपरेशन' चलाकर 17 अप्रैल तक सियाचिन पर कब्जा करने की योजना बनाई गई थी लेकिन भारतीय सेना ने इससे चार दिन पहले ही मोर्चा मारते हुए सियाचिन ग्लेशियर पर अपना झंडा लहरा दिया था।

भारतीय सेना ने शनिवार को 40वें सियाचिन दिवस के अवसर पर कर्तव्य के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अपने बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में आपरेशन शुरू करने वाले सैनिकों को सलाम करते हुए एक वीडियो के साथ इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किया- 'वे बर्फ में घिरे हुए हैं, चुप रहेंगे। जब बिगुल बजेगा, तो वे उठेंगे और फिर से मार्च करेंगे।' एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि सामरिक रूप से अति महत्वपूर्ण सियाचिन ग्लेशियर में भारतीय सेना ने अपनी मौजूदगी के 40 साल पूरे किए हैं और पिछले कुछ वर्षों में बुनियादी ढांचा बढ़ने से उसकी आपरेशनल क्षमता में काफी सुधार आया है। सभी सतहों के लिए अनुकूल वाहनों की तैनाती ने युद्धक्षेत्र सियाचिन में भारत का सैन्य कौशल और बढ़ाया है।

सियाचिन दिवस के अवसर पर शनिवार को सियाचिन युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करते सैन्य अधिकारी। सौ. एक्स/@फायरएंडफ्यूरीकार्प्स

### आपरेशनल क्षमता में सुधार की लंबी छलांग

सैन्य अधिकारी ने कहा- 'सियाचिन ग्लेशियर पर भारतीय सेना का नियंत्रण न केवल अद्वितीय वीरता और दृढ़ संकल्प की गाथा है, बल्कि प्रौद्योगिकी उन्नति और साजो-सामान संबंधी सुधारों की एक असाधारण यात्रा भी है जिसने दुनिया के सबसे दुर्जेय इलाकों में से एक इस क्षेत्र को अदम्य जोश और नवाचार के प्रतीक में बदल दिया है।' उन्होंने कहा कि खासकर पिछले पांच सालों में उठाए गए कदमों ने सियाचिन में तैनात इन जवानों के जीवन स्तर और आपरेशनल क्षमताओं में सुधार लाने में लंबी छलांग लगाई है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि डीआरडीओ द्वारा विकसित एटीवी पुल जैसे नवाचारों से सेना प्राकृतिक बाधाओं पर पार पाने में समर्थ हुई है तथा हवाई केबलवे में उच्च गुणवत्ता वाली डायनेमा रस्सियों के जरिये सबसे दूरस्थ चौकियों में भी सामानों की बेरोकटोक आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि विशेष कपड़ों, पर्वतारोहण उपकरणों, राशन की उपलब्धता से दुनिया के सबसे अधिक सर्द रणक्षेत्र में प्रतिकूल दशाओं से टक्कर लेने की सैनिकों की क्षमता बढ़ जाती है।

## ई-कामर्स प्लेटफार्म पर हेल्थ ड्रिंक के रूप में नहीं होगी बोर्नवीटा की बिक्री

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

- वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने सभी ई-कामर्स प्लेटफार्मों को दिया निर्देश
- कहा- एफएसएसएआइ कानून में हेल्थ ड्रिंक का कोई प्रविधान ही नहीं

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने सभी ई-कामर्स प्लेटफार्मों को किसी भी पेय पदार्थ व बेवरेज को हेल्थ ड्रिंक के रूप में नहीं बेचने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन काम करने वाले भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) की सलाह पर वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने यह निर्देश जारी किया है।

मंत्रालय ने निर्देश में कहा है कि बोर्नवीटा समेत कई ड्रिंक्स व बेवरेज को हेल्थ ड्रिंक की श्रेणी के तहत बेचा जा रहा है, जबकि एफएसएसएआइ कानून के तहत हेल्थ ड्रिंक का कोई प्रविधान ही नहीं है। इसलिए सभी ई-कामर्स कंपनियां बोर्नवीटा समेत अन्य ड्रिंक्स को हेल्थ ड्रिंक की श्रेणी से हटा लें।

मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक निर्देश में बोर्नवीटा का नाम उदाहरण के तौर पर लिया गया है। यह निर्देश सभी ड्रिंक्स व बेवरेज के लिए लागू होगा जिनकी बिक्री हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में हो रही है। ई-कामर्स साइट पर बोर्नवीटा के साथ प्रोटिनेक्स, हार्लिक्स जैसे कई उत्पाद हेल्थ ड्रिंक्स के रूप में बेचे जा रहे हैं। एफएसएसएआइ ने गत दो अप्रैल को सभी ई-कामर्स फूड बिजनेस आपरेटरों (एफबीओ) से अपनी वेबसाइटों पर बेचे जा रहे खाद्य उत्पादों का उचित वर्गीकरण करने का निर्देश दिया था। कई डेयरी आधारित पेय मिश्रण या अनाज आधारित पेय मिश्रण या माल्ट आधारित पेय हेल्थ ड्रिंक के रूप में बेचे जा रहे हैं।

********

**15** जून तक मानसून आने की संभावना रहती है। लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि हम 15 मई तक दिल्ली के सभी क्षेत्रों में नालों की सफाई के लिए सड़कों पर उतरने जा रहे हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 14 अप्रैल, 2024

## पष्ठम कात्यायनी

वासंतिक नवरात्र के छठे दिन देवी के मां कात्यायनी स्वरूप की पूजा-अराधना की जाती है। मां के ध्यान से भक्त के आंतरिक जगत में चल रही नकारात्मकता का नाश व सकारात्मकता का विकास होता है। इनका आभामंडल विभिन्न देवों के तेज अंशों से मिश्रित इंद्रधनुषी छटा देता है। प्राणियों में इनका वास 'आज्ञा चक्र' में होता है। देवताओं की कार्य सिद्धि के लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट होकर भगवती कात्यायनी नाम से विख्यात हुईं। इनका स्वरूप भव्य-दिव्य, वर्ण स्वर्ण समान चमकीला, चार भुजाएं हैं। रत्नाभूषण से अलंकृत देवी आक्रामक मुद्रा में सिंह पर सवार रहती हैं। दाहिने ओर के दो हाथ क्रमश: अभय मुद्रा व वर मुद्रा में हैं। मां के एक हाथ में तलवार व दूसरे में कमल पुष्प है। एकाग्रचित और पूर्ण समर्पित भाव से कात्यायनी देवी की उपासना करने वाला भक्त बड़ी सहजता से चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति कर लेता है। सच्चे साधक को मां कात्यायनी दर्शन देकर कृतार्थ करती हैं। साधक इस लोक में भी अलौकिक तेज व प्रभाव प्राप्त करता है। जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। मां को प्रसन्न करने के लिए मधु यानी शहद का भोग लगाने का विधान है। देवी की पूजा से कामकाज में आ रही रुकावटें दूर होती हैं।

**बीजमंत्र :** *ॐ क्लीं श्री त्रिनेत्रायै नम:*

**-प्रो. विनय कुमार पांडेय**
पूर्व अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

# दिल्ली में बिजली, पानी और मुफ्त बस यात्रा रहेगी जारी : एलजी

**अपील** ▶ कहा, किसी व्यक्ति के जेल में रहने से सरकारी योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा

### उपराज्यपाल ने कहा कि कोई भी सब्सिडी योजना बंद नहीं की जाएंगी

● लोगों को राजनीति निहित अफवाहों और बयानों को खारिज करना चाहिए

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में चले जाने पर जनता को मिल रहीं सुविधाएं बंद हो जाने की अफवाहों पर जनता को ध्यान न देने की उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने अपील की है। उपराज्यपाल ने कहा है कि एक विशेष राजनीतिक दल के सदस्य और संवैधानिक पद की शपथ लेने वाले मंत्रियों द्वारा भी इस तरह के झूठे और जानबूझकर भ्रामक बयान दिए जा रहे हैं। यह प्रचारित किया जा रहा है कि मुफ्त पानी और बिजली बंद हो जाएगी। महिलाओं के लिए बस यात्रा बंद कर दी जाएगी, क्योंकि मुख्यमंत्री केजरीवाल न्यायिक हिरासत के तहत जेल में हैं। राजनिवास ने कहा है कि यह भी प्रचार किया जा रहा है कि भविष्य में इन योजनाओं को केंद्र सरकार और उपराज्यपाल रोक देंगे।

उपराज्यपाल वी के सक्सेना। फाइल

इस पर स्थिति साफ करते हुए एलजी सक्सेना ने दिल्ली के लोगों को आश्वासन दिया है कि गरीबों को लाभ पहुंचाने वाली कोई भी सब्सिडी योजना बंद नहीं की जाएगी। एलजी ने लोगों से राजनीति निहित स्वार्थ के चलते फैलाए जा रहे बयानों और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उपराज्यपाल ने अपील की है कि लोगों को गुमराह करने की किसी भी कोशिश को खारिज कर देना चाहिए। सक्सेना ने रेखांकित किया कि इन योजनाओं का भुगतान एनसीटीडी दिल्ली की समेकित निधि से किया जाता है, न कि किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के खाते से। इन योजनाओं को दिल्ली के लोगों द्वारा स्वयं वित्त पोषित किया जाता है, जो करों के माध्यम से एनसीटीडी के समेकित कोष में योगदान करते हैं।

उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया है कि उपरोक्त सब्सिडी योजनाएं सरकार की हैं और किसी भी पद पर बैठे किसी व्यक्ति द्वारा संचालित या उस पर निर्भर नहीं हैं और इसलिए, किसी भी व्यक्ति के जेल में होने के कारण किसी योजना के प्रभावित होने का सवाल ही नहीं उठता है। भारत के संवैधानिक और वैधानिक प्रविधानों के अनुसार इन योजनाओं का बजट दस्तावेज में बजटीय आवंटन होता है, जिसे सरकार द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

सक्सेना ने शहर में नागरिक प्रशासन द्वारा अपनाई गई पहले की स्थिति को दोहराया है कि कानून की उचित प्रक्रिया के अनुसार न्यायिक हिरासत के तहत जेल में रहने वाला कोई भी व्यक्ति किसी भी योजना को प्रभावित नहीं करता है।

### जेल से चल रही केजरीवाल सरकार, मुफ्त योजनाएं जारी रहेंगी

**राज्य ब्यूरो, जागरण. नई दिल्ली:** एलजी पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी ने कहा है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार पूरी मजबूती से जेल से चल रही है और सरकार द्वारा जारी सभी मुफ्त योजनाएं जारी रहेंगी। आप ने कहा है कि जब तक केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, तब तक जनता के सारे काम होते रहेंगे। आप ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से वादा भी किया था कि वो जेल के बाहर हों या अंदर, काम नहीं रुकने देंगे। दिल्ली की जनता को फ्री बिजली, पानी, शिक्षा और इलाज समेत अन्य सुविधाएं मिलती रहेंगी। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीएम केजरीवाल के जेल जाने के बाद जो बोलते थे कि जेल से सरकार नहीं चलने देंगे, अब उन्होंने भी हार मान ली है कि केजरीवाल सरकार जेल से चलेगी और काम होते रहेंगे। उन्होंने इसे केजरीवाल और दिल्लीवालों की जीत बताई है।

## देशभर में आप मनाएगी 'संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ दिवस'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आप रविवार को देशभर में 'संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ दिवस' मनाएगी।आप के दिल्ली प्रमुख और दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कहा कि पार्टी 14 अप्रैल को डा बी आर अंबेडकर की जयंती पर देश भर में 'संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ दिवस' मनाएगी। राय ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता संविधान की प्रस्तावना पढ़ेंगे और देश के संस्थापक दस्तावेज को बचाने की शपथ लेंगे। राय ने बताया कि 24 राज्यों की राजधानी में यह आयोजन किया जाएगा। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर सुबह 11 बजे सभी मंत्री, विधायक समेत पदाधिकारी एकत्र होंगे और बाबा साहब के संविधान की मूल भावना प्रस्तावना को पढ़कर शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि जेल से सीएम केजरीवाल ने भेजे अपने संदेश में कहा है कि संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए मैं मोदी जी के हर अत्याचार को बर्दाश्त कर लूंगा। इसलिए अब वो वक्त आ गया है, जब देशभर के लोग एक होकर संवैधानिक मूल्यों पर हमला कर रही मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल कर दें।

मंत्री राय ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ''हमारे लोकतंत्र और संविधान पर हमला कर रही है'' इसका मुकाबला करने के लिए हमें एकजुट होने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि आप कार्यकर्ता अपने राज्यों में पार्टी कार्यालयों में इकट्ठा होंगे और हमारे लोकतंत्र और संविधान को बचाने की शपथ लेंगे।आप नेता ने कहा कि यह कार्यक्रम देश भर के राज्यों की राजधानियों में पार्टी कार्यालयों में आयोजित किया जाएगा।

### अंबेडकर जयंती पर राजनीतिक करना निंदनीय : सचदेवा

**वि, नई दिल्ली :** दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी अब राजनीतिक रूप से पूरी तरह हताश हो चुकी है। वह देश के महापुरुषों के नाम को अपने राजनीतिक विवाद से जोड़ने में भी संकोच नहीं कर रही है। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर राजनीतिक अभियान छेड़ने की घोषणा बहुत ही दुखद और निंदनीय है।

सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा संवैधानिक व्यवस्थाओं की अवहेलना करके सरकारी नीतियों में बदलाव किया गया, गलत तरीके से सरकारी विभागों में नियुक्ति की गई और गणतंत्र दिवस समारोह को बाधित करने का प्रयास हुआ है। अब भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने के बाद केजरीवाल व उनके साथी संविधान बचाने के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

## कानून के तहत नियमित वेतन पाने के हकदार हैं होमगाड्र्स : कोर्ट

रीतिका मिश्रा ● जागरण

**नई दिल्ली:** दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में ड्राइवर, चपरासी, क्लर्क का काम कर रहे होमगाड्र्स के जवानों को अदालत से बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट के औद्योगिक न्यायालय ने दिल्ली प्रशासन विकास विभाग औद्योगिक कर्मचारी संघ के हवाले से 1433 होमगाड्र्स जवानों की ओर से दायर एक याचिका का निपटारा करते हुए आदेश दिया कि होमगाड्र्स के जवान वालंटियर्स नहीं बल्कि कर्मचारी है।

अदालत ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला करते हुए कहा कि ये कर्मचारी कानून के तहत नियमित वेतन पाने के हकदार है। अदालत ने कर्मचारियों को 60 वर्ष तक नौकरी में रखने और एक अप्रैल 2016 से मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) का वेतनमान सभी भत्ते सहित देने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि इन कर्मचारियों से बीते 15 वर्षों से ड्राइवर, चपरासी व अन्य काम साल के 365 दिन कराया जाता है। अदालत ने कहा कि सभी होमगाड्र्स विभाग के निर्देशानुसार कार्य करते हैं। ऐसे में इनको वालंटियर्स नहीं कहा जा सकता है। ये कर्मचारी वास्तव में प्रबंधन के नियमित कर्मचारी हैं। ये वही कार्य कर रहे हैं जो प्रबंधन के नियमित कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। प्रबंधन ने कर्मचारियों को स्वयंसेवकों के रूप में दिखाकर और उन्हें प्रबंधन के नियमित कर्मचारी के वेतन और स्थिति से वंचित कर एक अनुचित श्रम अभ्यास किया है। अदालत वे कहा कि याचिकाकर्ता कर्मचारी निश्चित रूप से नियमित समकक्ष कर्मचारियों के समान कार्य कर रहे हैं इसलिए वे नियमित वेतनमान के हकदार हैं।

प्रतीकात्मक फोटो

## हत्या कर रेत से भरे कंटेनर में शव छिपाया, 15 दिन बाद धरा गया

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** 15 दिन पहले पीट-पीट कर साथी की हत्या कर शव को रेत से भरे कंटेनर में छिपाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सीसीटीवी कैमरों के 50 से ज्यादा फुटेज खंगालने के बाद पुलिस हत्यारोपित तक पहुंच सकी। आरोपित वीरेंद्र उर्फ कालिया मूल रूप से लखीमपुर खीरी (उप्र) का रहने वाला है और 2010 से दिल्ली में कबाड़ की खरीद-फरोख्त का काम कर रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपित ने मामूली बात पर हत्या कर दी।

बता दें कि गत 27 मार्च को भलस्वा थाना पुलिस को जीटी करनाल रोड पर खड़े रेत से भरे कंटेनर में एक शव होने के बारे में सूचना मिली। करीब 40 वर्षीय व्यक्ति का शव सड़ी-गली हालत में था। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि स्पेशल स्टाफ की टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की। इस दौरान एक संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिसमें दो लोग कंटेनर में प्रवेश करते नजर आए। उसके बाद पड़ताल की गई।

## जेल में केजरीवाल को प्रताड़ित और अपमानित कर रही केंद्र सरकार : आप

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रताड़ित और अपमानित करने का बड़ा आरोप केंद्र की मोदी सरकार पर लगाया है। आप नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने प्रेसवार्ता कर कहा है कि जेल में मुख्यमंत्री को मिले अधिकार केंद्र ने छीन लिए हैं। वहीं, जेल प्रशासन ने सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और भगवंत मान को कांच की दीवार के आर-पार से ही मिलने की अनुमति दी है। जबकि यह नियमों के खिलाफ है। क्योंकि जेल प्रशासन के पास आमने-सामने बैठाकर मुलाकात कराने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जेल का नियम 602 और 605 यह कहता है कि किसी की भी मुलाकात आमने-सामने कराई जा सकती है और यह अधिकार जेल प्रशासन को होता है।

उन्होंने कहा कि तिहाड़ में खूंखार अपराधियों की भी मुलाकात आमने-सामने कराई जाती है। जो काम तिहाड़ जेल के इतिहास में अब तक नहीं हुआ, वो अब मोदी जी की अगुआई में हो रहा है। मोदी सरकार जेल मैनुअल में मिले न्यूनतम अधिकार और सुविधाएं छीनकर अरविंद केजरीवाल का मनोबल तोड़ना चाहती है। इसलिए इस बार देश की जनता उनके अत्याचार, तानाशाही, जुल्म और अहंकार का जवाब अपने वोट से देगी। अरविंद केजरीवाल की पत्नी और परिवार चिंतित और परेशान हैं। उनके माता-पिता बीमार हैं। ऐसे में अरविंद केजरीवाल का हाल-चाल जानने के लिए जब सुनीता केजरीवाल आवेदन करती हैं, तो उनको कहा जाता है कि आप आमने-सामने मुलाकात नहीं कर सकते हैं।

संजय सिंह ने कहा कि जेल में मुख्यमंत्री को मिले अधिकार केंद्र ने छीने

### जेल में मुलाकात को लेकर भ्रम फैला रहे संजय सिंह : भाजपा

**राज्य ब्यूरो, जागरण. नई दिल्ली:** भाजपा का कहना है कि सांसद संजय सिंह जेल में मुलाकात को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि तिहाड़ दिल्ली सरकार की जेल है। सरकार द्वारा निर्धारित नियम का पालन किया जाता है। अरविंद केजरीवाल सरकार ने ही वर्ष 2018 में नियम बनाया था, जिसके तहत जेल में बंद व्यक्ति कि सुरक्षा को ध्यान में रखकर शीशे की दीवार व इंटरकाम के माध्यम से मुलाकात का प्रविधान है। मुख्यमंत्री केजरीवाल पर भी यह नियम लागू है। इसमें बदलाव के लिए अदालत से अनुमति लेनी होगी।

उन्होंने कहा कि तिहाड अधिकारियों ने केजरीवाल एवं सिंह मान के बीच मुलाकात तय की है। मिलने वालों की सूची में मान व संजय सिंह का नाम शामिल नहीं है। इस कारण मुलाकात में समय लगा।

### आज का मौसम

आसमान में बादल छाए रहेंगे। हल्की वर्षा हो सकती है। इस दौरान 35 से 45 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है।

| पूर्वानुमान | अधिकतम | न्यूनतम |
| --- | --- | --- |
| दिल्ली | | |
| 14 अप्रैल | 33.0 | 20.0 |
| 15 अप्रैल | 34.0 | 20.0 |
| नोएडा | | |
| 14 अप्रैल | 34.0 | 21.0 |
| 15 अप्रैल | 34.0 | 21.0 |
| गुरुग्राम | | |
| 14 अप्रैल | 33.0 | 24.0 |
| 15 अप्रैल | 34.0 | 22.0 |

डिग्री सेल्सियस में

## खराब मौसम के कारण 22 उड़ानें कीं डायवर्ट

**जासं, नई दिल्ली:** राजधानी दिल्ली में शाम को अचानक मौसम खराब होने की वजह से शनिवार को आइजीआइ एयरपोर्ट पर उतरने वाली 22 उड़ानों को लखनऊ व जयपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। डायवर्ट की गई उड़ानों में सात उड़ान इंडिगो, दो विस्तारा और छह एयर इंडिया की शामिल हैं।

दिल्ली में अचानक से तीन से साढ़े चार बजे के बीच में तेज हवा के साथ वर्षा होने लगी। घने बादल और तेज हवा के बीच गरज के साथ वर्षा हुई। राजधानी के कुछ इलाकों में तेज वर्षा भी हुई।

इस वजह से आइजीआइ एयरपोर्ट पर पहुंचने वाली 22 उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार आठ उड़ानों को लखनऊ, नौ को जयपुर, दो को चंडीगढ़ और एक-एक को वाराणसी, अहमदाबाद व अमृतसर डायवर्ट किया गया है।

## सरकार की उपलब्धियां घर-घर पहुंचाएगी भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए दिल्ली भाजपा के प्रभारी ओम प्रकाश धनखड़ प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में जाकर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर रहे हैं। शनिवार को उन्होंने नई दिल्ली लोकसभा सीट के शक्ति केंद्र स्तर के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित किया। उन्हें नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियां घर-घर पहुंचाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही केजरीवाल सरकार पर लग रहे भ्रष्टाचार के आरोपों की जानकारी प्रत्येक दिल्लीवासी को देने का आह्वान किया।

उन्हें नरेन्द्र मोदी सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और पिछले 10 वर्षों में दिल्ली के विकास में केंद्र सरकार के योगदान की जानकारी दी। कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि मोदी सरकार के प्रयास से दिल्ली में बहुत बदलाव आया है। द्वारका एक्सप्रेस-वे से गुरुग्राम और दिल्ली के बीच आवागमन आसान हुआ है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन कर सत्ता में आने वाली पार्टी अब उसका हाथ पकड़कर घूम रही है। आप नेता अपने भ्रष्टाचार के मुद्दों को राजनीतिक रंग दे रहे हैं। उन्हें कोर्ट में और जांच एजेंसियों के सामने अपना जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल जेल से शासन चलाने की बात कर रहे हैं। नियम के अनुसार जेल में बंद किसी व्यक्ति का कोई लिखित संदेश बाहर जाता है या अंदर आता है, तो उसे पहले जेल के अधिकारी पढ़ते हैं। इस स्थिति में शासन से संबंधित मुख्यमंत्री के आदेश को भी जेल अधिकारी पढ़ेंगे। यह पद की गोपनीयता की शपथ का उल्लंघन होगा।

**चुनावी हलचल**

▶ ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा- केजरीवाल का इस्तीफा न देना संविधान का उल्लंघन

ओम प्रकाश धनखड़। फाइल

### 'दिल्ली में पेयजल समस्या के लिए केजरीवाल जिम्मेदार'

**राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली:** दिल्ली में पेयजल संकट चुनावी मुद्दा बनने लगा है। दिल्ली के कई क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की समस्या होने लगी है। दिल्ली सरकार आरोप लगा रही है कि यमुना में अमोनिया का स्तर बढ़ने से भी राजधानी में पेयजल समस्या बढ़ती है। दिल्ली सरकार इसके लिए हरियाणा सरकार को जिम्मेदार ठहराती है।

वहीं, हरियाणा के पूर्व सिंचाई मंत्री और लोस चुनाव के लिए दिल्ली के प्रभारी ओम प्रकाश धनखड़ ने इस समस्या के लिए केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि दिल्ली में पहुंचने से पहले हरियाणा में यमुना साफ है। दिल्ली से होकर जब यह फरीदाबाद पहुंचती है, तो इसका पानी अधिक प्रदूषित हो जाता है। इससे स्पष्ट है कि दिल्ली में यमुना प्रदूषित हो रही है। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा द्वारा दिल्ली को 250 क्यूसेक अधिक पानी दिया जाता है। राजधानी में पेयजल व्यवस्था सुधारने को लेकर गंभीर नहीं है।

## अवैध किडनी ट्रांसप्लांट केस में पकड़े गए पांच बांग्लादेशियों को भेजा जेल

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

▶ चार अप्रैल को मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने सेक्टर 39 के बाबिल गेस्ट में छापेमारी कर तीन मरीजों और दो डोनरों को पकड़ा था

अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट के मामले में मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की छापेमारी के बाद चार अप्रैल को सेक्टर 39 के बाबिल गेस्ट हाउस से पकड़े गए पांच बांग्लादेशियों को शनिवार को जेल भेज दिया गया। इनमें तीन मरीज और दो डोनर शामिल हैं। पांच अप्रैल को सभी को गुरुग्राम नागरिक अस्पताल के आइसीयू में भर्ती कराया गया था। इसके बाद तबीयत बिगड़ने पर इन्हें दिल्ली के सफदरजंग रेफर किया गया था।

चार अप्रैल को गुप्त सूचना के बाद मुख्यमंत्री उड़नदस्ता, जिला स्वास्थ्य विभाग और गुरुग्राम पुलिस ने सेक्टर 39 के बाबिल गेस्ट हाउस में छापेमारी की थी। इस दौरान पांच बांग्लादेशी पकड़े गए थे। इनकी पहचान किडनी प्राप्तकर्ता मो. अहसानुल , नुरुल इस्लाम, आकिब महमूद और किडनी डोनर शमीम मेहंदी हसन व मो. आजाद हुसैन के रूप में हुई थी। ये सभी अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट के लिए मेडिकल वीजा पर भारत आए थे। पूछताछ में आरोपितों ने बताया था कि रांची का रहने वाला मो. मुर्तजा अंसारी इन सभी को जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण के लिए गया था। लेकिन वहां 31 मार्च की रात एसीबी जयपुर द्वारा की गई कार्रवाई के बाद मुर्तजा इनको लेकर गुरुग्राम के बाबिल गेस्ट हाउस आ गया। पुलिस ने इनसे पूछताछ कर नागरिक अस्पताल के आइसीयू में भर्ती कराया था। यहां जयपुर पुलिस ने भी इनके बयान लिए। इनकी तबीयत बिगड़ने पर सफदरजंग भेज दिया गया। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अर्जुन देव ने बताया कि पांच दिन बाद शनिवार को सभी को गुरुग्राम कोर्ट में पेश किया। यहां से इन्हें भोंडसी जेल भेज दिया गया। दूसरी ओर मास्टरमाइंड मो. मुर्तजा अंसारी को पकड़ने के लिए पिछले दस दिन से छापेमारी कर रही है। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी होने की प्रक्रिया चल रही है।

## प्रेमिका को आपत्तिजनक फोटो भेजे, तो दोस्त की गला काटकर कर दी हत्या

**जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली :** युवती के चक्कर में युवक ने पहले दोस्त का पत्थर से सिर फोड़ा और फिर चाकू से गला काटकर उसे मौत के घाट उतार दिया और उसका मोबाइल भी तोड़ दिया। मृतक की पहचान उप्र के रायबरेली के आशीष कुमार के रूप में हुई है। द्वारका जिले की एएटीएस पुलिस ने दोस्त की हत्या करने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित सुरेश गंगवार यूपी के रामपुर जिले का रहने वाला है और दिल्ली की निजी कंपनी में सुपरवाइजर के रूप में काम कर रहा था।

युवती पहले आशीष की प्रेमिका थी और बाद में आशीष से दूरी बनाकर वह सुरेश की प्रेमिका बन गई थी। दोस्त के धोखा देने व प्रेमिका के दिल तोड़ने से आशीष नाराज था। आरोप है कि आशीष के पास उस युवती की कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें थीं। उन तस्वीरों को वह युवती को भेजकर ब्लैकमेल कर रहा था। समझाने पर भी जब वह नहीं माना, तो उसके ही दोस्त ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित के पास से चाकू बरामद कर उसे जेल भेज दिया है।

**बदलाव**

गैर संचारी बीमारियों की रोकथाम व अस्पतालों में मरीजों का बोझ कम करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करना जरूरी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के मामले पर एम्स में आयोजित एक कार्यक्रम में संस्थान के डाक्टरों ने कही यह बात

## एम्स में दबाव कम करने को होगी स्क्रीनिंग ओपीडी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

डायबिटीज, हाइपरटेंशन व कैंसर जैसी गैर संचारी बीमारियों की रोकथाम और बड़े अस्पतालों में मरीजों का दबाव कम करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुदृढ़ करना जरूरी है। वेलनेस सेंटर के रूप में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के शुरुआत होने से प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार भी हुआ है। यह बातें एम्स में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले पर आयोजित एक कार्यक्रम में संस्थान के डाक्टरों ने कहीं। इस दौरान यह बात सामने आई कि एम्स मरीजों का दबाव कम करने के लिए जल्द ही एक स्क्रीनिंग ओपीडी शुरू करेगा।

एम्स की ओपीडी में पहुंचने वाले मरीजों की पहले स्क्रीनिंग होगी। इसके बाद मरीज ओपीडी में इलाज के लिए भेजे जाएंगे। जिन मरीजों को हल्की बीमारी होगी, उन्हें स्कीनिंग ओपीडी में देखने के बाद दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जाएगा। एम्स के मीडिया डिवरजन की प्रभारी डा. रीमा दादा ने कहा कि एम्स की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 18 हजार मरीज पहुंचते हैं। इस वजह से कई बार रात तक ओपीडी चलती है। एम्स में बहुत ऐसे मरीज पहुंचते हैं, जिनका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या द्वितीय श्रेणी के अस्पतालों में हो सकता है। इसलिए प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का बेहतर होना बहुत जरूरी है। एम्स का बल्लभगढ़ स्थिति कम्युनिटी हेल्थ सेंटर इसका बेहतर उदाहरण है। उन्होंने बताया कि एम्स में जल्दी ही स्क्रीनिंग ओपीडी शुरू की जाएगी। जिन मरीजों को एम्स में इलाज की जरूरत नहीं होगी, उन्हें स्क्रीनिंग ओपीडी में देखने के बाद वापस भेज दिया जाएगा। स्क्रीनिंग ओपीडी में सिर्फ उन्हीं मरीजों को एम्स की ओपीडी में भेजा जाएगा, जिन्हें वास्तव में तृतीय श्रेणी के अस्पताल में इलाज की जरूरत होगी।

एम्स। फाइल

कार्यक्रम में एम्स के डाक्टरों ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के ढांचे में पहले की तुलना में बदलाव आया है। पहले मातृ व शिशु देखभाल व टीकाकरण पर जोर दिया जाता है। अब आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में डायबिटीज, हाइपरटेंशन, सर्विकल कैंसर, स्तन कैंसर व ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग होने लगी है। एम्स के कम्युनिटी मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर डा. मोहन बैरवा ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में गैर संचारी बीमारियों की स्क्रीनिंग के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध है।

एम्स के कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डा. संजय राय ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करने में एम्स की अहम भूमिका रही है। एम्स तकनीकी मदद देता रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की गुणवत्ता में बदलाव आने पर स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव आएगा।

## इंजीनियर चला रहा था वाहन चोरों का अंतरराज्यीय गिरोह

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दिल्ली में लाखों की गाड़ियों को चंद मिनटों में चुराकर पंजाब व दूसरे राज्यों में बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के सरगना सहित दो चोर व वाहन खरीदने वाले तीन रिसीवर गिरफ्तार किए हैं।

गिरफ्तार पांचों आरोपितों से 14 कारें, नकली आरसी, 61 रिमोट चाबियां और अपराध में इस्तेमाल किए गए उपकरण बरामद किए हैं। वाहनों को खोलने और नई चाबियां तैयार करने के लिए उपयोग किया जाने वाला आन बोर्ड डायग्नोस्टिक टूल (एक्स-टूल) भी बरामद किया गया। गिरोह का सरगना हरप्रीत उर्फ स्मार्टी इंजीनियर की पढ़ाई किए है और वाहनों की अच्छी जानकारी रखता है। उस पर 40 आपराधिक मामले दर्ज हैं और तीन मामलों में वांछित था।

**कह कर रहेंगे** माधव जोशी

********

**2019** आम चुनाव से पहले लोकसभा के अंतिम सत्र में सपा नेता मुलायम सिंह यादव ने कामना की थी कि नरेन्द्र मोदी जीत हासिल कर दोबारा प्रधानमंत्री बनें। विपक्ष के नेता उनके इन शब्दों से चौंक गए थे।

# पर्दे के पीछे भी लिखी जाती है पटकथा

## पेशेवर रणनीतिकार अपने तरीके से व्यूह रचना कर जनमत को प्रभावित करने का करते हैं प्रयास

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली:** हेलीकाप्टर में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का मछली खाते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो या कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को राजनीति से ब्रेक लेने की रणनीतिकार प्रशांत किशोर की सलाह पर राज बब्बर की त्वरित प्रतिक्रिया या फिर राहुल गांधी के 'शक्ति' पर वार के विरुद्ध भाजपा का प्रहार-सब वार रूम की रणनीति है। पर्दे के पीछे से पेशेवरों की टीम राजनीतिक दलों के लिए विमर्श का एजेंडा तय कर रही है। मुद्दे को उछाल रही है। नेता के व्यक्तित्व को निखार रही और मनमाफिक परिणाम का वादा भी कर रही है।

लोकतंत्र में वोट की ताकत का महत्व है, लेकिन विगत करीब एक दशक से जनमत को प्रभावित करने का तरीका ढूंढ लिया गया है। ज्यादातर राजनीतिक पार्टियों ने चुनाव अभियान को रणनीतिकारों के हवाले कर दिया है। ऐसे में चुनाव का मतलब अब प्रतिनिधि चुनने का अनुष्ठान नहीं रह गया है। यह एक महायुद्ध की तरह हो गया है, जिसमें प्रत्यक्ष तौर पर कई मोर्चे होते हैं, लेकिन अहम मोर्चा पर्दे के पीछे के बाजीगर के हाथ में होता है। चुनाव की पूरी प्रक्रिया उसके धुन पर ही नाचती है। फिर चाहे लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा। इस सेवा के बदले उसे मोटी रकम दी जाती है। किसी-किसी दल में किंगमेकर भी मान लिया जाता है।

भाजपा में ऐसे कथित किंगमेकर को अब फेसीलिटेटर (मदद करने वाले) की संज्ञा तक सीमित कर दिया गया है। रणनीति की जिम्मेदारी नेतृत्व के पास ही रखी गई है। हां, क्षेत्रवार अध्ययन करने, मुद्दे सुझाने एवं मीडिया में विज्ञापन आदि के लिए कुछ ऐजेंसी की सेवाएं जरूर ली जाती हैं। पार्टी के ही कुछ नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है कि इन एजेंसियों के सुझावों को राजनीतिक अनुभव से परखें। उसके बाद ही अमल में लाएं, लेकिन कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल उनके इशारे पर काम को ही जीत का मंत्र मानते हैं। यह जरूर है कि इसके एवज में ये रणनीतिकार जितनी कीमत वसूलते हैं, वह छोटे दलों के लिए मुश्किल हो गई है। खासतौर पर अगर वह दल लंबे समय तक सत्ता से बाहर रहा हो।

### प्रशांत को जवाब देने राज बब्बर को किया आगे

प्रशांत किशोर सुनील कानूगोलू राज बब्बर

कांग्रेस ने पुरानी लीक नहीं छोड़ी है। पिछले दिनों पांच राज्यों के विस चुनाव में उसने सुनील कानूगोलू की टीम को जिम्मेदारी दी थी। सफलता नहीं मिली, पर कर्नाटक एवं हिमाचल के विस चुनाव की सफलता ने विश्वसनीयता बनाए रखी है। टीम में सौ से अधिक प्रोफेशनल हैं। प्राथमिक चिंता शीर्ष नेता पर हुए हमले को रोकना और प्रतिकार करना है। हाल में प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी को असफल बताते हुए जब पांच वर्ष के लिए राजनीति से ब्रेक लेने की सलाह दी तो कांग्रेस के रणनीतिकार कानूगोलू की टीम ने प्रतिरोध के लिए राज बब्बर को आगे किया।

- रणनीतिकारों की टीम विमर्श का एजेंडा करती है तय
- नेता के व्यक्तित्व को निखारने में भी होता है इनका योगदान

पार्टियों की रणनीति

### सर्वव्यापी हुई पीके की टीम

देश में पहली बार अत्यधिक व्यवस्थित और आक्रामक रणनीति के साथ चुनावी अभियान चलाने का श्रेय प्रशांत किशोर (पीके) को जाता है। उन्होंने 2014 में सिटिजंस फार अकाउंटेबल गवर्नेंस नाम से कंपनी बनाकर भाजपा के लिए काम किया। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी एवं के चंद्रशेखर राव जैसे कई दिग्गज नेताओं के लिए काम किया। बाद में इसी टीम के सदस्य विभिन्न राज्यों में फैल गए। पीके ने 2015 में आई-पैक नाम की कंपनी बनाई। पीके के साथ काम कर चुके जालंधर के राबिन शर्मा अब शोटाइम कंसल्टिंग नाम से अलग कंपनी चला रहे हैं। शिवसेना (शिंदे गुट), टीडीपी व नेशनल पीपुल्स पार्टी का काम संभाल रहे। पीके की प्रारंभिक टीम में रहकर भाजपा के लिए काम कर चुके सुनील कानूगोलू अब कांग्रेस को सेवा दे रहे हैं। आईपैक की कमान ऋषि राज सिंह, प्रतीक जैन एवं विनेश चंदेल के हाथ में है।

राबिन शर्मा

### मछली खाने का वीडियो भी रणनीति का हिस्सा

तेजस्वी यादव मनोज झा मुकेश सहनी

राजद ने पटना में तेजस्वी यादव के आवास में वार रूम बना रखा है। रणनीति राज्यसभा सदस्य मनोज झा एवं संजय यादव तय करते हैं। संजय लंबे समय से तेजस्वी के सलाहकार हैं। 2015 के विधानसभा चुनाव में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के आरक्षण संबंधी बयान को उछालकर लालू प्रसाद ने भाजपा पर जो बढ़त बनाई थी, उसके पीछे संजय की सलाह थी। इस लोकसभा चुनाव में भी तेजस्वी ने अपने गठबंधन के साथी वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ मछली खाते हुए जो वीडियो प्रसारित किया, वह संजय का ही सुझाव है। मल्लाह समाज में संदेश देने का प्रयास किया गया है कि मुकेश सहनी से पुरानी अदावत खत्म। अब हम एक हैं।

### इस तरह मतदाताओं को रिझाया और भरमाया जाता

जदयू की प्रचार कमान पूर्व आइएएस मनीष वर्मा संभाल रहे हैं। राज्यसभा सदस्य संजय झा का निर्देशन होता है। हालांकि, लगभग 40 सदस्यों की एक टीम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के व्यक्तित्व को निखारने के लिए 365 दिन काम करती है। इस बार उसका मार्गदर्शन मनीष वर्मा और संजय झा ही कर रहे हैं। जदयू की टीम में काम कर चुके राजनीतिक विश्लेषक अभय कुमार कहते हैं कि वोटरों को रिझाने-भरमाने के लिए मुद्दों का विश्लेषण और नए नारे गढ़ने के साथ-साथ विरोधियों का ट्रैक रिकार्ड देखकर उसके कमजोर पक्ष को उछाला जाता है।

मनीष वर्मा

**40** सदस्यों की टीम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के व्यक्तित्व को निखारने के लिए करती है काम

**2015** में आई-पैक नाम की कंपनी बनाई थी रणनीति कार पीके ने

महासमर के लिए पार्टियों की रणनीति की शृंखला में कल पढ़िए:
**मंच, माला, माइक... सबकी अपनी जुबां---**

# चुनौतियों से भरा पहला 'रण'

19 अप्रैल मतदान

लोकसभा चुनाव में पहले चरण का इम्तिहान नजदीक है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित 21 राज्यों में 19 अप्रैल को मतदान होगा। उत्तर प्रदेश में जहां भाजपा के लिए मुकाबला चुनौतीपूर्ण है, वहां मध्य प्रदेश में साख का सवाल है। उत्तर प्रदेश की जिन आठ सीटों सहारनपुर, कैराना, रामपुर, पीलीभीत, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना व मुरादाबाद में चुनाव होगा, वहां 2019 के लोस चुनाव में भाजपा पांच सहारनपुर, रामपुर, बिजनौर, नगीना व मुरादाबाद में हार गई थी। जबकि मध्य प्रदेश की 29 में एक सीट छिंदवाड़ा को छोड़कर सभी सीटों पर विजय पाई थी। ऐसे में इस प्रदर्शन को दोहराने का दबाव है।

**21** राज्य **102** सीटें

**8** सीटों पर चुनाव होगा उप्र में, मध्य प्रदेश की छह सीटों पर डाले जाएंगे वोट

चुनावी परिदृश्य

## उत्तर प्रदेश में भाजपा की कड़ी परीक्षा

- सपा के साथ रालोद के होने से पिछली बार भाजपा हार गई थी आठ में से पांच सीटें
- इसबार रालोद ने पाला बदल थाम लिया है राजग का दामन

**35** वर्ष से पीलीभीत सीट मेनका व वरुण के पास थी, जहां अब आएगा नया चेहरा

**इन आठ सीटों पर मतदान:** कैराना, सहारनपुर, रामपुर, पीलीभीत, बिजनौर, नगीना मुजफ्फरनगर व मुरादाबाद

**पिछली बार:** कैराना, पीलीभीत व मुजफ्फरनगर छोड़ शेष पांच सीटों पर हार गई थी भाजपा

**इस बार:** रालोद पिछली बार सपा संग था। इस बार राजग के साथ होने से भाजपा की राह है आसान

संतोष शुक्ल • जागरण

**मेरठ:** उत्तर प्रदेश में भाजपा का लक्ष्य सभी 80 सीटें जीतने का है, पर चुनौतियों का पहाड़ सामने है। पहले चरण की आठ में से पांच सीटों पर भाजपा 2019 में हार गई थी। हालांकि, पिछले चुनाव में सपा के साथ रहने वाला रालोद इस बार राजग के साथ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो रैलियों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी समेत अन्य की जनसभाओं से चुनावी पारा चढ़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती व अखिलेश यादव भी पश्चिम को मथने पहुंच रहे हैं।

सहारनपुर सीट 2019 में बसपा के फजलुर्हमान ने सपा-रालोद के सहयोग से भाजपा के राघव लखनपाल से छीन ली थी। मिशन-2024 को लेकर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सहारनपुर, बिजनौर एवं नगीना जैसी हारी सीटों पर होमवर्क किया। अब राघव इस सीट को कब्जाने के लिए पूरी ताकत झोंक चुके हैं। कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद ध्रुवीकरण की हवा रोकने के लिए हिंदू मतदाताओं के साथ रिश्ते प्रगाण कर रहे हैं। 2019 में भाजपा के प्रदीप चौधरी कैराना से जीत गए थे, जो दोबारा मैदान में हैं। कांग्रेस के सहयोग से सपा के टिकट पर 27 साल की इकरा हसन की मेहनत और संपर्क ने चुनाव को दिलचस्प बनाया है। शामली में भाजपा प्रत्याशी का विरोध है। मुजफ्फरनगर पर भाजपा के डा. संजीव बालियान 2014 से काबिज हैं, पर इस बार उनके सामने ठाकुरों की नाराजगी बड़ी चुनौती है। सपा प्रत्याशी हरेंद्र मलिक मुस्लिम, जाट एवं बालियान से नाराज वोटरों को साधने में जुटे हैं। बिजनौर में भाजपा के सहयोग से रालोद के टिकट पर लड़ रहे चंदन चौहान के साथ ठोस वोटबैंक खड़ा दिखाई पड़ता है। नगीना में भाजपा के ओमकुमार तो आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर भी मैदान में हैं। मुरादाबाद सीट 2019 में डा. एसटी हसन ने भाजपा के सर्वेश सिंह से छीन ली थी। भाजपा ने फिर सर्वेश को उतारा, पर सपा ने आजम खान के दबाव में हसन का टिकट काटकर बिजनौर की पूर्व विधायक रुचि वीरा को दे दिया। रामपुर में भाजपा ने सांसद घनश्याम लोधी को फिर उतारा है। 35 वर्ष से पीलीभीत सीट मेनका व वरुण गांधी के पास रही, पर इस बार योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद को भाजपा ने उतारा है। उनके सामने सपा ने पूर्व मंत्री भगवत सरन व बसपा ने पूर्व मंत्री अनीस अहमद को उतारा है। यहां मुस्लिम वोटों में बंटवारा से जहां भाजपा की उम्मीदें खिलेंगी।

### योगी के चर्चित बयान

'अपराधियों को सही जगह भेज देंगे', 'जिनकी गर्मी शांत हो गई, उनकी वापस न आए' व 'पाकिस्तान में घुसकर मारेंगे' जैसे योगी के बयान चर्चित रहे हैं।

## मप्र में मोदी व राहुल का गोंडवाना पर जोर

**मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव पांच बार छिंदवाड़ा का दौरा कर चुके हैं तो कमल नाथ के कई भरोसेमंद उनका साथ छोड़ भाजपा का दामन थाम चुके**

- दोनों ने आदिवासी मतदाताओं को लुभाने के लिए झोंक दी पूरी ताकत
- पहले चरण के परिणाम तय करेंगे कमल नाथ और केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते का राजनीतिक भविष्य

**इन छह सीटों पर मतदान:** जबलपुर, मंडला, सीधी, शहडोल, बालाघाट और छिंदवाड़ा

**पिछली बार:** छिंदवाड़ा छोड़ सभी सीटों पर भाजपा ने पाई थी जीत

**इस बार:** लोस क्षेत्रों के अधीन आने वाली विस में कुछ पर कांग्रेस की स्थिति मजबूत होने से भाजपा की राह आसान नहीं लग रही

### सीधी, शहडोल, मंडला और छिंदवाड़ा में आदिवासी तय करते हैं जीत और हार

| संसदीय सीट | कुल मतदाता | आदिवासी मतदाता | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| सीधी | 11,27,033 | 3,13,304 | 27.80 |
| शहडोल | 10,66,063 | 4,76,008 | 44.66 |
| मंडला | 10,54,905 | 6,10,528 | 57.87 |
| छिंदवाड़ा | 20,90,922 | 7,69,788 | 36.81 |

धनंजय प्रताप सिंह • नईदुनिया

**भोपाल:** मध्य प्रदेश में ओला-बारिश ने भले ही मौसम में ठंडक घोल दी है, लेकिन राजनीति का पारा चढ़ा हुआ है। पहले चरण में प्रदेश की छह सीटों पर मतदान होना है। शहरी सीट जबलपुर को छोड़कर मंडला, शहडोल, बालाघाट, सीधी और छिंदवाड़ा ग्रामीण अंचल वाली सीटें हैं। इन्हें गोंडवाना क्षेत्र के नाम से भी पहचाना जाता है और इन पर आदिवासी वर्ग ही निर्णायक स्थिति में है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आदिवासी मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पीएम मोदी ने जबलपुर में रोड शो और बालाघाट में रैली की तो राहुल गांधी ने मंडला लोस क्षेत्र के धनौरा व शहडोल में आदिवासियों को संबोधित किया।

दोनों ही दल आदिवासियों का समर्थन पाने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। इसकी बड़ी वजह चार महीने पहले हुए विस चुनाव हैं, जिसमें गोंडवाना क्षेत्र में भाजपा का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा था। मंडला संसदीय क्षेत्र में आने वाली आठ विस सीटों में से आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित चार में कांग्रेस जीती थी। एक पर आगे रही, जबकि भाजपा तीन सीटें ही जीत पाई। सीधी और शहडोल दोनों लोस में भाजपा के पास सात विस सीटें हैं। एक सीट पर कांग्रेस का विधायक है। इस लिहाज से दोनों लोस सीटों पर भाजपा मजबूत है। बालाघाट के आठ विस क्षेत्रों में से भाजपा और कांग्रेस के पास चार-चार सीटें हैं, लेकिन यहां धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये क्विंटल नहीं किए जाने से लोगों में नाराजगी है। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन भी अपेक्षित जोश के साथ प्रचार में नहीं जुटे हैं।

**छिंदवाड़ा में भाजपा ने लगाया जोर:** कांग्रेस के दिग्गज नेता कमल नाथ के गढ़ छिंदवाड़ा को भेदने के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे तो अमित शाह ने मंडला में केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को चुनाव जितवाने के लिए जनसभा की और मोदी के नाम पर वोट देने की अपील की। छिंदवाड़ा में तो सभी सातों विस सीटें कांग्रेस के पास हैं। चुनाव से कुछ दिन पहले एक आदिवासी विधायक कमलेश शाह त्याग-पत्र देकर भाजपा में शामिल हो गए। यहां के परिणाम कमल नाथ के राजनीतिक भविष्य का निर्णय करेंगे। छिंदवाड़ा से भले ही उनके पुत्र नकुल नाथ चुनाव लड़ रहे हैं, पर प्रतिष्ठा कमल नाथ की ही दांव पर लगी है। भाजपा ने कांग्रेस के इस किले को ध्वस्त करने को तगड़ी घेराबंदी की है।

## अतीत के आईने से

### मोदी 3डी अवतार में पहुंचे थे ऊधमपुर

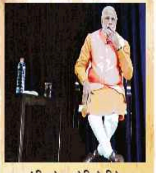

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 12 अप्रैल को ऊधमपुर में जनसभा की, लेकिन वर्ष 2014 में यहां उन्होंने 3डी अवतार में जिस तरह चुनाव प्रचार किया था, उससे सब हैरान रह गए थे। वह प्रत्यक्ष रूप में सामने नहीं थे, किंतु आभासी रूप में मंच पर मोदी की मौजूदगी देखकर लोगों को ऐसा लगा कि वह यहीं से बोल रहे हैं। उस जनसभा में जिस 3डी तकनीक का उपयोग हुआ था, उसे देखना तो दूर लोगों ने इसके बारे में सुना तक नहीं था।**

#### बनाया गया विशेष मंच

11 अप्रैल, 2014 को शुक्रवार को मोदी के 3डी तकनीक से संबोधन के लिए ऊधमपुर के सैला तालाब मैदान में विशेष मंच बनाया गया था। संबोधन शाम पांच बजे था और लोगों की भारी भीड़ थी। ढाई घंटे के इंतजार के बाद शाम साढ़े सात बजे मंच का पर्दा खुला। सामने मंच पर गहरे नीले रंग के प्रकाश में एक कुर्सी और मेज लगी थी। कुछ पल के बाद उद्घोषणा के साथ नरेन्द्र मोदी मंच के एक तरफ से 3डी अवतार में सामने आए। फिर मंच पर सामने आकर उन्होंने हाथ जोड़कर सबका अभिवादन किया। कुछ देर बैठने के बाद उन्होंने अपना संबोधन शुरू किया, जो घंटे भर चला। उस दिन मोदी ने देश भर में 100 जगह एक साथ 3डी तकनीक से रैलियों को संबोधित किया था।

#### मेज पर रखे गिलास से तीन बार पानी पिया

3डी तकनीक का प्रयोग करते समय नरेन्द्र मोदी किसी भी समय ऐसे नहीं लगे कि वह यहां प्रत्यक्ष नहीं हैं। उन्होंने मेज पर रखे गिलास से तीन से चार बार पानी पिया। संबोधन के अंत में उन्होंने लोगों से दोनों हाथ उठवाकर भारत माता के जयघोष लगवाए।

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

# भाजपा की लुभावनी योजनाओं के बाद वोटर देंगे साथ या जताएंगे नाराजगी

इन्द्रप्रीत सिंह • जागरण

राजस्थान का रण

### ठंडा चुनाव.... झंडे-पोस्टर नहीं लगे

श्रीगंगानगर के हरे-भरे खेतों से होता हुआ यह संभाग बीकानेर के रेतीले टीलों तक जाता है, पर कहीं भी यह महसूस नहीं होता कि यहां की दो सीटों पर कोई चुनाव हो रहा है। कहीं कोई झंडा-पोस्टर नहीं, न ही कोई चुनाव प्रचार करते आटो-रिक्शा या अन्य वाहन। उम्मीदवार या तो बड़े नेताओं की रैलियां करा रहे हैं या फिर छोटी-छोटी बैठकें।

**श्रीगंगानगर:** तीन कृषि कानून को लेकर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बाद अगर किसी इलाके के किसान ज्यादा नाराज थे तो वह है, राजस्थान का श्रीगंगानगर। लोकसभा चुनाव में किसानों के गुस्से को शांत करने के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार ने दो बड़े फैसले लिए हैं, जिनका प्रभाव क्षेत्र में पड़ना लाजिमी है। पहला-किसानों को गेहूं की फसल पर 125 रुपये बोनस देना, दूसरा डीजल और पेट्रोल की कीमतों को कम करना। यहां यह देखना दिलचस्प होगा कि पूरे राज्य का 60 प्रतिशत गेहूं अकेले देने वाले श्रीगंगानगर क्षेत्र के किसान सरकार के उक्त फैसलों से नाराजगी भूल जाएंगे या फिर लोकसभा चुनाव में गुस्सा निकालेंगे। दरअसल, विधानसभा चुनाव में वह श्रीगंगानगर संसदीय क्षेत्र के अधीन आने वाली आठ विस सीटों में से छह कांग्रेस को जिता गुस्सा निकाल चुके हैं।

यहां यह दलील केवल इसलिए दी जा रही है, क्योंकि पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने चुनाव में दोबारा बाजी मारने के लिए प्रदेश के लोगों के लिए कई ऐसी योजनाएं शुरू कीं, जिसका सीधा लाभ लोगों को हुआ, लेकिन मतदाताओं ने सरकार बदलने की परंपरा को बरकरार रखा। संसदीय चुनाव में कोई वर्ग नाराज न हो, इसलिए सौगातें देने की गहलोत की प्रथा को भाजपा सरकार ने भी जारी रखते हुए किसानों के लिए 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने के साथ डीजल-पेट्रोल के दामों में कमी की।

श्रीगंगानगर के भाजपा विधायक जयदीप बिहानी का कहना है कि उक्त दोनों फैसलों का किसानों पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। वह भाजपा के साथ आ गए हैं, जबकि दूसरी ओर इलाके के मतदाताओं का कहना है कि उपहार देने से वोट तय नहीं होते। ऐसा होता तो पूरे प्रदेश में गहलोत फिर से जीत जाते। जिले के गांव तारकांवाली के विक्रम सिहाग का कहना है कि गहलोत ने 500 रुपये का सिलेंडर, 432 रुपये की फूड किट, आठ हजार रुपये का महिलाओं को मोबाइल, लंपी स्किन बीमारी से मरने वाले पशुओं के मालिकों को दो गाय खरीदने के लिए मुआवजा, सौ यूनिट निश्शुल्क बिजली और मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 25 लाख तक का इलाज और सड़क दुर्घटना में मरने वालों को पांच लाख रुपये दिए थे, पर चुनाव नहीं जिता पाए।

बीकानेर संभाग की श्रीगंगानगर और बीकानेर दोनों लोस सीटें आरक्षित हैं। श्रीगंगानगर से भाजपा ने पांच बार के सांसद रहे निहाल चंद मेघवाल की जगह प्रियंका मेघवाल को टिकट दिया है तो कांग्रेस ने कुलदीप इन्दौरा को उतारा है। संभाग की दूसरी सीट बीकानेर में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल, जो लगातार तीन बार से सांसद चले आ रहे हैं का मुकाबला कांग्रेस के गोविंद राम मेघवाल से है। बसपा के उम्मीदवार खेतराम मेघवाल भी तीसरा कोण बनने की कोशिश कर रहे हैं। बीकानेर संसदीय सीट के अधीन आने वाली आठ विधानसभा सीटों में स्थिति श्रीगंगानगर से बिल्कुल विपरीत है। यहां दो पर कांग्रेस और छह पर भाजपा का कब्जा है।

## चुनावी कानाफूसी

### सुखबीर बादल को लग गई मान की नजर

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल इन दिनों पंजाब बचाओ यात्रा निकाल रहे हैं। उनके मुताबिक पंजाब को आम आदमी पार्टी से बचाना है। इसलिए उनके निशाने पर मुख्यमंत्री भगवंत मान हैं। यात्रा को लेकर मान ने कटाक्ष किया कि सुखबीर बादल बाहर का तापमान देख कर निकलते हैं। उनका मतलब पंजाब में इस समय पड़ रही तेज गर्मी से था। मान के इस बयान को आए दो दिन ही बीते थे कि यात्रा के दौरान सुखबीर की सेहत बिगड़ गई। लुधियाना में उन्हें डायरिया हो गया। इसके कारण शिअद के वरिष्ठ नेता व रिश्ते में उनके साले बिक्रम सिंह मजीठिया को आनन-फानन बुलाना पड़ा। मजीठिया ने पंजाब बचाओ यात्रा का सफर जारी रखा और सुखबीर बादल को चंडीगढ़ के अस्पताल ले जाना पड़ा। सुखबीर भले ही लंबे समय से यह यात्रा निकाल रहे हों, लेकिन तबीयत उनकी तब ही खराब हुई जब मान ने उन पर कटाक्ष किया। फिर क्या लोग कहने लगे, लगता है कि मान की नजर सुखबीर को लग गई।

सुखबीर बादल

## ग्राउंड रिपोर्ट मदुरै

# कांग्रेस-वामपंथ के दुर्ग में भाजपा का राष्ट्रवाद पर दांव

भाजपा का चुनाव रथ, जिस पर लगीं हैं नंदी गाय व संत तिरूवल्लुवर की तस्वीरें • जागरण

### भाजपा प्रचार में इनका भी कर रही इस्तेमाल

सामाजिक समीकरण को साधने के प्रयास के साथ भाजपा यहां से जुड़े सनातन के सांस्कृतिक मजबूत स्तंभों को भी उभारने का अपने प्रचार में बखूबी इस्तेमाल कर रही है। भाजपा के चुनाव रथ पर लगीं नंदी गाय, संत तिरूवल्लुवर की तस्वीरों के साथ हाथ में सेंगोल लिए पीएम मोदी की तस्वीरें द्रविड़ पार्टियों को चुनौती देने के लिए भाजपा की चिंतन शैली का साफ संदेश दे रही हैं। मीनाक्षी मंदिर और जलीकट्टू की रथ पर लगी तस्वीरों के जरिये भाजपा यहां की सांस्कृतिक परंपराओं को भी स्वीकार करने का संदेश देते दिख रही है। इस रथ के प्रभारी दक्षिण चेंगलपटु जिला भाजपा अध्यक्ष मोहन राजा ने कहा कि हमारा कुछ साल पहले तक पहले नोटा पार्टी कह मजाक उड़ाया जाता था, पर अब उच्च वर्ग के भी लोग हमारे पास आकर जुड़ने की बात कर रहे।

अन्नाद्रमुक प्रत्याशी जयललिता-एमजीआर की तस्वीरें गाड़ी पर लगाकर दे रहे पार्टी की विरासत का संदेश • जागरण

- अन्नाद्रमुक के आपसी झगड़े से बेचैन उसके समर्थक वर्ग को साधने सनातन से जुड़े स्थानीय प्रतीकों का भी भाजपा ले रही सहारा
- विस्तार के प्रयास में स्थानीय जातियों पर निगाहें लगा राज्य में नई संभावनाएं देख रही

संजय मिश्र • जागरण

**मदुरै:** कांग्रेस व वामपंथ की वैचारिक धारा का मजबूत आधार रहे तमिलनाडु की सांस्कृतिक राजधानी मदुरै में भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अपनी वैचारिक धारा के सहारे सेंध लगाने की कोशिश कर रही। जयललिता के जीवनकाल में मदुरै अन्नाद्रमुक के वोटबैंक का भी एक मजबूत किला रहा था। राजनीतिक प्रभाव का विस्तार करने के प्रयास में भाजपा यहां से जुड़े सनातन के सांस्कृतिक प्रतीकों के सहारे ठोस वोटबैंक माने जानी वाली द्रविड़ पार्टियों से जुड़ी स्थानीय जातियों पर निगाहें लगा संभावनाएं देख रही है।

अन्नाद्रमुक के अंदरूनी झगड़े की पृष्ठभूमि में जातियों पर स्थानीय पार्टियों के वर्चस्व के सियासी समीकरण को भेदने के लिए भाजपा को 2024 का चुनाव बड़ा मौका नजर आ रहा है। इसलिए उसने कमजोर माने जाने वाली कुछ स्थानीय जातियों को साधने की कसरत को गति दे रखी है। मदुरै का इतिहास जितना रोचक और प्रभावशाली रहा है, उसकी सियासत भी कम दिलचस्प नहीं रही है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर से कांग्रेस का गढ़ रहे मदुरै में कामगार संगठनों के दम पर भाकपा-माकपा ने पिछली सदी के सातवें दशक में वामपंथी विचारधारा का एक मजबूत आधार बना लिया। मदुरै से लोस में माकपा के वर्तमान सांसद सू वेंकटेशन का द्रमुक-कांग्रेस-वामदलों का संयुक्त उम्मीदवार होना भी इस बात को साबित करता है कि वामपंथी दलों का आधार यहां कायम है। कांग्रेस के लिए यह क्षेत्र कितना महत्वपूर्ण रहा होगा, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि महात्मा गांधी ने आजीवन धोती के दो टुकड़ों से तन ढकने का व्रत लेने की घोषणा मदुरै में ही की थी। अब बदली स्थिति में कांग्रेस द्रमुक संग मिलकर माकपा प्रत्याशी के लिए प्रचार कर रही है। इसमें संदेह नहीं कि राज्य में द्रमुक-कांग्रेस-वामदलों का गठबंधन जमीनी स्तर पर मजबूत है और अन्नाद्रमुक प्रत्याशी डा. पी सवर्ण को अपने पुराने कैडर का भरोसा, पर भाजपा अपने प्रत्याशी राम श्रीनिवासन के जरिये सत्तारूढ़ गठबंधन के सामने मजबूत सियासी-वैचारिक चुनौती पेश कर रही है। अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने को भाजपा ने दलित समुदाय की यहां की तीन स्थानीय जातियों के समूह मुकुलतो को साधने का दांव चला है, जिसकी संख्या करीब 35 प्रतिशत है। ये हमेशा जयललिता का समर्थन करती रहीं थीं। जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक की लड़ाई के चलते मुकुलतो में शामिल पल्लर, परायर और अरुणथातियार में बेचैनी है। इसमें पल्लर पर विशेष फोकस कर रही भाजपा उन्हें देवराज इंद्र का वंशज बता उनके जातीय गौरव को उभारने का दांव भी चल रही है, जो इस वर्ग के बुजुर्गों-युवाओं को आकर्षित कर रहा है। मदुरै के पेरियार बस स्टैंड के आनंदा रेस्त्रां के बाहर युवाओं की एक टोली ने चुनावी चर्चा में भी भाजपा के इस प्रयास का जिक्र किया और इस वर्ग के युवा राजन एम ने कहा कि ईडी पलानीसामी ने अन्नाद्रमुक से ओपी पनीरसेल्वम को किनारे लगा दिया है तो हम नए विकल्प को क्यों न देखें। रोचक यह है कि इस वर्ग से आने वाले पनीरसेल्वम का भाजपा से चुनावी गठबंधन है।

********

**68** पृष्ठों का रिपोर्ट कार्ड भी जारी किया है कांग्रेस नेता और केरल के तिरुअनंतपुरम से पार्टी प्रत्याशी शशि थरूर ने। इस रिपोर्ट कार्ड में उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में उनके द्वारा बीते 15 वर्षों में किए गए कार्यों और उपलब्धियों का उल्लेख किया है।

# कंगना के सामने विक्रमादित्य, चंडीगढ़ से मनीष तिवारी

**नई सूची** ▸ कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, गुजरात और ओडिशा के लिए जारी की 16 प्रत्याशियों की सूची

### हिमाचल में राजनीतिक संकट के बावजूद कांग्रेस ने दो विधायकों को दिया लोस चुनाव का टिकट

जागरण टीम, नई दिल्ली

कंगना रनौत। फाइल विक्रमादित्य सिंह।

हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत को कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह चुनौती देंगे। जबकि चंडीगढ़ में इस बार कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी को टिकट दिया है। इस सीट पर कांग्रेसी दिग्गज पवन बंसल की मजबूत दावेदारी थी। पवन बंसल भी केंद्र में मंत्री रह चुके हैं। शनिवार देर शाम को जारी कांग्रेस की सूची में चंडीगढ़ व हिमाचल की दो सीटों के अलावा गुजरात में तीन और ओडिशा में नौ सीटों के लिए प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई। इसके साथ ही सूची में गुजरात विधानसभा उपचुनाव के लिए भी पांच प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है।

कांग्रेस की नई सूची सामने आने के बाद कंगना के सामने कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर चल रही अटकलों का दौर समाप्त हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह व सांसद प्रतिभा सिंह के पुत्र विक्रमादित्य वर्तमान में शिमला ग्रामीण से विधायक हैं। कांग्रेस की सूची आने से पहले ही शनिवार शाम हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह विक्रमादित्य को टिकट मिलने की बात कह चुकी थीं। मंडी के अलावा शिमला सीट के लिए कसौली से कांग्रेस विधायक विनोद सुल्तानपुरी का नाम तय किया गया है। फिलहाल कांगड़ा व हमीरपुर क्षेत्र पर अभी किसी नाम पर सहमति नहीं बनी है। प्रदेश में राजनीतिक संकट के बावजूद कांग्रेस ने दो विधायकों को टिकट देकर बड़ा दांव खेला है। कांग्रेस इन दो सीटों पर जीत के प्रति आश्वस्त दिख रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में प्रत्याशियों के नाम तय किए गए। हिमाचल में पुराने के बजाय युवा चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा है।

**कौन हैं विक्रमादित्य सिंह :** 17 अक्टूबर, 1989 को जन्मे विक्रमादित्य सिंह राज्य सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री हैं। वह दूसरी बार शिमला ग्रामीण से चुनाव जीते हैं। वह कांग्रेस के स्टार प्रचारक थे। उनके पिता स्वर्गीय वीरभद्र सिंह छह बार मुख्यमंत्री रहे हैं, जबकि उनकी माता प्रतिभा सिंह मंडी से वर्तमान में सांसद व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हैं।

## शिअद की पहली सूची में पार्टी प्रमुख की पत्नी हरसिमरत का नाम नहीं

कैलाश नाथ ● जागरण

▸ पार्टी ने सात प्रत्याशियों के नाम किए घोषित, बठिंडा संसदीय सीट पर साधी चुप्पी

**चंडीगढ़:** पंजाब में शिरोमणि अकाली दल ने खालसा पंथ के स्थापना दिवस के मौके पर लोकसभा चुनाव में अपने सात उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। खास बात यह है कि इस सूची में पार्टी के प्रमुख सुखबीर बादल की पत्नी और बठिंडा से लगातार तीन बार सांसद रहीं हरसिमरत कौर बादल का नाम नहीं है। पहली सूची में हरसिमरत कौर बादल का नाम न होने से यह संदेह उत्पन्न होने लगा है कि क्या पार्टी सिटिंग सांसद की सीट को बदलना चाहती है। बताते हैं कि बठिंडा में शिअद की स्थिति अच्छी नहीं बताई जा रही है। हालांकि यहां से अभी किसी अन्य प्रत्याशी का नाम घोषित भी नहीं किया गया है। बता दें कि बठिंडा में शिअद के नेता रहे स्वरूप चंद सिंगला बहुत पहले ही भाजपा में चले गए थे। वहीं, मौड़ हलका देख रहे सिकंदर सिंह मलूका का परिवार भी भाजपा में शामिल हो गया है और कयास लगाए जा रहे हैं कि मलूका भी भाजपा में जा सकते हैं।

हरसिमरत कौर। फाइल

### बैतूल के प्रत्याशी के निधन के बाद बसपा ने उनके बेटे को दिया टिकट

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

बसपा ने शनिवार को बैतूल से नया प्रत्याशी घोषित कर दिया है। यहां से दिवंगत प्रत्याशी अशोक भलावी के बेटे अर्जुन भलावी को उम्मीदवार बनाया गया है। अशोक भलावी का हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। यहां पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना था। प्रत्याशी के निधन के चलते निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ा दी थी। अब यहां तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा। यहां नए में सिर्फ बसपा प्रत्याशी का नामांकन पत्र स्वीकार किया जाएगा, बाकी यथावत रहेंगे। बैतूल के अतिरिक्त इंदौर के लिए भी पार्टी ने प्रत्याशी घोषित कर दिया है। यहां संजय सोलंकी को उतारा गया है।

## अहमदाबाद पूर्व सीट से रोहन की जगह अब हिम्मत सिंह लड़ेंगे चुनाव

**राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद:** कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हुए रोहन गुप्ता वाली अहमदाबाद पूर्व सीट से गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हिम्मत सिंह चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने राजपूत समाज के साथ विवाद में फंसे केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रुपाला के खिलाफ पूर्व नेता विपक्ष परेश धनाणी को टिकट दिया है।

कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने गत दिनों अहमदाबाद पूर्व से नाम घोषित होने के बाद पिता की बीमारी के बहाने चुनाव न लड़ने की बात कही थी। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस से भी इस्तीफा दे दिया और भाजपा में शामिल हो गये। अब कांग्रेस ने अहमदाबाद पूर्व से पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हिम्मत सिंह पटेल को प्रत्याशी घोषित किया है। हिम्मत सिंह गत विधानसभा चुनाव बापूनगर सीट से हार गये थे। रोहन के पिता राजकुमार गुप्ता हिम्मत सिंह पटेल के अच्छे मित्र हैं। कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रुपाला के खिलाफ पूर्व नेता विपक्ष परेश धनाणी को मैदान में उतारा है। अमरेली विधानसभा सीट पर इन दोनों नेताओं का 2007 के चुनाव में आमना-सामना हो चुका है।

# सनातन का अपमान कर लोगों की भावनाएं आहत कर रही द्रमुक : शाह

कन्याकुमारी में शनिवार को चुनावी रोड शो के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ

▸ तमिलनाडु में गृह मंत्री ने डीएमके पर बोला हमला, किया रोड शो

▸ कहा - मोदी देश को प्रगति के पथ पर ले जा रहे

**नागरकोइल (तमिलनाडु), प्रेट्र :** गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर सनातन धर्म का अपमान करके लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया और लोगों से 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव में इस पार्टी को सबक सिखाने का आह्वान किया।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि द्रमुक ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर अशोभनीय टिप्पणी की। शाह ने पार्टी उम्मीदवार पोन राधाकृष्णन (पोन्नार) के समर्थन में कन्याकुमारी लोकसभा क्षेत्र में एक मेगा रोड शो में कहा कि एक तरफ द्रमुक जनभावनाओं को आहत करती है तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार सभी का सम्मान करती है और एकता में विश्वास करती है। शाह ने अपने प्रचार वाहन से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ सरकार पर निशाना साधने से पहले भगवान राम का नाम लिया। रोड शो के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने ''एक बार फिर मोदी सरकार'', ''भारत माता की जय'' और ''एक बार फिर पोन्नार'' के नारे लगाए।

शाह ने कहा कि मोदी देश को प्रगति के पथ पर ले जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा के 400 सीट से अधिक हासिल करने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि तमिलनाडु में लोग चार सौ पार का नारा लगा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि द्रमुक और अन्नाद्रमुक के भ्रष्टाचार ने तमिलनाडु को प्रभावित किया है।

# भोपाल की मस्जिद में गूंजा 'हर हर मोदी-घर घर मोदी' का नारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में भोपाल की मस्जिद में हर-हर मोदी घर-घर मोदी के नारे गूंजे। भोपाल की अलीगंज हैदरी मस्जिद के कम्युनिटी हाल में वोहरा समाज द्वारा आयोजित ईद कार्यक्रम में भोपाल लोस सीट से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा भी पहुंचे। उनकी मौजूदगी में वोहरा समाज ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा की, फिर हर-हर मोदी घर-घर मोदी व अबकी बार 400 पार के नारे लगाए। मोदी के समर्थन में लगाए गए नारों की फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया में बहुप्रसारित हो रहा है। नईदुनिया

# राजद ने एक करोड़ नौकरियों का किया वादा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

▸ प्रतिमाह दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, पांच सौ में रसोई गैस

▸ गरीब परिवार की महिलाओं को प्रति वर्ष एक लाख की सहायता

बिहार

लोकसभा चुनाव के लिए राजद ने शनिवार को परिवर्तन पत्र के नाम से घोषणापत्र जारी कर दिया। इसमें जनता से 24 वादे किए गए हैं। इन्हें जन वचन का नाम दिया गया है। पहला वचन यह कि राजद की मदद से केंद्र में गठबंधन की सरकार बनती है तो छह महीने के भीतर एक करोड़ नौकरियों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होगी। सरकारी सेवाओं में 30 लाख पद अभी रिक्त हैं। 70 लाख अतिरिक्त पदों का सृजन किया जाएगा। विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने पार्टी कार्यालय में यह घोषणापत्र जारी किया।

उन्होंने कहा कि बिहार के 17 साल बनाम 17 महीने की तर्ज पर केंद्र सरकार भी निश्चित समय सीमा के भीतर नौकरियां देगी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देगी। इसके अलावा राज्य के विकास के लिए पांच वर्षों में एक लाख 60 हजार करोड़ रुपये विशेष सहायता के मद में देगी। उन्होंने दावा किया कि इस साल 15 अगस्त से बेरोजगारी समाप्त करने के लिए विशेष पहल शुरू होगी। घरेलू गैस की कीमत पांच सौ रुपये निर्धारित होगी। घरेलू उपभोक्ता को हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। चार वर्ष की अग्निवीर योजना समाप्त होगी। पुरानी पेंशन योजना लागू होगी।

राजद का 'परिवर्तन पत्र' जारी करते पार्टी के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव। प्रेट्र

## अशफाक के बाद अब पूर्व मंत्री वृषिण पटेल ने छोड़ा राजद

**राज्य ब्यूरो, जागरण. पटना :** लोकसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे में कथित मनमानी से उभरा राजद नेताओं का असंतोष अब बाहर आ रहा है। राज्यसभा के पूर्व सदस्य अशफाक करीम के बाद अब पूर्व मंत्री और राजद के वरिष्ठ नेता वृषिण पटेल ने शनिवार को राजद की प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया है। इससे पहले राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रसाद यादव ने टिकट वितरण में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाकर पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद को पत्र लिखा था।

प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को भेजे गए त्याग पत्र में पटेल ने कहा कि इस पार्टी को समर्पित कार्यकर्ताओं की जरूरत नहीं है। पार्टी की सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव में आस्था नहीं है। इस वजह से वह राष्ट्रीय जनता दल की प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र दे रहे हैं।

# आज जारी किया जाएगा भाजपा का 'संकल्प पत्र'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ विकसित भारत और बेहतर अवसर पर हो सकता है केंद्रित

▸ किसानों को राहत देने के लिए हो सकती है विशेष घोषणा

भाजपा अपना चुनावी घोषणा पत्र रविवार को जारी करेगी। माना जा रहा है कि इस 'संकल्प पत्र' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चार जातियों का विशेष ख्याल रखा गया है। गरीब, युवा, किसान एवं आधी आबादी के प्रोत्साहन के लिए काफी कुछ होगा। भाजपा ने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र का नाम दिया है, जिसकी थीम 2047 तक विकसित भारत बनाने की 'मोदी की गारंटी' पर आधारित हो सकती है। दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में संकल्प पत्र को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह एवं अमित शाह जारी करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री की भी उपस्थिति हो सकती है।

सूत्रों का कहना है कि संकल्प पत्र में किसान कल्याण का उल्लेख विशेष तौर पर होगा। पीएम किसान सम्मान निधि के पैसे बढ़ाने की घोषणा भी हो सकती है। अभी किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये दिए जाते हैं। इसी तरह परोक्ष तौर पर किसानों के लिए कुछ अन्य योजनाओं की भी घोषणा की जा सकती है। सत्ता में आने पर एक ऐसा कानून बनाने का भी वादा किया जा सकता है कि जिसमें ईडी द्वारा जब्त संपत्ति के मामले में निवेशकों को जल्द पैसे वापस करने जैसी बात हो सकती है। पहली बार राम मंदिर और 370 का जिक्र नहीं होगा, क्योंकि भाजपा के लिए दोनों मुद्दे अब अप्रासंगिक हो गए हैं। लेकिन समान नागरिक संहिता का उल्लेख हो सकता है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र को जारी करने के लिए रविवार इसलिए चुना है कि नवरात्रि के साथ ही इसी दिन बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती भी है। कांग्रेस का घोषणा पत्र पहले ही जारी किया जा चुका है।

# मोदी के 'नूब' वाले बयान पर मचा राजनीतिक घमासान

▸ कांग्रेस ने कहा, यह चुनाव के समय भाजपा की सियासी चाल

▸ भाजपा ने पूछा, कांग्रेस नेता इस पर प्रतिक्रिया क्यों दे रहे हैं

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कंप्यूटर गेमिंग के शब्द नूब (नौसिखिया, कमजोर खिलाड़ी) के जरिये विपक्ष के एक नेता पर तंज कसे जाने के बाद भाजपा और कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया। मोदी ने शीर्ष गेमरों के साथ मुलाकात के दौरान कहा कि अगर मैं नूब कहता हूं, तो आप समझ जाएंगे कि किसके बारे में बात हो रही है। प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी के बाद इंटरनेट मीडिया पर मीम की बाढ़ आ गई। इसके साथ ही राजनीतिक घमासान भी शुरू हो गया।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने इस टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री की आलोचना की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वह किसके बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन वह एक विपक्षी नेता के बारे में बात कर रहे हैं। वह किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं, जो शीर्ष विश्वविद्यालयों में पढ़ा-लिखा है। यह चुनाव के इर्द-गिर्द भाजपा की सिर्फ राजनीतिक चाल है। कांग्रेस नेता ने संवाददाताओं से कहा, इसका उलटा असर होगा।

भाजपा नेता और प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी पर विपक्षी पार्टी के नेता की प्रतिक्रिया यह पुष्टि करती है कि वास्तव में राजनीति में नूब कौन है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री मोदी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कांग्रेस नेता प्रतिक्रिया क्यों दे रहे हैं और पुष्टि कर रहे हैं कि राजनीति का नूब कौन है।

उधर, बालीवुड की अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत ने गेमरों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बातचीत का एक क्लिप पोस्ट किया और पूछा कि आखिर यह नूब कौन है? भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि पूरा देश जानता है कि विपक्ष में सबसे बड़ा नूब कौन है। इस पर भाजपा और कांग्रेस नेता अपने-अपने तरीके से प्रतिक्रिया कर रहे हैं।

प्रमोद तिवारी। फाइल शहजाद पूनावाला।

## नामांकन पत्र नहीं लूंगा वापस : ईश्वरप्पा

**शिवमोगा, (कर्नाटक) प्रेट्र:** भाजपा के बागी नेता एवं कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा ने उन खबरों को खारिज कर दिया है कि वह लोकसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी वापस ले लेंगे। ईश्वरप्पा ने शिवमोगा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वह पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बड़े बेटे एवं इस सीट से भाजपा के मौजूदा सांसद बीवाई राघवेंद्र एवं कांग्रेस उम्मीदवार गीता शिवराजकुमार के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।

ईश्वरप्पा। फाइल

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मजबूत करना है। ईश्वरप्पा ने कहा कि कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि मैं अपना नामांकन पत्र वापस ले लूंगा। जो लोग मेरा समर्थन कर रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहूंगा कि मैं कभी धोखा नहीं दूंगा और मुकाबले में बना रहूंगा।

# प्रचार के दौरान गो बैक नारा सुन अधीर ने खोया आपा, थप्पड़ मारने का आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▸ कांग्रेस सांसद व प्रत्याशी अधीर रंजन चौधरी ने थप्पड़ मारने से किया इन्कार

बंगाल

बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरमपुर लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार व मौजूदा सांसद अधीर रंजन चौधरी ने चुनाव प्रचार के दौरान शनिवार को आपा खो दिया और नारा लगा रहे एक व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया। सांसद अधीर को गुस्सा उस समय आया जब वह इलाके में प्रचार के लिए पहुंचे थे और कुछ कार्यकर्ता उनके खिलाफ गो बैक के नारे लगाने लगे।

हालांकि उन्होंने थप्पड़ मारने के आरोपों से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि तृणमूल के उपद्रवी मुझे परेशान कर रहे थे, मैंने विरोध दर्ज कराया है। उधर, विवाद की सूचना मिलने पर कुछ ही देर में पुलिस भी पहुंच गई। उन्होंने भीड़ को तितर-बितर किया और अधीर रंजन को निकाल ले गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को मुर्शिदाबाद के बहरमपुर में जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी अधीर रंजन चौधरी। प्रेट्र

तृणमूल की शिकायत है कि अधीर अपने जनाधार के साथ अपना आपा भी खो रहे हैं। सत्ता पक्ष ने मांग की है कि उन्हें इस घटना के लिए माफी मांगनी चाहिए। एक तृणमूल कार्यकर्ता ने दावा किया कि अधीर चौधरी गाड़ी से उतरे और एक व्यक्ति पर हाथ उठाया। दूसरी ओर, कांग्रेस उम्मीदवार ने आरोप लगाया कि तृणमूल ने उनके अभियान में बाधा डालने की योजना बना रखी है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर नशेड़ी कहकर कटाक्ष किया तथा मौके पर खड़े होकर जिला पुलिस अधीक्षक को फोन किया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले को चुनाव आयोग के ध्यान में लाएंगे। अधीर ने यह भी कहा कि तृणमूल समर्थकों को मेरा अभियान क्यों रोकना चाहिए? हर तरफ सीसीटीवी हैं, आपको सुबूत मिल जाएगा कि किसी को मैंने छुआ है या नहीं। बहरमपुर नगर पालिका के चेयरमैन नाड़ूगोपाल मुखोपाध्याय ने इस विवाद पर कहा कि जिस जगह पर लोग कभी अधीर चौधरी को मसीहा मानते थे, आज उन्हें वहां विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

## 'मोदी की गारंटी' को अपने घोषणापत्र से फीका करने की तैयारी में तृणमूल

**राज्य ब्यूरो,जागरण ● कोलकाता:** भाजपा व अन्य दलों की तरह बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस भी चुनाव प्रचार से लेकर चुनावी रणनीति व घोषणापत्र तैयार करने में जुटी है। तृणमूल के रणनीतिकार प्रधानमंत्री मोदी की 'गारंटी' को फीका करने के लिए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 'दीदी की गारंटी' को हथियार बनाना चाह रहे हैं। तृणमूल नेता प्रचार में बंगाल की योजनाओं की तुलना केंद्र की योजनाओं और कार्यों से कर रहे हैं। अंतिम फैसला मुख्यमंत्री व पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी और उनके भतीजे तथा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी लेंगे। बताया जा रहा है कि तृणमूल अपने चुनावी घोषणा पत्र में बताएगी कि पिछले 13 वर्षों के शासन के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों के लिए किस तरह से विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं और उनका क्या प्रभाव पड़ा। घोषणापत्र में 100 दिनी रोजगार योजना व केंद्रीय आवास योजना को लेकर केंद्र द्वारा बंगाल का फंड रोके जाने का जिक्र करने की भी तैयारी है।

# कश्मीर के चुनावी रण में क्षेत्रीय दल ही रहेंगे मुकाबले में कश्मीर में क्षेत्रीय दल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

▸ जम्मू संभाग के विपरीत घाटी की तीनों सीटों पर चुनावी दंगल होगा अधिक रोचक

▸ कहीं त्रिकोणीय तो कहीं बहुकोणीय मुकाबले में भिड़ते नजर आएंगी क्षेत्रीय पार्टियां

जम्मू कश्मीर

लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण के मतदान के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही कश्मीर में चुनावी गतिविधियां बढ़ गई हैं। जम्मू संभाग के विपरीत घाटी में चुनावी दंगल बहुत ज्यादा रोचक रहेगा, क्योंकि यहां किसी भी सीट पर मुकाबला एकतरफा नहीं रहेगा बल्कि त्रिकोणीय या बहुकोणीय ही रहेगा। खास बात यह कि क्षेत्रीय दलों के बीच ही प्रतिस्पर्धा रहेगी। इन सीटों पर पुराने सहयोगी भी एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में दिखेंगे। या फिर अपने साझा विरोधी को हराने के लिए कहीं प्रत्यक्ष तो कहीं परोक्ष तौर पर समर्थन करेंगे। आइएनडीए गठबंधन के तहत कश्मीर में कांग्रेस नहीं उतर रही है।

जम्मू कश्मीर में पांच संसदीय क्षेत्र हैं। इनमें से दो जम्मू-रियासी व ऊधमपुर-डोडा-कठुआ संसदीय क्षेत्र जम्मू संभाग में हैं। श्रीनगर और बारामुला सीट पूरी तरह से कश्मीर में ही सीमित हैं और अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र दोनों संभागों में विस्तृत है। अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र को आम बोलचाल में कश्मीर की सीट कहा जा रहा है, क्योंकि इसके अंतर्गत 18 में से 11 विधानसभा क्षेत्र कश्मीर में हैं।

ऊधमपुर-कठुआ संसदीय सीट पर 12 और जम्मू रियासी सीट पर 23 उम्मीदवार हैं। इन पर मुकाबला पूरी तरह से कांग्रेस और भाजपा में सिमट चुका है। इसके विपरीत कश्मीर की तीन सीटों के लिए अभी किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन जमा नहीं कराया है। यहां किसी सीट पर नेकां-पीडीपी तो किसी पर नेकां-पीपुल्स कान्फ्रेंस में मुख्य लड़ाई होगी।

### अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट

इस सीट पर मतदान तीसरे चरण में सात मई को है। यहां से नेशनल कान्फ्रेंस के मियां अल्ताफ अहमद लारवी, पीडीपी की महबूबा मुफ्ती, जफर इकबाल मन्हास व डीपीएपी के चेयरमैन गुलाम नबी ने चुनाव लड़ेंगे। भाजपा भी चुनाव लड़ने के मूड में है, किंतु उसने उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। अगर वह उम्मीदवार नहीं उतारती है और या फिर आजाद व जफर इकबाल मन्हास में से किसी को समर्थन देती है तो मुकाबला त्रिकोणीय होगा।

महबूबा मुफ्ती।

### श्रीनगर-गांदरबल लोकसभा क्षेत्र

इस सीटप र नेकां के आगा सैयद रुहुल्ला और पीडीपी के वहीद उर रहमान पारा के अलावा जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के मोहम्मद अशरफ मीर चुनाव लड़ रहे हैं। पीपुल्स कान्फ्रेंस, डीपीएपी और भाजपा ने अभी उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। पीपुल्स कान्फ्रेंस और डीपीएपी इस सीट पर जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी को समर्थन दे सकती हैं। अगर ऐसा करेंगे तो वह नेकां-पीडीपी की लड़ाई को त्रिकोणीय बनाएंगे।

सज्जाद गनी लोन।

### उत्तरी कश्मीर की बारामुला-कुपवाड़ा ससंदीय सीट

इस सीट पर पीडीपी के फैयाज अहमद मीर, अवामी इत्तेहाद पार्टी के चेयरमैन इंजीनियर रशीद, पीपुल्स कान्फ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद गनी लोन चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला का चुनाव लड़ना तय हो गया है। इस स्थिति में इस सीट पर बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिलेगा।

उमर अब्दुल्ला।

जम्मू और कश्मीर दोनों ही संभागों की भौगोलिक-राजनीतिक व सामाजिक परिस्थितियां अलग-अलग हैं। कश्मीर में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव जम्मू संभाग की अपेक्षा ज्यादा है। इसलिए यहां आपको बहुकोणीय मुकाबले के साथ साथ क्षेत्रीय दलों में ही चुनावी दंगल नजर आएगा। श्रीनगर की तीनों सीटें पीडीपी, नेकां, पीपुल्स कान्फ्रेंस, जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी और भाजपा के लिए विभिन्न कारणों से अहम हैं।

-बिलाल बशीर, कश्मीर मामलों के जानकार

# चुनाव न लड़ने की अफवाह से मियां अल्ताफ के घर पहुंच गए उमर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

अनंतनाग-राजौरी सीट से नेकां प्रत्याशी मियां बोले-वह चुनाव लड़ेंगे

अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट से नेशनल कान्फ्रेंस के उम्मीवार मियां अल्ताफ अहमद लारवी के चुनाव न लड़ने की शनिवार को दिनभर अटकलें रहीं। पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को भी एक पल लगा कि ऐसा कुछ हो रहा है। वह मियां अल्ताफ के घर जा पहुंचे। अलबत्ता, मियां ने खुद स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ रहे हैं। कुछ लोगों ने राई का पहाड़ बना दिया है। अगर चुनाव नहीं लड़ना होता तो मैं पहले ही इन्कार कर सकता था।

बता दें कि मियां अल्ताफ को लेकर पहले से कहा जा रहा था कि वह चुनाव लड़ने के मूड में नहीं है। नेकां नेतृत्व ने उन्हें बड़ी मुश्किल से चुनाव लड़ने के लिए मनाया था। शनिवार को फिर उनके चुनाव न लड़ने की अटकलों ने जोर पकड़ लिया। जहां तक कहा गया कि उन्होंने नामांकन पत्र जमा कराने से पार्टी को मना कर दिया है और घर से बाहर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने अपने स्वास्थ्य का हवाला दिया है। उमर अब्दुल्ला से जब इस बारे में पूछा गया तो वह भी कुछ परेशान नजर आए। उन्होंने कहा कि यह सही है कि मियां की सेहत ठीक नहीं थी, लेकिन उन्होंने कभी चुनाव लड़ने से मना नहीं किया। मैं तभी मानूंगा जब मियां अल्ताफ खुद अपने मुंह से कहेंगे। उन्होंने कुछ नहीं कहा है, इसलिए वह आज भी हमारे उम्मीदवार हैं।

*********

**16** अप्रैल को जम्मू के पलौड़ा में रैली को संबोधित करेंगे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह। रैली को सफल बनाने के लिए तैयारियां शुरू की। इस सिलसिले में पार्टी के प्रदेश प्रधान रविंद्र रैना ने शनिवार को दौरा कर प्रबंधों का जायजा लिया। इससे पहले पीएम मोदी रैली कर चुके हैं।

# योगी ने महाराष्ट्र में गरमा दिया है पालघर साधु हत्याकांड का मुद्दा...

ओमप्रकाश तिवारी • जागरण

**मुंबई:** ठीक चार साल पहले महाराष्ट्र के पालघर में दो साधुओं की निर्ममतापूर्वक पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्धा की चुनावी सभा में इस हत्याकांड का जिक्र कर इसे चुनावी मुद्दा बना दिया है। अब इस मामले में शिवसेना शिंदे गुट भी सक्रिय हो गया है।

पालघर जिले में ग्रामीणों की भीड़ द्वारा जूना अखाड़े के दो साधुओं स्वामी कल्पवृक्ष गिरी महाराज एवं स्वामी सुशील गिरी महाराज को 16 अप्रैल, 2020 को पीट-पीटकर मार डाला गया था। उस समय कोविड महामारी का दौर चल रहा था और राज्य में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास आघाड़ी (मविआ) की सरकार थी।

उस समय भी देशभर के हिंदू संगठनों ने मविआ सरकार को घेरने की कोशिश की थी। तब के विपक्षी दल भाजपा एवं हिंदू संगठनों द्वारा इस घटना की सीबीआइ जांच की मांग भी की गई थी। लेकिन, उद्धव सरकार ने विशेष जांच दल (एसआइटी) गठित कर यह जांच उसे सौंप दी थी। एसआइटी ने उस समय इस मामले की प्रारंभिक जांच कर कुछ

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव से पहले हल्दवानी में जनसभा से पहले जनता का अभिवादन करते हुए। प्रेट्र

गिरफ्तारियां भी की थीं। लेकिन, कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आ सकी।

दोनों साधुओं को न्याय दिलाने के लिए उसी दौरान स्वामी सुशील गिरी महाराज की बहन सपना मिश्रा एवं उनकी वृद्ध माता मनराजी देवी ने अपने गृहनगर उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में संत सुशील गिरी जी महाराज धर्मोत्थान एवं मानव सेवा न्यास नामक संस्था का गठन कर महाराष्ट्र सरकार से इस घटना की सीबीआइ जांच की मांग की थी। इस संगठन द्वारा लगातार की जा रही मांग के फलस्वरूप ही 11 नवंबर, 2022 को महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने पालघर साधु हत्याकांड की जांच सीबीआइ से कराने की सिफारिश कर दी थी। पिछले साल संत सुशील गिरि की माता मनराजी देवी को मुख्यमंत्री शिंदे ने सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की थी।

लोकसभा चुनाव के दौरान यह मामला एक बार फिर गरमा गया है। कुछ ही दिन पहले वर्धा में एक चुनावी सभा को संबोधित करने आए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यहां पालघर में साधुओं की पीट-पीटकर हत्या कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में ऐसा होता तो मैं आरोपितों को उल्टा टंगवा देता। उनके इस बयान के बाद राज्य की शिंदे सरकार सक्रिय हो गई है। शिवसेना शिंदे गुट के सचिव किरण पावस्कर ने एक बयान जारी कर कहा है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली मविआ सरकार विपक्ष के दबाव में पालघर साधु हत्याकांड की जांच सीबीआइ को देने पर सहमत हो गई थी। लेकिन, अचानक कांग्रेस नेता राहुल गांधी का फोन आ जाने के कारण उद्धव सरकार ने इसकी जांच सीबीआइ को नहीं सौंपी।

दूसरी ओर कुछ माह पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संत सुशील गिरी की वृद्ध माता को जो पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी, वह अब तक नहीं दी जा सकी थी।

चुनाव के दौरान यह सहायता राशि सरकार की ओर से तो नहीं दी जा रही है, लेकिन शिंदे गुट के विधायक प्रताप सरनाईक अपनी ओर से दोनों संतों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये शनिवार को मीरारोड में हो रहे एक कार्यक्रम में दियर जाना है। यह सहायता राशि प्राप्त करने के लिए स्वामी कल्पवृक्ष गिरी महाराज के 90 वर्षीय बड़े भाई लालचंद एवं संत सुशील गिरी महाराज की वृद्ध माता मनराजी देवी मुंबई पहुंचे हैं।

## ‘उन्हें’ मालूम है कि दंगा किया तो जाएंगे जहन्नुम : योगी

जय प्रकाश पांडेय • जागरण

- बरेली में यूपी के सीएम ने कहा- नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में सब चंगा
- डबल इंजन की सरकार का काम सबसे अच्छा और प्रभावशाली

**बरेली:** नवरात्र की पंचमी तिथि, बैसाखी का दिन, सभास्थल पर बड़ी संख्या में उपस्थित नारी शक्ति और मंच पर मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। भारत माता की जय के बाद योगी आदित्यनाथ ने ज्यों दुर्गा मैया की जय के साथ ही काली मैया का जयकारा लगाया, पंडाल में मौजूद लोगों का उत्साह आसमान छूने लगा। माहौल भांपने के महारथी योगी ने बैसाखी की बधाई दी और तुरंत उस मुद्दे को उठा दिया, जिसको लोग एक बार फिर योगी के मुंह से सुनना चाहते थे। योगी गरजे, 'सात साल से नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में सब चंगा। उनको मालूम है कि अब दंगा किया तो उल्टा लटका दिए जाएंगे, जेल शायद बाद में पहुंचें लेकिन जहन्नुम पहले पहुंच जाएंगे'। पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र के बहेड़ी कस्बे (जिला बरेली) में कहा कि यह नहीं चलेगा कि पहले दंगा कराएंगे और बाद में फतवा भी जारी करेंगे।

### जान की भीख मांग रहे दंगाई, बेच रहे सब्जी : योगी आदित्यनाथ

**जासं, बिजनौर:** बिजनौर में मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी सर्वेश सिंह के समर्थन में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दंगाई अपनी जान की भीख मांगते हुए घूम रहे हैं और ठेला लगा कर सब्जी बेच रहे हैं।

### माफिया देवभूमि को अपवित्र करें, उन्हें इस लायक नहीं छोड़ूंगा : योगी

**जासं, हल्द्वानी:** हल्द्वानी में उन्होंने कहा कि कुछ माफिया सोचते हैं कि उत्तर प्रदेश में अपराध कर उत्तराखंड भाग जाएंगे, लेकिन मैं उन्हें इस लायक ही नहीं छोड़ूंगा कि देवभूमि को अपवित्र कर सकें। सैन्य बाहुल्य उत्तराखंड को लेकर कहा कि इस राज्य का नौजवान आश्वस्त करता है कि सभी निश्चिंत रहें।

## विजयवाड़ा में मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर पथराव, घायल

**विजयवाड़ा, प्रेट्र :** आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में अपनी पार्टी वाईएसआरसीपी के लिए प्रचार कर रहे मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर शनिवार को अज्ञात व्यक्तियों ने पथराव किया। इसमें वह घायल हो गये। यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय ने दी।

चोटिल हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी। प्रेट्र

मुख्यमंत्री के चुनाव प्रचार के दौरान उन पर पत्थर फेंके गए। एक पत्थर उनकी आंख के ऊपर लगा। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री जब विवेकानंद स्कूल सेंटर में भीड़ का अभिवादन कर रहे थे तब उन्हें पत्थर आ लगा। अधिकारियों को संदेह है कि पत्थर गुलेल से फेंका गया होगा। पत्थर लगने के बाद साथ खड़े लोगों ने उन्हें संभाला। बस के अंदर एक डाक्टर ने तत्काल उनका प्राथमिक उपचार किया। इस घटना के बावजूद मुख्यमंत्री ने अपना प्रचार जारी रखा। इस बीच वाईएसआरसीपी ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे तेलुगु देशम पार्टी का हाथ है।

# आदिवासी हमारे लिए वोट बैंक नहीं, वे हमारे लिए गौरव हैं : राजनाथ

## दंतेवाड़ा में बोले, डिजिटल इंडिया के दौर में बस्तर का आदिवासी नेट बैंकिंग कर रहा

### बोले, कांग्रेस में चल रहा बिग बास का शो, जहां सब एक-दूसरे के कपड़े फाड़ रहे

नईदुनिया, जगदलपुर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दंतेवाड़ा के जावंगा में कहा कि आदिवासी हमारे लिए वोट बैंक नहीं, गौरव हैं। विजय शंखनाद महारैली में जनसमूह को संबोधित करते उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस की स्थिति बिग बास के शो जैसी हो गई है जहां हर कोई एक-दूसरे के कपड़े फाड़ रहा है। बस्तर से लोकसभा प्रत्याशी महेश कश्यप के पक्ष में प्रचार करने आए रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने स्वाद बदलने के लिए कांग्रेस को सत्ता सौंपी थी, लेकिन इन्होंने सब गुड़-गोबर कर दिया। इसलिए दोबारा भाजपा को मौका दिया है। राजनाथ ने कहा कि लोकसभा चुनाव निपटने के बाद कांग्रेस डायनासोर की तरह लुप्त हो जाएगी। रक्षा मंत्री ने बालोद की चुनावी सभा में भी कांग्रेस पर निशाना साधा।

गीदम में भाजपा उम्मीदवार महेश कश्यप रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित करते हुए। एएनआइ

राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत बोलता है तो विश्व सुनता है। प्रधानमंत्री का संकल्प था भारत विकसित हो। इसी का परिणाम है कि डिजिटल इंडिया के तहत आज बस्तर के गांव का आदिवासी मोबाइल चला रहा है, नेट बैंकिंग कर रहा है। आज मोबाइल के माध्यम से होने वाले वैश्विक लेनदेन में भारत की भागीदारी 46 प्रतिशत है। राजनाथ सिंह ने 20 मिनट के संबोधन में केंद्र सरकार की 10 वर्षों की उपलब्धियां गिनाईं। कहा कि स्वतंत्र भारत में जितनी भी कांग्रेस सरकारें रहीं, सब पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा।

**बालोद में दोहराया कांग्रेस को लग गई है जंग:** बालोद के सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने फिर दोहराया कि कांग्रेस को जंग लग गई है। आठ से 10 वर्ष बाद जब बच्चों से पूछा जाएगा तो बोलेंगे कि कौन कांग्रेस। कांकेर सीट से भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के समर्थन में उन्होंने जनता के बीच मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। साथ ही कहा कि पांच वर्ष के कार्यकाल में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में अनेक घोटाले किए हैं।

# बस्तर की चुनावी रैली में राहुल ने एक बार फिर खेला आदिवासी कार्ड, साधा निशाना

नईदुनिया, जगदलपुर

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को बस्तर लोकसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी जनसभा कर एक बार फिर आदिवासी कार्ड खेला। उन्होंने वही बातें दोहराईं जो विधानसभा चुनाव के समय कही थीं। अपने 23 मिनट के भाषण में आधे से अधिक समय उनका फोकस आदिवासी रहे। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादों की भी चर्चा की। लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में यह उनकी पहली चुनावी सभा थी।

राहुल ने कहा कि मोदी ने आदिवासी शब्द को बदलने की कोशिश की। भाजपा के लोग इन्हें वनवासी कहते हैं। दोनों शब्दों में बड़ा अंतर है। वन क्षेत्र में जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों का पहला अधिकार है, लेकिन वनवासी बताकर भाजपा इन्हें इनके अधिकारियों से वंचित करना चाहती है। ऐसा सोची समझी साजिश के तहत किया जा रहा है ताकि जल जंगल जमीन पर भी उद्योगपतियों को अधिकार दिया जा सके। अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को शामिल होने से रोका गया क्योंकि वह एक आदिवासी हैं।

- कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा-भाजपा ने आदिवासी शब्द को बदलने की कोशिश की

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में शनिवार को चुनावी जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। प्रेट्र

### 'कांग्रेस की सरकार बनी तो किसानों के कर्ज करेंगे माफ''

**भंडारा, प्रेट्र :** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दोहराया कि अगर कांग्रेस की सरकार बनी तो किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले के साकोली में चुनावी रैली में राहुल ने कहा, लोग बेरोजगारी और महंगाई से परेशान हैं। स्थिति ऐसी है कि हजारों कमाने वाले और करोड़ों कमाने वाले लोग एक समान जीएसटी का भुगतान कर रहे हैं। राहुल ने जातिगत जनगणना कराने और अग्निपथ योजना खत्म करने का वादे को भी दोहराया। अग्निपथ योजना के तहत सैनिकों को सेना में चार वर्ष के लिए भर्ती किया जाता है। पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए राहुल ने कहा, खुद को ओबीसी कहने वाले प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए कि उन्होंने अपने 10 साल के शासन में इस वर्ग के लिए क्या किया है। राहुल ने आरोप लगाया, सिर्फ 22 लोगों के पास देश की 50 प्रतिशत आबादी के बराबर संपत्ति है। मोदी केवल धर्म के बारे में बात करते रहते हैं और दुश्मनी पैदा करने की कोशिश करते हैं।

## चुनावी हलचल

### राहुल की सभा से लौटते ही छोड़ी पार्टी...

**नईदुनिया, जगदलपुर:** कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बस्तर लोकसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी सभा के कुछ देर बाद ही पार्टी को झटका लगा है। शनिवार को राहुल की सभा से लौटने के बाद बस्तर जिलाध्यक्ष बलराम मौर्य ने पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। बता दें कि शनिवार को बस्तर में राहुल गांधी की सभा में मौर्य पूरे समय मंच पर उपस्थित रहे। शाम को सभा से जगदलपुर लौटने पर त्यागपत्र दे दिया। प्रदेश पार्टी समिति के अध्यक्ष दीपक बैज को लिखे दो पेज के त्यागपत्र में उन्होंने पार्टी में रहते हुए बार-बार अपमानित किए जाने की बात कही है, लेकिन किसने अपमानित किया इसका नाम नहीं बताया है।

**महापौर, महामंत्री के बाद अध्यक्ष भी गए :** पिछले एक माह में बस्तर में आधा दर्जन से अधिक नेता कांग्रेस छोड़कर जा चुके हैं। शहर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सरला तिवारी, महापौर सफीरा साहू, प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री रहे यशवर्धन राव व पांच अन्य पार्षद पार्टी छोड़ चुके हैं।

त्यागपत्र दिखाते बलराम मौर्य। नई दुनिया

### निमंत्रण कार्ड पर लिखवाया मोदी को वोट करें, केस दर्ज

**जासं, रामगढ़:** झारखंड के रामगढ़ में एक व्यक्ति को अपने नए घर के गृह प्रवेश निमंत्रण पत्र पर वोट देने से संबंधित एक लाइन लिखवाना भारी पड़ गया। अब वह चुनाव आयोग के नोटिस और कानूनी परेशानी का सामना कर रहे हैं। कार्ड पर प्रिंट था- राष्ट्रहित में मोदी को वोट करें। 27 मार्च को गृह प्रवेश था। गृह प्रवेश के बाद निमंत्रण पत्र इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ तब चुनाव आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया। आयोग की शिकायत पर रामगढ़ के राजरप्पा थाने में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपित पूरन कुशवाहा के विरुद्ध पुलिस ने आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में आइपीसी 1860 की धारा 188 तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 ए के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। बता दें कि चुनाव प्रचार की बात होने के कारण उक्त निमंत्रण पत्र को चुनाव आयोग ने पंपलेट माना है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 ए के तहत पंपलेट और पोस्टर को लेकर नियम निर्धारित है कि उस पर प्रकाशक का नाम भी छपा होगा, जो उक्त कार्ड पर अंकित नहीं है। वहीं, आइपीसी 1860 की धारा 188 कहती है कि अगर कोई व्यक्ति सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करता है तो उस पर कार्रवाई होगी। इसी तरह यूपी के मुरादाबाद से भी शादी के कार्ड पर मतदान की अपील छपवाने का मामला प्रकाश में आया है। भाजपा संस्कृति प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक अंशुल गुप्ता ने कार्ड पर मुरादाबाद लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सर्वेश सिंह को वोट देने की अपील छपवाई है।

### रुपाला के विरोध में क्षत्रिय समाज का प्रदर्शन

**राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद:** केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रुपाला के विवादित बयान का विरोध कर रहे राजपूत समाज के संगठनों की संकलन समिति ने 14 अप्रैल को राजकोट में एक सम्मेलन रखा है। रुपाला के खिलाफ राजकोट सीट पर क्षत्रिय समाज की लगभग 400 महिलाओं के नामांकन का एलान किया गया है। संकलन समिति ने बीते सप्ताह रुपाला की दावेदारी खारिज करने की मांग के साथ अन्य किसी भी समझौते से इन्कार कर दिया था।

परशोत्तम रुपाला।

समिति ने शक्ति प्रदर्शन के लिए रविवार को राजकोट में क्षत्रिय समाज के सम्मेलन का एलान किया है। इसमें गुजरात व अन्य राज्यों के पांच लाख क्षत्रिय समाज की महिलाओं और पुरुषों के आने का दावा किया गया है। इसमें राजपूत करणी सेना, करणी सेना, करणी सेना का महिला मोर्चा व गुजरात के झालावाड प्रांत के सात पूर्व राजपरिवार भाग लेंगे। इन पूर्व राजपरिवारों ने कहा है कि भगवान राम व भगवान कृष्ण ने भी नारी के अपमान पर दंड दिया था।

# आप सबसे बेईमान पार्टी, कांग्रेस 'अबकी बार, 40 पार' के लिए लड़ रही : अनुराग

नईदुनिया, छिंदवाड़ा

- मप्र के छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र में अनुराग ठाकुर बोले
- केंद्रीय मंत्री ने कहा- 'टुकड़े-टुकड़े' गैंग का घोषणा पत्र भी टुकड़ों में, जनता इन्हें इस चुनाव में सबक सिखाएगी

मप्र के छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र के पांढुर्णा पहुंचे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) को सबसे बेईमान पार्टी बताया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव 'अबकी बार, 40 पार' के लिए लड़ रही है, जबकि भाजपा का लक्ष्य 400 सीटें लेकर सत्ता हासिल करना है। वह यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। भाजपा ईडी का दुरुपयोग कर रही है जैसे आप के आरोपों को लेकर मंत्री ने कहा कि अगर कोई पूरी तरह से बेईमान व्यक्ति है तो वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं। केजरीवाल का दावा है कि वह भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए राजनीति में आए, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वह भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उनके स्वास्थ्य मंत्री, जेल मंत्री, उत्पाद शुल्क मंत्री और उपमुख्यमंत्री जेल में हैं।

छिंदवाड़ा के पांढुर्णा में मीडिया को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर। नईदुनिया

'बेईमान मुख्यमंत्री'' अरविंद केजरीवाल भी जेल में हैं। आप ने बेईमानी में नया कीर्तिमान स्थापित किया है और भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं।

अनुराग ठाकुर ने शनिवार को जारी राजद के चुनावी घोषणा पत्र पर कहा कि जब आइएनडीआइए एक रैली करता है तो एक महिला जो राजनेता भी नहीं हैं, आती हैं और छह गारंटी की घोषणा करती हैं। केवल इसलिए कि वह दिल्ली के भ्रष्ट सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपना चुनावी घोषणापत्र लेकर आईं, अब लालू यादव और तेजस्वी यादव अपना घोषणापत्र लेकर आए हैं। यह कैसा गठबंधन है, जहां टुकड़ों में घोषणापत्र जारी किया जाता है। टुकड़े-टुकड़े गैंग का घोषणा पत्र भी टुकड़ों में आ रहा है। जनता इन्हें इस चुनाव में सबक सिखाएगी।

# ‘वोट लो और लोगों को भूल जाओ’ में विश्वास करती है कांग्रेस : नड्डा

**कोहिमा, प्रेट्र:** भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को दावा किया कि कांग्रेस 'वोट लो और लोगों को भूल जाओ' के दृष्टिकोण में विश्वास करती है और यही कारण है कि नगालैंड में उसका कोई विधायक नहीं है। इससे पता चलता है कि लोगों का उससे मोहभंग हो चुका है।

चुमौकेदिमा में भाजपा समर्थित एनडीपीपी उम्मीदवार चुम्बेन मुरी के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान पूर्वोत्तर में राजनीति का मतलब फूट डालो और राज करो था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटेंगे और वह राज्य में पूर्ण शांति और सद्भाव लाने के प्रयास के तहत नगा समझौते को आगे बढ़ाएंगे। नड्डा ने कहा कि राजग सरकार के कार्यकाल के दौरान 11 शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं और 9,500 विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह मोदी सरकार में ही संभव हो पाया है।

नगालैंड में शनिवार को चुनावी जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया। एएनआइ

## मोदी की नहीं इस बार जनता की सरकार चुनें : प्रियंका

**जागरण संवाददाता, नैनीताल:** कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को रामनगर और रुड़की में आयोजित जनसभा में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा दूसरों को भ्रष्ट कहती है और स्वयं बांड के नाम पर चंदा लेकर लोगों को ठेके बांटती है। विपक्ष के नेताओं को ईडी और सीबीआइ से डराती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टीवी और होर्डिंग में जैसे दिखते हैं, हकीकत में वैसे बिलकुल नहीं हैं। जांच एजेंसियों के जरिये विपक्ष की सरकारों को तोड़ने में वह इतने व्यस्त हैं कि बेरोजगारी और महंगाई की समस्या उन्हें दिखती ही नहीं। प्रियंका ने उत्तराखंड के लोगों से अपील की, इस बार मोदी की नहीं बल्कि जनता की सरकार चुनिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि युवाओं के लिए पांच हजार करोड़ का स्टार्टअप फंड बनाएंगे।

प्रियंका गांधी। जागरण

# बसपा ने बोला हमला, कहा- दिल्ली सरकार ने चखाई थी मुफ्त की अफीम, केंद्र ने भी लागू की

जागरण संवाददाता, अलीगढ़

- हाथरस व अलीगढ़ की सभा में बसपा के समन्वयक का सरकार पर हमला
- बच्चों को काबिल नहीं बनने देना चाहते, गुजरात माडल नहीं चाहिए

बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने मुफ्त राशन वितरण पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने मुफ्त की अफीम चखाई थी, जिसे केंद्र सरकार ने भी लागू कर दिया। हमारे मेहनत के पैसे से यह मुफ्त की अफीम बांटी जाती है। सरकार पूरे वर्ष में 1200 रुपये का राशन देती है, लेकिन युवाओं को 15-20 हजार की नौकरी नहीं दे सकती। 1200 रुपये के बदले डेढ़ से दो लाख रुपये का चूना लगाया जा रहा है। यही गुजरात माडल है। पेपर लीक कराने से गुजरातियों का व्यापार चल रहा है। पेपर लीक होता है तो युवाओं की उम्मीदें टूटती हैं। यह लोग आपके बच्चों को काबिल नहीं बनने देना चाहते। हमें गुजरात माडल नहीं चाहिए।

हाथरस में कहा कि कुछ दलों ने अपने बहुरूपिये आपके बीच में छोड़ दिए हैं। यह लोग खुद को बाबा साहब का अनुयायी बताते हैं। जय भीम का नारा लगाते हैं। विपक्षी पार्टियों को समर्थन देने की बात कहते हैं। ऐसे बहुरूपियों से सावधान रहना है। कुछ लोग अफवाह फैलाते हैं कि हाथी किताब के बोझ के तले दबा है। यह किताब नहीं, बल्कि संविधान है।

अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित करते बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद। जागरण

### कांग्रेस की तरह भाजपा भी कर रही जांच एजेंसियों का दुरुपयोग : मायावती

**जासं, रुड़की:** बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों की तरह ही भाजपा सरकार भी ईडी, सीबीआइ समेत अन्य जांच एजेंसियों की दुरुपयोग कर रही है। भाजपा की कथनी एवं करनी में अंतर है। देश की जनता भाजपा और इसके सहयोगी दलों को समझ चुकी है, इसलिए भाजपा अब केंद्र में नहीं आ रही है। बसपा इस बार किसी भी दल के साथ नहीं है और अकेले ही लोकसभा का चुनाव लड़कर कामयाबी हासिल करेगी।

हरिद्वार के लिब्बरहेड़ी में हरिद्वार लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी जमील अहमद के समर्थन में आयोजित जनसभा में बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर हमला किया।

## पहले चरण में प्रदेश में नहीं खुलेगा भाजपा का खाता : अखिलेश

**जागरण टीम, मेरठ :** सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 400 सीट जीतने का दावा करने वाले भाजपा अपनी हार से घबराकर मुख्यमंत्रियों को जेल भेज रही हैं। जनता सब देख रही है। पहले चरण में उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा का खाता नहीं खोलने देगी। शनिवार को नगीना में अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार को केंद्र में 10 और प्रदेश में सात साल हो गए हैं। भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना दिखाने वाली भाजपा के राज में युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। मीरापुर में कहा कि आज वह 400 सीटें जीतने की बात करते हैं, जीत गए तो काले कानून लागू होंगे। हालांकि वह 400 सीटें हारेंगे। आइएनडीआइए इंडिया होता है, लेकिन भाजपा इसे इंडी कहती है। जो लोग इंडिया को नहीं पढ़ पा रहे उन्हें वोट कौन देगा।

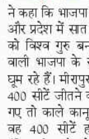

********

**2** लोगों की मौत मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में शनिवार को फिर से हुई गोलीबारी में हो गई है। मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 14 अप्रैल, 2024

# आतंकियों को उन्हीं की भाषा में दे रहे जवाब : जयशंकर

**दो टूक** ▶ वे नियम नहीं मानते तो जवाब देने में भी नहीं हो सकता कोई नियम

### 2014 के बाद विदेश नीति और आतंकवाद से निपटने के तरीके में आया बदलाव

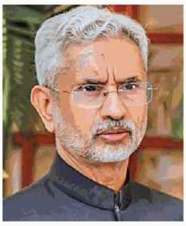

एस.जयशंकर। फाइल

**पुणे, प्रेट्र :** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि वर्ष 2014 के बाद विदेश नीति और आतंकवाद से निपटने के तरीके में बदलाव आया है। आतंकियों को अब उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जा रहा है। भारत सीमा पार से होने वाले किसी भी आतंकी कृत्य का जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चूंकि आतंकी नियमों के अनुसार नहीं चलते हैं तो उन्हें जवाब देने का भी कोई नियम नहीं हो सकता है। विदेश मंत्री ने शुक्रवार को भारत के वैश्विक उत्थान और बेहतर अवसरों के बारे में युवाओं के साथ संवाद के दौरान ये बातें कहीं।

जयशंकर ने 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमलों को लेकर पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि सरकार के स्तर पर बहुत विचार-विमर्श के बाद, उस समय कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला क्योंकि माना गया कि पाकिस्तान पर हमला करने की कीमत उस पर हमला न करने से अधिक होगी।

जयशंकर ने कहा कि 2014 के बाद देश की विदेश नीति में भी बदलाव आया है। यह पूछे जाने पर कि कौन सा देश है, जिसके साथ भारत को संबंध बनाए रखना मुश्किल लगता है, उन्होंने कहा- पाकिस्तान। जयशंकर ने कहा, अगर भारत शुरुआत से ही स्पष्ट रुख रखता कि पाकिस्तान आतंकवाद में शामिल है, जिसे भारत किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा तो देश की नीति बिल्कुल भिन्न होती।

उन्होंने कहा, 2014 में मोदी जी आए। लेकिन यह समस्या (आतंकवाद) 2014 में शुरू नहीं हुई। इसकी शुरुआत 1947 में हुई थी। 1947 में कश्मीर पर हमला किया गया। यह आतंकी कृत्य था। वे गांवों, कस्बों को जला रहे थे। लोगों की हत्या रहे थे। ये लोग पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत के थे। पाकिस्तानी सेना ने उनका समर्थन किया। हमने सेना भेजी और कश्मीर का एकीकरण हुआ। जब भारतीय सेना कार्रवाई कर रही थी, हम बीच में रुक गए और संयुक्त राष्ट्र में जाकर कहा कि हमला आतंकियों के बजाय आदिवासी आक्रमणकारियों ने किया।

उन्होंने कहा, किसी भी परिस्थिति में किसी भी तरह से आतंकवाद स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्हें (आतंकियों को) यह महसूस नहीं होना चाहिए कि चूंकि वे सीमा पार हैं उन पर कार्रवाई नहीं हो सकती।

## चीन पर विदेश मंत्री की टिप्पणी उसे खुली छूट देने के समान : कांग्रेस

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** कांग्रेस ने चीन के मुद्दे पर नरेन्द्र मोदी सरकार पर शनिवार को निशाना साधा। कहा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की टिप्पणी कि 'चीन ने हमारी किसी जमीन पर कब्जा नहीं किया है' पड़ोसी देश को एक और खुली छूट देने के समान है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि विदेश मंत्री का यह बयान गलवन के बाद पीएम मोदी द्वारा चीन को दी गई क्लीनचिट की हू-ब-हू नकल है, जहां हमारे 20 बहादुर सैनिकों ने भारत माता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि जयशंकर का बयान चीन सीमा को लेकर भारत के रुख के लिए 'नए झटके' की तरह है। यह गलवन के हमारे बलिदानी सैनिकों का अपमान हैं।

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, सबसे पहले विदेशी प्रेस में नरेन्द्र मोदी जी का साक्षात्कार, जहां वे वैश्विक मंच पर भारत का पक्ष मजबूती से रखने में विफल रहे। अब उनके विदेश मंत्री विस्तारवादी चीन को एक और क्लीन चिट दे रहे हैं।

वहीं, जयराम रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने 19 जून, 2020 को चीन को 'क्लीन चिट' दी थी। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने नौ अप्रैल, 2024 को चीन को 'क्लीन चिट' दी। अब जयशंकर ने चीन को तीसरी 'क्लीन चिट' दी है।

## देश की सीमा को पाकिस्तान या चीन से खतरा नहीं : वीके सिंह

जागरण संवाददाता, जयपुर

▶ केंद्रीय मंत्री बोले- अरुणाचल प्रदेश पर चीन के कब्जे की चर्चा गलत

जयपुर में शनिवार को प्रेस को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह। प्रेट्र

केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग राज्यमंत्री वीके सिंह ने कहा कि देश की सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित है, इनको पाकिस्तान या चीन से किसी तरह का खतरा नहीं है। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के कब्जे को लेकर जो चर्चाएं चल रही है, वह पूरी तरह से गलत और अफवाह है। धरातल पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। यह सिर्फ एक मिथ है, जिसे दिमाग से निकालने की जरूरत है। चीन ने कोई कब्जा नहीं किया है। सिर्फ विपक्ष द्वारा अरुणाचल प्रदेश के मुददे को गलत तरीके से पेश किया गया है। जो स्थिति अरुणाचल प्रदेश में साल, 2012 से पहले थी, वही स्थिति आज भी है। उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है, ऐसे में जो भी लोग कह रहे हैं कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया, उन लोगों की बात नहीं माननी चाहिए। शनिवार को जयपुर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। उन्होंने यहां प्रबुद्धजनों के साथ संवाद भी किया।

उन्होंने कहा कि मैं भारत का सेनाध्यक्ष रहा हूं। गुलाम कश्मीर के भारत में मिलने के सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि वहां के लोग भारत में आने का मन बना रहे हैं। जिस दिन उन लोगों का पक्का मन बन जाएगा, उसी दिन यह संभव हो जाएगा। हमें सिर्फ खुद को बेहतर बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज पाकिस्तान के क्या हालात हो गए। वहां लोगों को रोटी तक नहीं मिल रही है। चीन को छोड़ हमें खुद की चीजों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसा करके ही हम आगे बढ़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रोजगार को लेकर जो वादा जनता से किया था, उसे पूरा किया है। हमारी सरकार ने लगभग दस लाख लोगों को सरकारी क्षेत्र में नौकरी उपलब्ध करवाई है। वहीं निजी क्षेत्र को मिलाकर करीब दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का काम अब तक मोदी सरकार ने किया है। अग्निवीर योजना में संशोधन और विरोध के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस योजना से भारतीय सेना का मनोबल नहीं गिरा है। अग्निवीर का पहला बैच अब यूनिटों में आना शुरू हो गया है।

## पतंजलि के शहद में दोगुने से अधिक मिली सुक्रोज की मात्रा

**जागरण संवाददाता, पिथौरागढ़ :** पतंजलि का पैक्ड शहद का नमूना जांच में फेल पाया गया। न्यायालय ने दुकानदार और स्टाकिस्ट पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने 30 जुलाई, 2020 को डीडीहाट में गौरव ट्रेडिंग कंपनी से संदेह के आधार पर पैक्ड पतंजलि हनी का नमूना जांच के लिए लिया था। नमूने को जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला रुद्रपुर भेजा गया था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरके शर्मा ने बताया कि जांच में शहद में सुक्रोज निर्धारित मानक पांच प्रतिशत के स्थान पर 11.1 प्रतिशत पाया गया। नमूना फेल होने पर विभाग ने न्यायालय में मुकदमा पंजीकृत कराया। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने मामले की सुनवाई की और गौरव ट्रेडिंग कंपनी पर 40 हजार तथा सुपर स्टाकिस्ट कान्हाजी डिस्ट्रीब्यूटर प्राइवेट लिमिटेड पीरूमदारा (रामनगर) पर 60 हजार रुपये जुर्माना लगाया। इसके अलावा निर्माता कंपनी पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड हरिद्वार को फर्म के नाम से बिक रही सामग्रियों की समय-समय पर जांच न करने और अधोमानक खाद्य पदार्थों के जब्तीकरण की कार्रवाई नहीं किए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। कंपनी को समय-समय पर अपने उत्पादों की जांच करने के निर्देश दिए गए।

## निजी हाथों में जाएंगे रेलवे स्टेशन के पूछताछ केंद्र

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

▶ प्रयागराज मंडल के 20 रेलवे स्टेशनों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू

▶ 24 घंटे मौजूद रहेंगे कर्मी, यात्रियों को उपलब्ध कराएंगे जानकारी

ट्रेन कितनी विलंबित है, किस रूट पर कौन सी ट्रेन जाएगी, ट्रेन किस प्लेटफार्म पर आएगी... जैसी जानकारियां अब रेलकर्मी नहीं, बल्कि निजी कंपनियों के कर्मचारी बताएंगे। रेलवे स्टेशन पर बने पूछताछ केंद्र पर अब निजी क्षेत्र से कर्मचारी यात्रियों के सवालों का जवाब देंगे। यह सुविधा रेलवे स्टेशन पर 24 घंटे मिलेगी। पूछताछ केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों का विशेष ड्रेस कोड भी होगा जो मेट्रो स्टेशनों की तर्ज पर रखा जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में इसकी शुरुआत हो गई है। यहां के 20 रेलवे स्टेशनों के पूछताछ केंद्र निजी हाथों में देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके टेंडर का विज्ञापन भी जारी हो गया है। इसमें मीरजापुर, सोनभद्र, चुनार, विंध्याचल, प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, मानिकपुर, फतेहपुर, फफूंद, कानपुर सेंट्रल, पनकी, गोविंदपुरी, अनवरगंज, इटावा, शिकोहाबाद, मैनपुरी, फिरोजाबाद, टुंडला, अलीगढ़ एवं खुर्जा शामिल हैं। चरणबद्ध तरीके से अन्य स्टेशन भी इसमें जोड़े जाएंगे। कुल 25 पूछताछ केंद्र बनेंगे। तीन वर्ष के लिए निजी कंपनी इनका संचालन करेगी।

**यह भी निजी हाथों में :** बीते कुछ वर्षों पर नजर डालें तो रेलवे ने खानपान सुविधा, सफाई-सफाई के लिए आउटसोर्सिंग, साधारण टिकट बेचने के लिए एटीवीएम, पेड यात्री प्रतीक्षालय आदि के माध्यम का निजीकरण कर दिया है। इंटरनेट मीडिया जैसे एक्स आदि से शिकायत सुनने व जवाब देने, 139 हेल्पलाइन नंबर का कार्य भी कंपनियों के आपरेटर ही संभाल रहे हैं। हमसफर एक्सप्रेस में स्मोक डिटेक्शन का रखरखाव, रेल मदद पोर्टल का संचालन व नियंत्रण व तेजस एक्सप्रेस जैसी ट्रेन अब निजी हाथों में है। भारत गौरव ट्रेन, स्लीपिंग पाड, रिटायरिंग रूम भी इसी दिशा में बढ़ाया गया कदम है।

# शाहजहां तय करता था इलाके से कौन होगा सांसद और विधायक : ईडी

राज्य ब्यूरो, जागरण

**कोलकाता:** संदेशखाली में शाहजहां शेख तय करता था कि इलाके से सांसद-विधायक कौन होगा? वह जो कहता था, वही होता था। ईडी ने शनिवार को बैंकशाल कोर्ट में यह दावा किया। संदेशखाली में ईडी की टीम पर हमले के मामले पर सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिवक्ता ने कहा कि शाहजहां ने बयान दिया है कि संदेशखाली में वह जो तय करता था, वही होता था। तृणमूल का शीर्ष नेतृत्व भी उसके कहे अनुसार चलता था। दूसरी तरफ शाहजहां के अधिवक्ता ने दावा किया कि एजेंसी ने उस पर दबाव डालकर बयान लिखवाया है। शाहजहां के अधिवक्ता ने दलील पेश करते हुए कहा कि ईडी ने अपनी हिरासत के समय उनके मुवक्किल को डर दिखाकर बयान लिखवाया है। शाहजहां से कहा गया कि ईडी के मुताबिक बयान नहीं देने पर उसके परिवार के लोगों को झूठे मामलों में फंसा दिया जाएगा। शाहजहां अब अपना बयान वापस लेना चाहते हैं।

### मीडिया में आई खबरों पर एनएचआरसी ने लिया था स्वत: संज्ञान

**प्रथम पृष्ठ से आगे**

संदेशखाली प्रकरण की मीडिया में आई खबरों पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 21 फरवरी को स्वत: संज्ञान लिया था और बंगाल के चीफ सेक्रेटरी व डीजीपी को नोटिस जारी कर हिंसा के बारे में रिपोर्ट मांगी थी। आयोग ने मौके पर जाकर हकीकत पता लगाने के लिए अपनी एक टीम भी संदेशखाली भेजी थी। आयोग की टीम ने रिपोर्ट में कहा है कि आरोपितों के गैंग से मिलीभगत के कारण लोगों को राज्य और केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं जैसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली का राशन न मिलना, वृद्धावस्था पेंशन का लाभ या मनरेगा का लाभ न देना या उसमें भेदभाव किए जाने के लगाए गए आरोप गंभीर और चिंताजनक हैं। इससे लोकतांत्रिक मूल्य कमजोर होते हैं।

**आयोग की सिफारिशें**

- कानून के शासन और अधिकारियों में लोगों का विश्वास बहाल किया जाए
- थाना संदेशखाली क्षेत्र से लापता महिलाओं और लड़कियों के मामले की जांच हो
- गवाहों की सुरक्षा और शिकायतों का निवारण सुनिश्चित हो
- यौन शोषण पीड़ितों को परामर्श और पुनर्वास मिले
- भूमि के वैध मालिकों को भूमि वापसी हो
- केंद्रीय एजेंसियों द्वारा शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो
- जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए जाएं
- राष्ट्रव्यापी आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली (एनईआरएस) का संचालन हो
- व्यवसायिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर पैदा किए जाए
- भूमि को पूर्व रूप में लाकर कृषि योग्य बनाया जाए
- सामाजिक व आर्थिक संकेतकों में सुधार और क्षेत्र विशिष्ट योजनाएं तैयार की जाएं
- संदेशखाली की स्थिति पर समय-समय पर रिपोर्ट देने के लिए प्रतिवेदक नियुक्त हो।

## पूर्व द्रमुक नेता ने ड्रग तस्करी की कमाई फिल्मों में लगाई : ईडी

▶ कहा, 40 करोड़ रुपये फिल्मों और रियल एस्टेट में लगाया गया

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) से बर्खास्त पार्टी पदाधिकारी जाफर सादिक और उनसे जुड़ी संस्थाओं ने कथित तौर पर ड्रग तस्करी से कमाई गई 40 करोड़ रुपये से अधिक की राशि फिल्म उद्योग, आतिथ्य और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में लगा दी। ईडी ने शनिवार को यह दावा किया। ईडी ने नौ अप्रैल को चेन्नई, मदुरै और तिरुचिरापल्ली में इस मामले में छापे के बाद एक बयान में यह बात कही। 36 वर्षीय सादिक को पिछले महीने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 2000 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत वाली लगभग 3500 किलोग्राम स्यूडोएफेड्रिन की तस्करी में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था। एनसीबी द्वारा सादिक के तार मादक पदार्थ नेटवर्क से जुड़े होने का उल्लेख किए जाने के बाद उन्हें फरवरी में द्रमुक ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। द्रमुक ने कहा था कि पार्टी का सादिक से कोई संबंध नहीं है। मनी लॉड्रिंग का मामला सादिक और उसके सहयोगियों के विरुद्ध मादक पदार्थों के सीमा पार अवैध व्यापार में शामिल होने के आरोप में एनसीबी और सीमा शुल्क विभाग की ओर से दर्ज अलग-अलग शिकायतों पर आधारित है।

## देश के कुछ हिस्सों में गर्मी व प्रदूषण से राहत

जागरण टीम, नई दिल्ली

नई दिल्ली में शनिवार को दिनभर तेज धूप रही, शाम को अचानक मौसम का मिजाज बदलते ही आसमान में काले बादल छा गए। इस दौरान तेज हवाओं के दस्तक से झमाझम वर्षा होने से मौसम सुहावना हो गया। फिरोजशाह रोड पर हो रही वर्षा में भीगते जाता साइकिल सवार। चंद्र प्रकाश मिश्र

शनिवार शाम देश के कुछ हिस्सों में वर्षा और तेज हवा से मौसम बदला। इससे तेज गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के साथ राजस्थान के दक्षिणी हिस्से और उत्तरी गुजरात में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसलिए दिल्ली और इसके आसपास अगले दो दिन तेज हवा के साथ वर्षा होने की संभावना है। दिल्ली में शनिवार को दिनभर आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक होने से गर्मी रही। शाम चार बजे के बाद मौसम ने करवट बदली। घने बादल और तेज हवा के बीच गरज के साथ वर्षा हुई। कुछ इलाकों में तेज वर्षा भी हुई।

पंजाब में भी कई जिलों में बूंदाबांदी व हल्की वर्षा के बाद गर्मी से राहत मिली। रविवार को कई जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार के साथ ही वर्षा होने की भी संभावना है। कुछ जिलों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते चंडीगढ़, पंचकूला व मोहाली में 13 से 15 अप्रैल तक गरज-चमक, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी है।

उत्तराखंड में भी मौसम ने करवट बदली। यहां भी दो दिन आंशिक रूप से बादल छाये रह सकते हैं। हिमाचल में कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा के साथ आंधी चली। मौसम विभाग ने 72 घंटे में भारी ओलावृष्टि और वर्षा के साथ ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात की संभावना जताई है।

## चुनाव के दौरान हिंसा फैलाने की एक और आतंकी साजिश विफल

जागरण संवाददाता, रियासी

▶ कुपवाड़ा के बाद रियासी में आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार बरामद

रियासी के माहौर शजरु क्षेत्र में आतंकी ठिकाने से बरामद हथियार तथा गोला बारूद। जागरण

लोकसभा चुनाव के दौरान हिंसा फैलाने के एक और षड्यंत्र को पुलिस और सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया। शनिवार को जम्मू संभाग में रियासी जिले में एक आतंकी ठिकाने को ध्वस्त कर वहां से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। इस सफलता के बाद पुलिस तथा सेना के जवानों ने क्षेत्र में बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया। इससे पहले शुक्रवार को भी उत्तर कश्मीर के गंगबुग कुपवाड़ा में एक आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया था, जो गुलाम जम्मू-कश्मीर से आतंकियों के लिए भेजा गया था।

रियासी के माहौर में आतंकी ठिकाने के बारे में गुप्त सूचना मिलने पर शुक्रवार को रियासी पुलिस और सेना की 58 राष्ट्रीय राइफल के जवानों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। इसके बाद जवानों ने सघन तलाशी अभियान चलाया। चप्पे-चप्पे की तलाशी लेते जवान आगे बढ़ते गए। आखिरकार शजरु क्षेत्र में चट्टानों के बीच एक खोह में आतंकी मिला। जवानों ने जब उस स्थान को खंगाला तो वहां से बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद व अन्य सामान बरामद हुआ, जिसे आतंकियों ने कपड़ों और पालीथिन में लपेटकर चट्टानों के बीच छुपा कर रखा था। पुलिस ने उसे कब्जे में लिया।

**क्या-क्या हुआ बरामद :** इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के साथ दो टिफिन आइईडी, दो पिस्तौल, दो मैगजीन, पिस्तौल के 19 कारतूस, लगभग 400 ग्राम विस्फोटक पाउडर, एके-47 के 40 कारतूस, एलओसी लोकेशन की चार तस्वीरें, इलेक्ट्रिक वायर दो बंडल (लगभग 40 मीटर) व अन्य सामान बरामद हुए हैं।

### वर्ग पहेली - 2600

**बाएं से दाएं**

1 संबोधित व्यक्ति के लिए प्रयोग किया जानेवाला शब्द (2)। 2 पीब, पस (3)। 4 स्थल, नौकरी, पद (3)। 6. घर्षण, बड़ा परिश्रम (3)। 7 अंधेरा, अज्ञान (2)। 9 डूबा हुआ, नष्ट, छिपा हुआ (2)। 10 प्रकाश (3)। 12 अन्न त्याग, उपवास (4)। 15 पुकारा जाना, संदेश भेजना (4)। 17 बहुत बड़ा, विशाल (3)। 18 बगैर, अतिरिक्त (2)। 20 वर्ष का बारहवां भाग (2)। 23 दाग (3)। 24 काठ, ईंधन, काठी (3)। 25 सिखों के पहले गुरु (3)। 26 आ पहुंचना, आगमन (2)।

**ऊपर से नीचे**

1 फौरन, झटपट (3)। 2 सोचना (3)। 3 प्रार्थना पत्र, निवेदन (4)। 4. वृक्ष का जमीन के नीचे का भाग (2)। 5. खेत जोतने का यंत्र (2)। 8. कोमल, बारीक (3)। 11. कार्य में लगना (3)। 12. एक उत्तर-पूर्वी भारतीय राज्य (3)। 13. लाभ (2)। 14. अवसर की प्रतीक्षा, घात (2)। 16. अरुणता, ललाई (3)। 18. भड़कना, फटना, घायल होना (4)। 19. आंख के ऊपर का पतला आवरण (3)। 21. भरना (3)। 22. नैतिक आचरण (2)। 23. जंजीर, कठिनाई (2)।

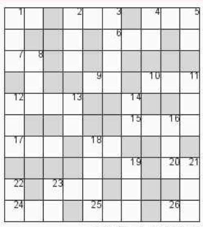

© Bird Features & Writing Agency

**कल का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | का | प | ना | | उ | जा | ड़ | ना | |
| सु | | ह | | | म | त | | | अ |
| कु | | ला | वा | रि | स | | श | प | थ |
| मा | लो | | | या | | | ह | | क |
| र | ह | न | | स | ह | ला | ना | | |
| | | सौ | मां | त | क | | ई | शा | न |
| वि | | ह | | | ला | | | है | क |
| री | ह | त | | औ | ना | चा | र | | च |
| ट | | | औ | ज्ञा | | | क्ष | | ठा |
| | सं | मा | धा | न | | प | क | ड़ | |

### जागरण सुडोकू-2600

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | | 4 | | | 6 | | |
| | 7 | | 1 | | | 3 | | 8 |
| | | | | 6 | | | 2 | |
| | 4 | | | | 6 | 8 | | |
| 3 | | 8 | 2 | | | | 5 | |
| | 5 | | | | 3 | | | 4 |
| | | 2 | | | | 9 | 8 | |
| 1 | 8 | | 7 | | 9 | | | |
| 4 | | | | | | 2 | | 7 |

**कल का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 4 | 7 | 9 | 3 | 8 | 6 | 5 |
| 5 | 6 | 9 | 1 | 8 | 4 | 2 | 3 | 7 |
| 3 | 8 | 7 | 5 | 6 | 2 | 9 | 4 | 1 |
| 6 | 7 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 2 | 8 |
| 2 | 9 | 8 | 6 | 1 | 7 | 4 | 5 | 3 |
| 4 | 1 | 5 | 3 | 2 | 8 | 7 | 9 | 6 |
| 7 | 3 | 2 | 8 | 4 | 5 | 6 | 1 | 9 |
| 9 | 5 | 6 | 2 | 7 | 1 | 3 | 8 | 4 |
| 8 | 4 | 1 | 9 | 3 | 6 | 5 | 7 | 2 |

## विचार

भारत और सिंगापुर न्यायिक सम्मेलन को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ ने किया संबोधित, भारतीय न्यायपालिका में कंप्यूटरीकरण और तेजी से बढ़ते तकनीक के इस्तेमाल को सराहा

## एआइ से अवसर के साथ चुनौतियां भी हैं : सीजेआइ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़। प्रेट्र

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने न्यायिक प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी के बढ़ते कदम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के इस्तेमाल को गेम चेंजर बताते हुए कहा कि यह समय विकास को अपनाने का है लेकिन यह देखना होगा कि तकनीक का पूरा लाभ कैसे लिया जाए। अदालती फैसलों में एआइ के शुरू हो चुके इस्तेमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि एआइ का एकीकरण जटिल नैतिक, कानूनी और व्यावहारिक विचारों को जन्म देता है जिन पर गहन विमर्श की जरूरत है। साथ ही न्यायिक क्षेत्र में एआइ के इस्तेमाल में खतरे की गुंजाइश के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि अदालती निर्णय में एआइ का प्रयोग अवसर और चुनौतियां दोनों प्रस्तुत करता है और इस पर सूक्ष्मता से विचार करने की आवश्यकता है। सीजेआइ ने इसके साथ ही भारतीय न्यायपालिका में कंप्यूटरीकरण और तेजी से बढ़ते तकनीक के इस्तेमाल की सराहना की और बताया कि कैसे यह न्याय को सुगम बना रहा है।

प्रधान न्यायाधीश ने ये बातें शनिवार को न्यायपालिका में तकनीक और एआइ के इस्तेमाल पर आयोजित दो दिवसीय भारत-सिंगापुर न्यायिक सम्मेलन के उद्घाटन संबोधन में कहीं। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के अलावा सिंगापुर के चीफ जस्टिस सुंद्रेश मेनन भी मौजूद थे। सीजेआइ चंद्रचूड़ ने कहा कि कानूनी क्षेत्र में लीगल रिसर्च में एआइ एक गेम चेंजर की तरह उभरा है। ये कानूनी पेशे से जुड़े लोगों को दक्षता और सटीकता के साथ सशक्त बनाता है। सीजेआइ ने कहा कि चैट जीपीटी के इस्तेमाल के साथ ये सवाल उठ रहे हैं कि किसी मामले में निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए एआइ पर भरोसा करना चाहिए कि नहीं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि कई बार एआइ गलत नतीजे भी देता है। अदालती कार्यवाही सहित आधुनिक प्रक्रियाओं में एआइ का एकीकरण जटिल नैतिक, कानूनी और व्यावहारिक विचारों को जन्म देता है जो गहन जांच की मांग करते हैं।

हालांकि इसके साथ ही चीफ जस्टिस ने भारतीय न्यायपालिका द्वारा अपनाई गई तकनीक से सहज और सरल हुई न्याय प्रक्रिया का भी उदाहरण दिया। बताया कि कैसे कोरोना काल में शुरू की गई वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई से लोगों को कैसे आराम हुआ और अदालत आने में लगने वाला समय और परेशानी से निजात मिली। उन्होंने कहा कि भारत एक जीवंत पारिस्थितकी तंत्र और समृद्ध कानूनी विरासत का दावा करता है।

********

## बिहार में गिरफ्तार साइबर अपराधियों का पाकिस्तानी कनेक्शन

**जासं, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) :** बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस ने छापेमारी कर शुक्रवार को पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में इन बदमाशों के पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आए हैं। गिरोह के सरगना मणिभूषण राम का कराची में बैठे एक व्यक्ति से सीधा संपर्क सामने आया है।

पिछले महीने उससे खास नंबर पर पांच-सात मिनट तक बातचीत के प्रमाण भी मिले हैं। इसकी सूचना के बाद आतंक निरोधी दस्ता (एटीएस) की टीम के अलावा अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ की। इसके बाद सभी को शनिवार को जेल भेज दिया गया।

एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों में मिले 11 सेलफोन और एक लैपटाप की जांच चल रही है। सभी सेलफोन की काल डिटेल निकाली जा रही है और उनकी जांच की जा रही है।

### आज का भविष्यफल-14 अप्रैल, 2024 रविवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : चैत्र मास शुक्ल पक्ष षष्ठी।
आज का राहुकाल : सायं 04 बजकर 30 मिनट से 06 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पश्चिम। विशेष : भीमराव आंबेडकर जयंती।

कल 15 अप्रैल, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पूर्व
कल का पर्व एवं त्योहार : दुर्गा सप्तमी
कल की भद्रा : दोपहर 12:12 बजे से रात्रि के 12:49 बजे तक। बसंत ऋतु चैत्रमास शुक्ल पक्ष की सप्तमी तत्पश्चात अष्टमी पुनर्वसु नक्षत्र तत्पश्चात पुष्य नक्षत्र सुकर्मा योग तत्पश्चात धृति योग मिथुन में चंद्रमा 20 घंटे 29 मिनट तक तत्पश्चात कर्क में।

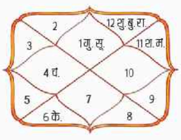


मेष : किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
वृष : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।
मिथुन : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कर्क : जीवन सुखमय होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
सिंह : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक प्रयास सार्थक होगा।
कन्या : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होगा।
तुला : पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा। योजना फलीभूत होगी।
वृश्चिक : आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रिश्तों में मजबूती आएगी।
धनु : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मकर : तनाव मिल सकता है। कुछ व्यावसायिक उलझनें रहेंगी।
कुंभ : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
मीन : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक सफलता मिलेगी।

# नमो देव्यै, महादेव्यै

नारी सशक्तीकरण

## रविवार विशेष

सनातन में नारी को देवी स्वरूप माना गया है। मां की ममता से लेकर उद्यम के पथ पर दृढ़ संकल्पित महिला के रूप में नारी के कई रूप सामने आते हैं। मंगलयान से लेकर चंद्रयान मिशन तक नारी शक्ति अपनी मेधा से हमें गौरवान्वित कर रही है। शहर से लेकर गांव तक नारी सशक्तीकरण के प्रयास किए जा रहे हैं। नवरात्र के इस विशेष आयोजन में पढ़िए ऐसी देवियों की कहानी, जिन्होंने लघु उद्यम के छोटे कदमों के माध्यम से स्वावलंबन का बड़ा लक्ष्य साधा है। अपना जीवन संवारने के साथ अन्य महिलाओं की आर्थिकी को भी सशक्त बनाया है:

# छोटे कदम से स्वावलंबन का बड़ा लक्ष्य

## पहाड़ी गांव में विकसित की आत्मनिर्भरता की संस्कृति

'हनी विलेज' मानपुर गांव में महिलाओं को मधुमक्खी पालन के बारे में बतातीं ममता भंडारी ● जागरण

आप मजबूत इरादों के साथ स्वावलंबन की पगडंडी पर चल पड़े हैं तो सफलता मिलना तय है। इस सफलता से तब और संतुष्टि मिलती है, जब कारवां जुड़ने लगता है। उत्तरकाशी जिले के मानपुर गांव की ममता भंडारी ने पांच वर्ष पूर्व जब स्वावलंबन की राह पकड़ मधुमक्खी पालन शुरू किया तो उन्हें उम्मीद भी नहीं रही होगी कि उनका यह लघु उपक्रम 'हनी विलेज' के रूप में गांव की पहचान बन जाएगा। साथ ही अन्य महिलाएं भी उनसे प्रेरित होकर मधुमक्खी पालन से जुड़ेंगीं। आज मानपुर में 10 महिलाएं पांच क्विंटल से अधिक शहद का उत्पादन कर रही हैं।

**ममता भरा स्वावलंबन:** जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से 12 किमी की दूरी पर स्थित मानपुर गांव की 36 वर्षीय ममता भंडारी ने वर्ष 2019 में एकीकृत आजीविका सहयोग परियोजना के माध्यम से प्रशिक्षण लिया। वर्ष 2020 में ममता ने घर के आंगन में मधुमक्खी पालन के लिए एक बाक्स लगाया, जिससे एक वर्ष में दस किलो शहद का उत्पादन हुआ और ममता को 10 हजार रुपये की आय हुई। स्वावलंबन की मिठास महसूस हुई तो आत्मविश्वास बढ़ा। फिर ममता ने आंगन व छत पर दस और बाक्स लगाए। साथ ही गांव की महिलाओं को भी मधुमक्खी पालन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी को एकीकृत आजीविका सहयोग परियोजना के तहत प्रशिक्षण दिलवाने के साथ बाक्स उपलब्ध कराने में उनका सहयोग किया। वर्तमान में मानपुर की दस महिलाएं शहद का उत्पादन कर रही हैं। जबकि गांव में 60 से अधिक महिलाएं मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण ले चुकी हैं और इनमें से 50 ने इसी सीजन से शहद उत्पादन के लिए बाक्स भी लगा दिए हैं।

ममता भंडारी ● जागरण

**आंगन में फूलों की क्यारी:** मधुमक्खी पालन के लिए महिलाओं ने अपने घर-आंगन में फूलों की क्यारी भी तैयार की है, जिनमें गुलाब, गुड़हल, गेंदा आदि के फूल हैं। इससे घर-आंगन भी महकने लगे हैं और मधुमक्खियों के लिए एक वातावरण भी बन रहा है। ममता कहती हैं कि मधुमक्खी पालन के लिए महिलाओं के साथ मिलकर उन्होंने कैलापीर देवता उत्पादक समूह का गठन किया। पहले उन्होंने मधुमक्खियों के बारे में समझा और वैज्ञानिक विधि से मधुमक्खी पालन करने, बाक्स में लगाने व उनका प्रबंधन करने के बारे में जाना। जब शहद का अच्छा उत्पादन और मुनाफा मिला तो बाक्स की संख्या बढ़ाई। साथ ही अन्य महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित किया। ऐसे में आज कई महिलाएं अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। बकौल ममता, 'वर्तमान में मेरे पास 10 बाक्स हैं, जिनसे उत्तम क्वालिटी का शहद मिल रहा है। इसकी बहुत मांग है, एक बाक्स से वर्ष में 10 किलो तक शहद मिल जाता है। पति धर्मेंद्र भंडारी का भी इस कार्य में निरंतर सहयोग मिल रहा है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि मानपुर गांव को हनी विलेज के रूप में देशभर में ख्याति मिले। अभी हम हनी विलेज मानपुर के नाम से ही शहद बेच रहे हैं। रीप के जिला परियोजना प्रबंधक कपिल उपाध्याय के अनुसार उत्पादन को देखते हुए डुंडा में हनी प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की गई है। प्रोसेस किए शहद से अधिक दाम मिलेंगे।

**मिला सम्मान:** इंटरमीडिएट तक पढ़ीं ममता भंडारी को बीते वर्ष देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में शासन की ओर से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उत्तराखंड में शहद उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया गया।

(उत्तरकाशी से शैलेंद्र गोदियाल)

## 20 हजार लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा

महिलाओं को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण देतीं कंदरौर की निर्मला धीमान ● फाइल फोटो

जब हिमाचल प्रदेश में मशरूम बहुत कम पैदा होता था, उस समय बिलासपुर की निर्मला धीमान ने 900 रुपये का बीज खरीद मशरूम उत्पादन शुरू किया था। पहले ही प्रयास में 3,500 रुपये की मशरूम बेची। आज उनसे प्रेरणा लेकर गांव के करीब 100 परिवार मशरूम उत्पादन कर रहे हैं। बिलासपुर के कंदरौर गांव की निर्मला प्रदेश के करीब 20 हजार लोगों को इसका प्रशिक्षण दे चुकी हैं।

**करीब ढाई दशक पहले शुरुआत:** निर्मला वर्ष 2000 से मशरूम उत्पादन का काम कर रही हैं। उनसे सीखकर गांव की 130 से अधिक महिलाएं मशरूम उत्पादन कर रही हैं। निर्मला मशरूम उत्पादन व चीड़ की पत्तियों से उत्पाद तैयार करने का निश्शुल्क प्रशिक्षण देती हैं। इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी मिले हैं।

**तब नया था विचार:** निर्मला बताती हैं कि जब उन्होंने प्रशिक्षण लिया था तो विश्वास था कि यह प्रयास सफल होगा। तब मशरूम उत्पादन का विचार प्रदेश के लिए नया था। ग्रामीण स्तर पर तो होता ही नहीं था। पहले उन्होंने 20 महिलाओं का स्वयं सहायता समूह बनाया था, लेकिन अब कंदरौर में खंड स्तर पर समूह बनाया है, जिसमें 130 महिलाएं शामिल हैं, जो मशरूम उत्पादन से ही जुड़ी हुई हैं। निर्मला देवी के पति बाबू राम उद्यान विभाग में कार्यरत थे, जो अब सेवानिवृत्त हो गए हैं। वर्ष 2000 में विभाग की ओर से जालंधर में प्रशिक्षण टूर निर्धारित किया गया था। इसमें निर्मला धीमान भी गई थीं। वहां मशरूम की खेती का प्रशिक्षण लेने के बाद उत्पादन शुरू किया।

निर्मला धीमान ● स्वयं

**इस वर्ष बड़ा काम:** निर्मला के स्वयं सहायता समूह और कंदरौर के आशा किरण संगठन से जुड़ी महिलाओं ने इस साल भारी मात्रा में मशरूम का बीज लगाया है। कंदरौर पंचायत में इस साल लगभग 40 क्विंटल मशरूम का बीज लगाया है। कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जम्मू की ओर से सात से 10 अक्टूबर, 2021 में आयोजित उत्तर भारत क्षेत्रीय कृषि मेले में उन्हें शेर-ए-कश्मीर से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से यह सम्मान उत्तर भारत में कृषि के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर दिया जाता है। इसी वर्ष मशरूम शोध निदेशालय चंबाघाट सोलन ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा।

(बिलासपुर, मुनीष गारिया)

## तीन राज्यों की महिलाओं को बना रहीं आत्मनिर्भर

प्रशिक्षण कार्यशाला में महिलाओं के साथ मौजूद पूनम दीदी (सबसे दाएं) ● सौजन्य सोसायटी

हौसले से आगे बढ़िए, सफर अपना आसान कीजिए, मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए। इसी सोच के साथ वर्ष 2004 में संगम विहार दिल्ली निवासी पूनम ने शिल्पकला से जुड़ कर अपना काम शुरू किया था। पहले खुद सशक्त हुईं और फिर 10 महिलाओं को साथ लेकर अपने काम को गति दी। फलाह सोसायटी की महासचिव अब पूनम नहीं बल्कि पूनम दीदी के नाम जानी जाती हैं।

सोसायटी के जरिये हरियाणा, दिल्ली तथा राजस्थान की लगभग दो हजार महिलाओं को जोड़ कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की राह पर आगे बढ़ाया, जिनके द्वारा निर्मित कुशन कवर, जूट व मोती के बैग व लाख की चूड़ियां मेले व प्रदर्शनियों में खूब बिकती हैं। दिल्ली सरकार ने पूनम को वर्ष 2017 में हस्तशिल्प राज्य श्रेष्ठता पुरस्कार दिया था।

**ऐसे हुई शुरुआत:** दिल्ली के संगम विहार की पूनम की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। पिता एक एक्सपोर्ट उद्योग में श्रमिक थे। मां घर में मोती कढ़ाई का काम करके पिता का सहयोग करती थीं। पूनम और उनके छोटे भाई की स्कूल की फीस भरनी भी कई बार मुश्किल हो जाती थी। ऐसे में पूनम को जो समय मिलता उसमें मां के साथ सिलाई-कढ़ाई के काम में हाथ बंटाती थीं। मां से प्रेरणा लेकर इस कला को सीखते हुए वर्ष 2003 में 12वीं की। इस दौरान बिजनौर की एक समिति के अध्यक्ष इरशाद मुल्तानी से उन्हें समूह बनाने की जानकारी मिली।

**10 महिलाओं संग बनाया समूह:** बकौल पूनम, तब 10 महिलाओं को जोड़ कर जागृति स्वयं सहायता समूह बनाया। उसके बाद उन्हें अपने उत्पादों को बेचने के लिए सरकारी मेलों में जाने का अवसर प्राप्त हुआ। इसी बीच एक बार फलाह हैंडीक्राफ्ट सोसायटी की एक बैठक में जाने का मौका मिला। वहां सोसायटी के संस्थापक रणवीर कुमार मेहता मुलाकात हुई, जिन्होंने सोसायटी की अन्य महिलाओं से मिलवा कर प्रेरित किया। पूनम के अनुसार, उन्होंने मेरा कार्य और कला को देखकर मुझे सोसायटी का सदस्य बना लिया। इसके बाद 2009 में 25 समूह बनाए।

उद्योग विभाग, दिल्ली की ओर से हस्तशिल्प राज्य श्रेष्ठता पुरस्कार के साथ शिल्पी पूनम दीदी ● सौः फलाह सोसायटी

सोसायटी के पदाधिकारियों ने मेहनत को पहचान पूनम को महासचिव बना दिया। उसके बाद वस्त्र मंत्रालय से जुड़कर संगम विहार में एक हजार से अधिक महिलाओं और पुरुषों को हस्तशिल्प से जोड़कर रोजगार शुरू करवाया। उनके बने हुए उत्पादों को वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से लखनऊ, चंडीगढ़, हिसार, अजमेर गुरुग्राम अमृतसर पुणे, जयपुर, फरीदाबाद में सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला तथा प्रगति मैदान में लगने वाले मेलों में बड़ा बाजार मिला। वर्ष 2010 में शादी हुई तो फरीदाबाद को अपनी कर्मभूमि बनाया।

**..और बदल गया जीवन:** पूनम की सोसायटी से जुड़ी महिला सुनीता कहती हैं कि वह पहले गृहिणी थीं। दो बच्चे हैं। पति के पास काम नहीं था। घर चलाना मुश्किल हो रहा था। वह फलाह सोसायटी से जुड़ गईं। पूनम दीदी की मदद से कढ़ाई की मास्टर ट्रेनर बन गईं। इससे घर खर्च निकलने लगा। अब अन्य महिलाओं को ट्रेनिंग दे रही हैं। ऐसे ही मंजू के जीवन में भी बदलाव आया है।

(फरीदाबाद से अनिल बेताब)

## न्यूज गैलरी

### बाल विवाह से बचाई गई छात्रा इंटरमीडिएट में आई अव्वल

**अमरावती:** बाल विवाह की कुप्रथा में झोंकने से बचाई गई एक छात्रा सभी बाधाओं को पार करते हुए आंध्र प्रदेश में इंटरमीडिएट बोर्ड के प्रथम वर्ष की परीक्षा में अव्वल आई है। बोर्ड आफ इंटरमीडिएट के सचिव सौरव गौड़ ने शनिवार को बताया कि कुरनूल जिले की छात्रा जी. निर्मला ने 440 में से 421 अंक हासिल कर टाप किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि अपने परिवार द्वारा बाल विवाह के लिए मजबूर किए जाने और पिछले साल जिला प्रशासन द्वारा बचाए जाने से लेकर इंटरमीडिएट परीक्षा में अव्वल आने तक निर्मला ने लंबा सफर तय किया है। निर्मला भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी बनना चाहती है। (प्रेट्र)

### दशमेश गुरु ने छुआछूत मिटाने को बनाया खालसा पंथ

**पटना सिटी:** सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह ने छुआछूत, भेदभाव, ऊंच-नीच जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए 325 वर्ष पूर्व खालसा पंथ की स्थापना कर अनुयायियों को हमेशा न्यारा रहने का संदेश दिया। यह बातें शनिवार को कथावाचक ज्ञानी दलजीत सिंह ने बिहार के पटना में तख्त श्रीहरिमंदिर जी पटना साहिब में बैसाखी के मौके पर आयोजित विशेष दीवान में देश-विदेश के श्रद्धालु के बीच कहीं। तख्त श्रीहरिमंदिर जी पटना साहिब में बैसाखी मनाने वाले श्रद्धालुओं का दिन भर तांता लगा रहा। सुबह में कार्यक्रम की शुरुआत हजूरी रागी जत्था भाई नविंदर सिंह के कीर्तन से हुई। जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह के अरदास-हुकुमनामा व कड़ाह प्रसाद वितरण के बाद लखनऊ आलमबाग के हजूरी रागी जत्था के भाई दिनेश सिंह ने शबद-कीर्तन किया। इसके बाद तीन दिनों से चल रहे अखंड-पाठ की समाप्ति हुई। (जासं)

### वाराणसी पहुंचे 16 देशों के राजदूत, गंगा आरती देख अभिभूत

**वाराणसी :** वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर शनिवार को भव्य गंगा आरती को देखकर 16 देशों के राजदूत अभिभूत हो गए। सभी राजदूत 14 अप्रैल को नमो घाट पर होने वाले 'धरोहर काशी की' कार्यक्रम में भाग लेंगे। और फिर श्री काशी विश्वनाथ धाम भी देखने जाएंगे। राजदूत शनिवार दोपहर बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचे। शाम को नमो घाट से क्रूज पर सवार होकर दशाश्वमेध घाट पहुंचे। (जासं)

## गैर हिंदुओं का प्रवेश रोकने को लेकर पुरी जगन्नाथ मंदिर में पहरेदारी

शेषनाथ राय ● जागरण

- मंदिर में गैर हिंदुओं का प्रवेश रोकने को लेकर मंदिर प्रशासन सख्त
- मंदिर के चारों द्वार पर जगन्नाथ मंदिर पुलिस के अलावा सेवक होंगे तैनात

**भुवनेश्वर:** देश के चार धाम में से एक पुरी जगन्नाथ मंदिर में हाल के कुछ महीनों में गैर हिंदुओं के प्रवेश की बात सामने आने के बाद मंदिर प्रशासन चौकन्ना हो गया है। मंदिर में ऐसे लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के लिए रविवार से जगन्नाथ मंदिर पुलिस के अलावा सेवक (मंदिर और देवी-देवताओं की सुरक्षा में तैनात प्रतिहारी सेवक) तैनात रहेंगे। जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य माधव महापात्र के अनुसार भक्तों की पहचान करने में ये सेवक दक्ष हैं। थोड़ा भी संदेह होने पर हिंदू धर्म से जुड़ी आस्था, गोत्र आदि को लेकर उनसे सवाल करेंगे। इसे और भी पुष्ट करने के लिए वह मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज भी देखेंगे। प्रथम चरण में सिंहद्वार के बाद अन्य तीनों द्वार पर भी सेवकों की तैनाती होगी।

**इंदिरा गांधी को भी नहीं मिली थी प्रवेश की अनुमति** : वर्ष 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी। क्योंकि उन्होंने गैर हिंदू से विवाह किया था। ऐसे में वह जैसे ही मंदिर परिसर में पहुंचीं, पुजारियों ने उनका विरोध किया। अंततः उन्हें पास के ही रघुनंदन पुस्तकालय से पूजा-अर्चना करनी पड़ी। इसी तरह 2006 में स्विस महिला एलिजाबेथ जिगलर को भी मंदिर में प्रवेश नहीं मिला, क्योंकि वह ईसाई थीं। जबकि उनकी ओर से मंदिर को 1.78 करोड़ रुपये दान भी दिया गया था।

पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर। फाइल

**तीन गैर हिंदुओं के प्रवेश की घटना आ चुकी है सामने** : पिछले दो महीने में तीन से अधिक गैर-हिंदुओं को मंदिर में प्रवेश करते हुए पकड़ा गया है। सबसे पहले सेवादारों ने एक विदेशी महिला को तब पकड़ा था, जब वह मंदिर की 22 सीढ़ियां पार कर चुकीं थीं। इस घटना के कुछ ही दिनों बाद कुछ बांग्लादेशी जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश कर गए। इसी अवधि में इंग्लैंड का एक युवक भी मंदिर में घुस गया।

**80 प्रतिशत भक्त कर रहे ड्रेस कोड का अनुपालन** : समिति के अनुसार, कहा कि पुरी जगन्नाथ मंदिर में एक जनवरी से प्रभावी ड्रेस कोड का 80 प्रतिशत भक्त अनुपालन कर रहे हैं। पुरुषों के लिए पैंट-कमीज, धोती जैसे परिधान को मान्यता दी गई है, वहीं महिलाओं के लिए साड़ी, सलवार-समीज का प्रविधान है।

## रामनवमी से पहले रामपथ पर अयोध्या में लगेंगे 15 ड्राप डाउन बैरियर, होगा भीड़ प्रबंधन

संसू, जागरण ● अयोध्या

- बिड़ला मंदिर के सामने रामजन्मभूमि पथ पर प्रवेश करेंगे भक्त

भव्य मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामनगरी में पहली बार पड़ने वाली चैत्र रामनवमी पर लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसको लेकर जिला प्रशासन बेहद सतर्क है। रामनवमी पर 17 अप्रैल को होने वाले मुख्य पर्व के लिए तैयारी की जा रही है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे 15 अप्रैल से ही लागू किया जाएगा।

राम मंदिर के अलावा रामनगरी के अन्य हिस्सों में भीड़ प्रबंधन का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया है। रामपथ पर 15 स्थानों पर ड्राप डाउन बैरियर लगाए जाएंगे। रामनवमी पर एक-एक बैरियर पर भक्तों का हुजूम रोका जाएगा। जब बैरियर के आगे के भक्त और आगे बढ़ जाएंगे तो इन्हें भी छोड़ा जाएगा। प्रत्येक स्थान पर सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे। इसके अलावा रामपथ से नगर के बाएं व दाएं हिस्से की ओर खुलने वाली गलियों को बैरियर से बंद किया जाएगा। भीड़ बढ़ने पर मुख्य मार्ग की गलियों को पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा। वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित होगा।

नगर के बाहर पार्किंग में वाहनों को खड़ा करने के बाद ही श्रद्धालु शहर में आ सकेंगे। रामपथ के 15 बैरियरों को पार करते हुए भक्त बिड़ला मंदिर के सामने रामजन्मभूमि पथ पर प्रवेश करेंगे। रामलला का दर्शन कर वे अंगद टीला के समीप से होते हुए श्रीराम अस्पताल के बगल नवनिर्मित पथ से बाहर निकल सकेंगे। यहां से भक्तों को रेलवे स्टेशन की ओर मोड़ दिया जाएगा। ये दोबारा बिड़ला धर्मशाला नहीं जा सकेंगे। सीओ आशुतोष मिश्रा ने बताया कि रामपथ पर 15 स्थानों पर ड्राप डाउन बैरियर लगाए जाएंगे। हनुमानगुफा पर यात्री सुविधा केंद्र होगा। यहीं पर यात्री सामग्री रख सकेंगे।

**सेवा- सत्कार की योजना को अंतिम रूप दे रहा संघ, विहिप के दस भंडारे चलेंगे:** रामनवमी पर रामनगरी में आने वाले भक्तों की सेवा के लिए आरएसएस ने कमर कस ली है। 40 स्थान पर पेयजल व चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। व्यवस्था को संचालित करने वाले स्वयंसेवक अयोध्या के बाहर के भी होंगे। लगभग डेढ़ हजार स्वयंसेवक लगाए जाएंगे। इनमें हजार स्वयंसेवक अयोध्या के और शेष लखनऊ के होंगे। लखनऊ के स्वयंसेवक रविवार को यहां पहुंचेंगे। संघ ने लिंक जारी कर सेवा सत्कार में इच्छुक स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया है। आरएसएस के अलावा विहिप के संयोजन में दस भंडारे व भाजपा लगभग सौ स्थलों पर कैंप लगाएगी। भंडारे और पेयजल की व्यवस्था की जाएगी।

### अयोध्या से होगा लाइव प्रसारण

**जासं, अयोध्या:** चैत्र राम नवमी का मुख्य कार्यक्रम 17 अप्रैल को है। प्रसार भारती की ओर से दूरदर्शन पर रामलला के मंदिर से कार्यक्रम के सजीव प्रसारण की व्यवस्था होगी। उसके लिंक सभी चैनलों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंडलायुक्त गौरव दयाल ने यह जानकारी मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र को वीडियो कांफ्रेंसिंग में दी। मंडलायुक्त समेत अन्य अधिकारी विकास भवन के एनआइसी कक्ष में मौजूद रहे। डीजीपी प्रशांत कुमार भी वीडियो कांफ्रेंसिंग में शामिल रहे। गर्मी से बचाव के लिए भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर जमीन पर दरी आदि बिछाई जा रही है। बैरीकेडिंग के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी स्थानों पर साइन बोर्ड लगाए जा रहे हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि बीती 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली रामनवमी में 15 से 20 लाख लोगों के आने की संभावना है। भजन आदि के प्रसारण के लिए 123 स्थानों पर एलईडी वाल लगाने के स्थल चिह्नित हैं। पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि रूट डायवर्जन प्लान 15 से 19 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा।

## भोजशाला में हवन कुंड का हुआ मापन, तीन ओर खोदाई जारी

नईदुनिया, धार

### एएसआइ सर्वे का 23वां दिन

- 50 मीटर के दायरे के मकानों का किया अवलोकन

मप्र के धार के ऐतिहासिक भोजशाला में शनिवार को सर्वे के 23वें दिन एएसआइ की टीम ने हवन कुंड का मापन कार्य किया गया। यहां के पत्थरों और उसकी बनावट के बारे में विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी हासिल की है, जबकि भोजशाला के भीतर के क्षेत्र में खोदाई कार्य भी जारी रहा। बाहरी क्षेत्र में भी 10 ट्रेंच में कार्य किया गया। 50 मीटर के दायरे में फिर टीम पहुंची। इसमें कुछ मकानों के निर्माण आदि को देखा गया है।

कुछ दिनों से एएसआइ की टीम के लीडर व विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक प्रोफेसर डाक्टर आलोक त्रिपाठी टीम के साथ नहीं थे। शनिवार को वह यहां पहुंचे। गर्भ गृह के बाहर के क्षेत्र जहां खोदाई चल रही है, वहां धीरे-धीरे गहराई बढ़ाई जा रही है। यहां पर विभाग द्वारा छह स्थान तय किए गए थे। इसमें से एक ही स्थान पर अभी कार्य चल रहा है। भोजशाला के मध्य हवन कुंड नुमा आकृति है, जिसे हिंदू समाज हवन कुंड कहता है। सर्वे टीम ने मुख्य रूप से हवन कुंड का मापन कार्य किया है। उसकी फोटो भी ली गई हैं। इसके अलावा इसकी गहराई व कुंड के पाषाण की खास बनावट की जानकारी को सर्वे टीम ने अपने रिकार्ड में दर्ज किया है।

धार: ऐतिहासिक भोजशाला में जारी है सर्वे कार्य। फाइल फोटो

## प्रयागराज में जहां रुके थे भगवान श्रीराम, निखर रहा वह श्रृंगवेरपुर धाम

शरद द्विवेदी, जागरण

### धार्मिक पर्यटन

- निषादराज पार्क में बना भव्य द्वार, पार्क में स्थापित हो चुकी है भगवान राम और निषादराज की गले मिलते प्रतिमा

**प्रयागराज:** श्रृंगी ऋषि की तपस्थली। निषादराज गुह की नगरी श्रृंगवेरपुर दिव्य-भव्य व नव्य बन रही है। जीर्ण-शीर्ण मंदिर निखरने लगे हैं। जो स्थल कभी उपेक्षित थे वहां नयनाभिराम निर्माण चल रहा है। कहीं द्वार बन रहे हैं, कहीं मूर्तियां आकार ले रही हैं। निषादराज पार्क की भव्यता हर किसी को आकर्षित कर रही है। त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम अयोध्या से वनवास के लिए निकले तो श्रृंगवेरपुर में रात्रि रात्रि विश्राम किया था। अगले दिन श्रीराम, सीता और लक्ष्मण को निषादराज ने गंगा पार कराया। उन्होंने श्रीराम की खूब सेवा की थी। इससे प्रभावित होकर प्रभु श्रीराम ने निषादराज को अपना सखा बना लिया। लंका विजय के बाद अपने राज्याभिषेक में निषादराज को आमंत्रित किया था। श्रीराम और निषादराज की मित्रता की मिसाल तपोस्थली श्रृंगवेरपुर को धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा हरा है। महाकुंभ 2025 के पहले इसे तीर्थ क्षेत्र घोषित करने का प्रयास है। मौजूदा समय श्रृंगवेरपुर धाम में लगभग 135 करोड़ रुपये के कार्य कराए जा रहे हैं। इसमें निषादराज पार्क प्रमुख है, जो लगभग 10 एकड़ में फैला है। पौराणिक महत्व के स्थल श्रृंगवेरपुर धाम की छटा निषादराज पार्क बढ़ाएगा। पार्क में हरियाली, कलात्मक रोशनी के बीच चलते फव्वारे के अलावा दीवारों पर रामायण से जुड़े प्रसंग का चित्रण हो रहा है। पार्क का विशाल द्वार बन गया है। उसकी सीढ़ियां व पौधारोपण का कार्य पूर्ण हो चुका है। पार्क के मध्य में श्रीराम और निषादराज की गले मिलते 51 फीट की कांस्य प्रतिमा स्थापित है। यह स्थल दुनिया को समरसता का संदेश देगा। ललित कला अकादमी, लखनऊ ने प्रतिमा तैयार की है। पार्क की चहारदीवारी बन गई है। फेज-एक के लिए दिए गए बजट से स्टोन वर्क वाल लाइनिंग, आर्नामेंटल स्टोन वर्क फार वाल लाइनिंग व आर्च डिजाइन, ग्रेनाइट फ्लोरिंग, स्टोन वर्क इन कूपिंग, स्टोन क्लेडिंग, मकराना स्टोन फ्लोरिंग, ग्रेनाइट कोबल का काम होगा।

**पौराणिकता को संरक्षित कर मिल रहा भव्य स्वरूप:** प्रयागराज शहर से लगभग 40 किमी दूर गंगा किनारे स्थित श्रृंगवेरपुर धाम का धार्मिक व पौराणिक महत्व है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि श्रृंगवेरपुर की पौराणिकता को सहेजना सर्वोपरि है। प्राचीन मंदिरों को उनकी परंपरा व मान्यता के अनुरूप भव्य स्वरूप दिया जा रहा है, जिससे उसे देखने वाले स्वयं को अतीत से जोड़ सकें।

*********

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 14 अप्रैल, 2024

दैनिक जागरण
ईश्वर भक्त के मन की शुद्धता परखता है

# आतंक को जवाब

एक ऐसे समय जब पाकिस्तान भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने में लगा हुआ है और जब-तब कश्मीर में उनकी घुसपैठ कराने की भी कोशिश करता रहता है, तब ऐसी किसी दो टूक बात की आवश्यकता थी कि आतंकियों को जवाब देने का कोई नियम नहीं हो सकता, क्योंकि वे भी किसी नियम को नहीं मानते। विदेश मंत्री जयशंकर ने यह बयान देते हुए इसका भी उल्लेख किया कि किस तरह मुंबई में भीषण आतंकी हमले के बाद तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर तमाम विचार-विमर्श के बाद भी इस नतीजे पर पहुंची थी कि उसके विरुद्ध कोई कदम न उठाना ही बेहतर है। इस नतीजे पर पहुंचकर मनमोहन सरकार ने न केवल भारत की कमजोरी उजागर की थी, बल्कि पाकिस्तान के दुस्साहस को बढ़ाने का भी काम किया था। इसके नतीजे अच्छे नहीं हुए और भारत को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले झेलने पड़े। पाकिस्तान के होश ठिकाने तब आए, जब पुलवामा में आतंकी हमले के जवाब में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर बालाकोट में एयर स्ट्राइक की। इसके पहले भारतीय सेना सीमा पार जाकर सर्जिकल स्ट्राइक भी कर चुकी थी। यह सही है कि मोदी सरकार की नीतियों के चलते पाकिस्तान के दुस्साहस का दमन हुआ है, लेकिन उसने अभी अपनी जमीन पर चल रहे आतंक के उन अड्डों को बंद नहीं किया है, जहां जिहादी तैयार होते हैं और जो भारतीय सीमा में घुसपैठ की करते रहते हैं। कश्मीर में अभी भी आतंकी जब-तब सिर उठाते रहते हैं। ऐसे में उसे समय-समय पर चेताया जाना आवश्यक है।

यह महत्वपूर्ण है कि विदेश मंत्री के पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी साफ शब्दों में यह कह चुके हैं कि यदि आतंकी भारत में कोई हमला करके सीमा पार चले जाते हैं तो वहां भी उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। पहले रक्षा मंत्री और अब विदेश मंत्री की इन खरी बातों का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है, क्योंकि हाल में एक ब्रिटिश समाचार पत्र ने यह दावा किया है कि भारत ने पाकिस्तान में करीब 20 आतंकियों को ठिकाने लगाया है। भारत आधिकारिक रूप से तो ऐसे किसी दावे की पुष्टि करने से रहा, लेकिन इससे बेहतर और कुछ नहीं कि पाकिस्तान यह समझने लगा है कि आतंकवाद के मामले में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले भारत की नीति बदल चुकी है और यदि वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आता तो उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। पाकिस्तान ने ब्रिटिश समाचार पत्र के दावे का उल्लेख करते हुए अपना रोना भी रोया है, लेकिन उसकी कहीं कोई सुनवाई इसलिए नहीं हो रही है, क्योंकि विश्व को यह अच्छी तरह पता है कि वह आतंकी संगठनों को संरक्षण देने का काम करता है। ऐसे में भारत के लिए यही उचित है कि वह पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखे।

# प्रशासन की नाकामी

पंजाब में चंडीगढ़-मोहाली मार्ग को बाधित कर कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से लगाए धरने को लेकर हाई कोर्ट ने जिस तरह की टिप्पणी की है उसे पुलिस-प्रशासन को गंभीरता से लेना चाहिए। यह वाकई हैरानीजनक है कि कोर्ट में पिछले वर्ष आश्वासन देने के बावजूद धरना हटाया नहीं गया। एक वर्ष से ज्यादा समय तक सड़क को बाधित करना और पुलिस-प्रशासन का मूकदर्शक बने रहना कई सवाल खड़े करता है। हर किसी को अपनी बात सरकार तक पहुंचाने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। आखिर आम जनता के अधिकारों की बात कौन करेगा, इसे कौन देखेगा। चंडीगढ़-मोहाली मार्ग ही क्यों, राज्य में कुछ अन्य मार्ग भी बाधित किए गए हैं और वहां लंबे समय से धरना दिया जा रहा है। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालकों को बदले रूट से जाना पड़ रहा है और इसमें उनका समय तो ज्यादा लग ही रहा है, ईंधन की खपत भी अधिक हो रही है। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन को सक्रियता दिखानी चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा कुछ नजर नहीं आता है। कई बार तो राजनीतिक नफा-नुकसान को ध्यान में रखकर भी निर्णय लिए जाते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। अधिकारियों को हमेशा कानून-व्यवस्था को हर हाल में बहाल रखने के बारे में सोचना चाहिए। अधिकारी यदि इच्छाशक्ति दिखाएं और उचित तरीके से पहले करें तो कोई कारण नहीं कि समस्या का समाधान न हो सके। किसी को भी मनमानी करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए।

सड़क पर धरना देकर एक वर्ष से ज्यादा समय से यातायात बाधित करना कतई ठीक नहीं है। किसी को भी मनमानी करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए

# लोकतंत्र-संविधान के खात्मे का हौवा

संजय गुप्त

**यदि मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में बड़े बदलावों की बात कर रहे हैं तो इसके आधार पर यह कैसे कहा जा सकता है कि वह संविधान और लोकतंत्र खत्म करने जा रहे हैं?**

राहुल गांधी अब इस पर और अधिक जोर देने में लग गए हैं कि यदि मोदी सरकार फिर सत्ता में आई तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा और संविधान भी नहीं बचेगा। वह अपनी सभाओं में बार-बार कह रहे हैं कि इस बार के लोकसभा चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए हैं। लोकतंत्र और संविधान के खतरे में होने के आरोपों पर प्रधानमंत्री ने यह सवाल किया कि क्या जब देश में आपातकाल लगाया गया, तब लोकतंत्र खतरे में नहीं आया था? उन्होंने कांग्रेस से यह प्रश्न भी किया कि यदि संविधान का अनुच्छेद 370 इतना ही अच्छा था तो उसे सारे देश में क्यों नहीं लागू किया गया? कांग्रेस के पास इसका शायद ही कोई जवाब हो।

1947 में जब भारत को आजादी मिली और संविधान सभा गठित हुई तो उसके 299 में से 208 सदस्य कांग्रेस के थे। इस समिति में हिंदू महासभा की ओर से प्रमुख नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे, जिन्होंने बाद में जनसंघ की स्थापना की, जिसने 1980 में भाजपा का रूप लिया। संविधान सभा में अनुच्छेद 370 का विरोध कई नेताओं ने किया। इनमें बाबा साहब आंबेडकर भी थे। संविधान में कई संशोधन उसके लागू होने के एक वर्ष के अंदर ही कर दिए गए, जिनमें से एक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित करने वाला भी था। यह विचित्र है कि आज कांग्रेस ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खतरे में होने का सबसे अधिक शोर मचा रही है। जब संविधान में राज्य सरकारों को बर्खास्त करने संबंधी अनुच्छेद 356 शामिल किया गया तो उसका विरोध हुआ। आंबेडकर जी ने इस अपेक्षा से इस अनुच्छेद को संविधान का हिस्सा बनाया कि इसके इस्तेमाल की नौबत कम ही आएगी, लेकिन सब जानते हैं कि नेहरू से लेकर नरसिंह राव के समय 356 का किस तरह मनमाना इस्तेमाल हुआ। पिछले वर्ष फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में बताया था कि कांग्रेस की सरकारों ने करीब 90 बार 356 का इस्तेमाल कर राज्य सरकारों को गिराया। इंदिरा गांधी ने तो लगभग 50 बार 356 का इस्तेमाल किया। यह भी किसी से छिपा नहीं कि आपातकाल के दौरान किस तरह संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और समाजवाद शब्द जोड़े गए।

चूंकि कांग्रेस संविधान खत्म होने का शोर लगातार मचा रही है, इसलिए बीते दिनों प्रधानमंत्री ने यहां तक कह दिया कि यदि आंबेडकर जी आ जाएं तो वह भी संविधान नहीं खत्म कर सकते। मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उनके लिए सबसे पवित्र किताब संविधान है और देश इससे ही चलेगा। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकल की शुरुआत में संसद के केंद्रीय कक्ष में संविधान की प्रति का नमन करके उसके प्रति अपनी निष्ठा प्रकट की थी। यदि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग चार सौ से अधिक सीटें पा भी जाए तो भी यह याद रहे कि ऐसा पहली बार नहीं होगा। राजीव गांधी के समय अकेले कांग्रेस ने 414 सीटें जीती थीं। जब कोई दल पूर्ण बहुमत से सत्ता में आता है तो वह अपने एजेंडे को लागू करता ही है। ऐसा कांग्रेस ने भी किया और भाजपा ने भी। यदि मोदी देश को विकसित राष्ट्र बनाने और अपने तीसरे कार्यकाल में बड़े बदलावों की बात कर रहे हैं तो क्या इसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि वह संविधान और लोकतंत्र खत्म करने की तैयारी कर रहे हैं?

राहुल गांधी इस आधार पर भी लोकतंत्र के खतरे में होने और संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट किए जाने का आरोप लगाते हैं कि मोदी सरकार अपने लोगों को शीर्ष संस्थाओं में नियुक्त कर रही है। यह काम तो हर सरकार करती है। आखिर कांग्रेस या अन्य कोई दल यह अपेक्षा कैसे कर सकता है कि शीर्ष पदों पर नियुक्ति उसके हिसाब से हो? कांग्रेस की ओर से संवैधानिक संस्थाओं के भगवाकरण का भी आरोप लगाया जा रहा है। क्या जो लोग भारतीयता से ओत-प्रोत हैं और भारतीय संस्कृति की बात करते हैं, उनकी नियुक्ति शीर्ष पदों पर नहीं होनी चाहिए? भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं की गिरफ्तारी या फिर उनके खिलाफ जांच के आधार पर भी यह कहा जा रहा है कि लोकतंत्र खतरे में है। लोकतंत्र को खतरा तो राजनीतिक भ्रष्टाचार से है, न कि भ्रष्ट तत्वों के खिलाफ कार्रवाई से। क्या देश में ऐसा कोई कानून है, जो यह कहता हो कि यदि कोई नेता किसी पद पर है तो उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए? ध्यान रहे यह कार्रवाई तभी आगे बढ़ती है, जब अदालतें ऐसे नेताओं को राहत नहीं देतीं। विडंबना यह है कि कांग्रेस के साथ मीडिया का एक हिस्सा भी लोकतंत्र-संविधान के खतरे में होने का हौवा खड़ा कर रहा है। यह हौवा खड़ा कर न्यायपालिका को प्रभावित करने की भी कोशिश की जा रही है और इसीलिए कुछ दिनों पहले 600 वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर यह कहा कि एक खास समूह निहित स्वार्थों के चलते न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

अब तक संविधान में सौ से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं। यह स्पष्ट है कि देश की आवश्यकतानुसार आगे भी होंगे। कांग्रेस को यह समझ आए तो अच्छा कि वह संविधान और लोकतंत्र के खत्म होने का जुमला उछालकर अपने पक्ष में कोई ठोस नैरेटिव नहीं खड़ा कर पा रही है। चूंकि वह जनता को लुभाने वाला नैरेटिव खड़ा करने में नाकाम है, इसलिए कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने का सिलसिला थम नहीं रहा है। जो कांग्रेस नेता बचे हुए हैं, उनकी मजबूरी है कि वे राहुल गांधी के आरोपों को दोहराएं। यदि कांग्रेस कमजोर हो रही है तो इसका यह अर्थ नहीं कि देश में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। कांग्रेस की कमजोरी का एक कारण क्षेत्रीय दलों से समझौते के नाम पर अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। अधिकांश क्षेत्रीय दल या तो कांग्रेस से टूट कर निकले हैं या फिर कांग्रेस विरोध की राजनीति से उपजे हैं। आज उनमें से अनेक उसके साथ अवश्य हैं, लेकिन वे उसकी ही जड़ें काट रहे हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दल कांग्रेस की तरह परिवारवादी हैं और वे अपने दल को निजी जागीर की तरह चला रहे हैं। ऐसे परिवारवादी दल तो लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ ही हैं।

response@jagran.com

अवधेश राजपूत

# साकार हो रहे बाबा साहब के सपने

असीम अरुण

**आंबेडकर जी को याद करते समय यह भी जानने का समय है कि हम कितने समावेशी बन सके हैं?**

आज बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाते समय हमारे पास सामाजिक न्याय की चुनौतियों के विषय में सोचने और नई अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक परिवर्तन की बदली स्थिति में आगे के विकल्प तलाशने के बारे में सोचने का भी अवसर है। आंबेडकर जी द्वारा संविधान में सामाजिक न्याय का जो खाका बनाया गया, वह उस समय की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों पर आधारित था। उस समय सामाजिक स्तर पर भेदभाव की स्थिति यह थी कि जाति के आधार अस्पृश्यता और तिरस्कार लोगों के सामान्य व्यवहार में शामिल था। अधिकतर शिक्षा सरकारी क्षेत्र में थी और आर्थिक अवसर भी सरकारी नौकरियों में अधिक थे। इनमें वंचित तबकों को भागीदारी दिलाने के लिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गई, जिसका लाभ तो मिला, पर असमानता पूरी तरह दूर नहीं हो सकी, क्योंकि आरक्षण आधारित अवसरों का लाभ सामाजिक-शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के सभी लोगों को सामान रूप से नहीं मिल सका। प्रारंभ में सामाजिक न्याय के लाभ की पात्र केवल अनुसूचित जातियां और जनजातियां थीं। बाद में अन्य पिछड़ी जातियों, महिलाओं और सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भी आरक्षण के दायरे मे लाया गया। अब ट्रांस-जेंडर के कल्याण के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

भारतीय गणतंत्र के 75वें वर्ष में बाबा साहब के सिद्धांतों को संजोते हुए आगे का रास्ता तय करने की जरूरत है। इस पर शोध की आवश्यकता है कि सामाजिक भेदभाव की वर्तमान स्थिति क्या है? इसका आकलन करने की भी आवश्यकता है कि क्या किरायेदार तय करते समय भेदभाव होता है? क्या महिलाओं को उसी काम के लिए बराबर वेतन मिलता है, जो काम पुरुष करते हैं? ट्रांस-जेंडर लोग यह तो महसूस नहीं करते कि बगल में बैठने वाले लोग उनसे हिचकते-कतराते हैं? यह देखने का भी अवसर है कि अलग दिखने या भिन्न कपड़े पहनने वालों को स्वीकारा जाता है या नहीं? जिस रूप में बाबा साहब ने अस्पृश्यता का अनुभव किया था, वह तो काफी हद तक दूर हो चुकी है, लेकिन सीवर में घुसकर सफाई करने जैसी कुव्यवस्था आज भी मौजूद है और इसे खत्म करना एक चुनौती बना हुई है। यह भी जानने-समझने का समय है कि हम कितने समावेशी बन सके हैं? रोटी-बेटी के रिश्ते बढ़ाने में हम कहां पहुंचे हैं? विविधता स्वीकारने और बराबरी का स्थान देने में हम कितने सफल हुए और इस दिशा में आगे कैसे बढ़ेंगे?

प्रेरणा के स्रोत बनरहे बाबा साहब के विचार। एएनआइ

वर्तमान समय कुछ रोचक परिवर्तनों का अनुसरण करने और उनका अध्ययन करने का है। कई देशों में 'एफरमेटिव एक्शन' यानी सकारात्मक पहल के जरिये विविधता और प्रतिनिधित्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कारण हमें अमेरिका के विभिन्न संस्थानों और यहां तक कि नासा के अंतरिक्ष यात्रियों के दल में महिलाएं या अश्वेत दिखते हैं, क्योंकि उन्हें प्रतिनिधित्व देने की विस्तृत नीति है। यह नीति अन्य पश्चिमी देशों में भी है। इन देशों में शिक्षण संस्थान और अन्य प्रतिष्ठानों में भी अन्य वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है। कुछ इसी राह पर चलते हुए कुछ भारतीय कंपनियों ने भी वंचित तबकों को प्रतिनिधित्व देने के लिए सकारात्मक नीतियां बनाई हैं। टाटा की अनेक कंपनियों ने नीति बना कर अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों से कच्चा माल खरीदने और शिक्षा के विशेष प्रबंध कर अवसर की समानता बनाने की कोशिश की है। अब बजाज, महिंद्रा जैसी कंपनियां भी इसी राह पर बढ़ रही हैं। देश के अनेक महंगे प्राइवेट स्कूल अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए जरूरतमंद बच्चों के लिए शिक्षा का प्रबंध कर रहे हैं। कई तो उन्हें ठीक वही शिक्षा और सुविधाएं दे रहे हैं, जो मोटी फीस देने वाले छात्रों को मिल रही हैं। ऐसे अनेक प्रयास शिक्षा अधिकार कानून के अंतर्गत हमारे देश में हो रहे हैं।

केंद्र सरकार के साथ उत्तर प्रदेश की सरकार भी सामाजिक न्याय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पिछले वर्षों में डिजिटल तकनीक, आधार कार्ड आदि का प्रयोग कर पेंशन, छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म किया गया है। अब इसे और आगे बढ़ाते हुए न सिर्फ भ्रष्टाचार की आशंकाओं को समाप्त किया जाएगा, बल्कि तकनीक का बेहतर प्रयोग कर लाभार्थियों को आसान और पारदर्शी व्यवस्था दी जाएगी। योगी सरकार द्वारा संचालित कक्षा छह से 12 तक के आश्रम पद्धति के आवासीय स्कूलों को सशक्त किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की कंपनियों से सहयोग और पार्टनरशिप विकसित की गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं में आंबेडकर जी की कल्पना के अनुसार अवसर की समानता देने के लिए योगी सरकार द्वारा अभ्युदय योजना शुरू की गई है। इसमें आनलाइन शिक्षा और क्लास-रूम शिक्षा का एक हाइब्रिड माडल बनाया गया है, जिसमें हर छात्र को अच्छी से अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि बाबा साहब के विचारों के अनुरूप अवसर की समानता सचमुच बनाई जा सके।

गणतंत्र की अब तक की यात्रा में बहुत कुछ बदला है और अभी काफी कुछ हमें मिलकर बदलना है। सरकारें विकास की योजनाएं बनाती रहेंगी, पर समाज में एक-दूसरे की मानवीय स्वीकार्यता विकसित करने की भी जरूरत है। इसमें साहित्य, सिनेमा, मीडिया, इंटरनेट की भी भूमिका है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में ऐसी व्यवस्था बनेगी, जिसमें समाज और सरकार की पार्टनरशिप होगी और बाबा साहब की परिकल्पना के अनुसार हम अवसर की समानता वाले एक समरस एवं विकसित भारत की ओर तेजी से बढ़ेंगे।

(लेखक पूर्व आइपीएस और उप्र सरकार में समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री हैं)

response@jagran.com

## ऊर्जा

# शक्ति की उपासना

शक्ति की उपासना भगवान भी करते हैं, देवता भी करते हैं और संत-महात्मा भी करते हैं। शक्ति की पूजा-अर्चना सभी मानव करते हैं, सभी विवेकवान करते हैं, सभी बुद्धिमान करते हैं और सभी चरित्रवान करते हैं। शक्ति की आराधना सैनिक करते हैं, सेनानायक करते हैं, व्यापारी करते हैं, श्रमिक करते हैं, छात्र करते हैं और राष्ट्रभक्त करते हैं। इस शक्ति की भक्ति प्रकृति का अभिनंदन है, नमन है और स्वागत है। शक्ति की स्तुति से मानव जीवन का कल्याण पथ प्रशस्त होता है। इस शक्ति का रहस्य बहुत गहरा है, जिसकी थाह नहीं है। शक्ति वस्तुतः मां स्वरूपा है। जिस प्रकार प्रकृति मां चराचर जगत की सृजक है, उसी तरह मातृशक्ति जीव की सर्जना है। इसलिए परमेश्वरी भी परमेश्वर की शक्ति है। मानव के अंदर शक्ति का प्रवाह होता है, वहीं शरीर के बाहर शक्ति का संचालन होता है। शक्ति के प्रवाह और संचालन का केंद्र हमारा आत्मा है, जो परमात्मा का अंश है।

अपने आत्मा को शक्ति जानिए, शरीर को नहीं। फिर भी आत्मा की पूजा कोई नहीं करता, जबकि सब शरीर की पूजा करते हैं। कहा गया है कि जो शक्ति को नहीं पूजता, वह मृतक के समान है। इसलिए जीवन में शक्ति को धारण करना मानव का परम कर्तव्य भी है। प्राणी मात्र शक्ति के स्रोत, ऊर्जा के उद्गम और चेतना के प्रवाह से स्थिर है। शक्ति की उपस्थिति से ही धरती पर जीवन का अस्तित्व है। शक्ति है तो हम हैं, यह जगत है, सूर्य है, चंद्रमा है और तारामंडल है। कृषि, जीविका, धन, संपत्ति, स्वास्थ्य और विद्या का हर अंश शक्ति का रूपांतरण ही है। संपूर्ण सकारात्मक कर्मभूमि में शक्ति का केंद्र रहता है, जो योग रूप में प्रगट होता है। माया भी शक्ति की ही छाया है और काया शक्ति की दाया मानिए। जब ज्ञान रूपेण माता समक्ष हों, तब कुछ भी रहस्यमय नहीं है। शक्ति के माता रूप को भजने से मानव को सिद्धि प्राप्त होगी, इसमें संदेह नहीं।

डा. राघवेंद्र शुक्ल

# डूब रहा है उल्कापिंडों का खजाना

मुकुल व्यास

**अंटार्कटिका पर लाखों वर्षों से उल्कापिंडों की बमबारी होती रही है। इनमें से अधिकांश अंतरिक्ष चट्टानें बर्फ में डूब चुकी हैं**

अंटार्कटिका में अंतरिक्ष से गिरने वाली शिलाओं का बहुमूल्य खजाना है। ये शिलाएं हमें उन परिस्थितियों के बारे में भी बताती हैं, जो सौरमंडल के शुरुआती विकास के समय मौजूद थीं। एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप हर साल 5,000 उल्कापिंड अंटार्कटिका की बर्फीली सतह के नीचे डूब सकते हैं, जिससे विज्ञानी सौरमंडल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित हो सकते हैं। हजारों प्राचीन उल्कापिंड इस समय अंटार्कटिका की बर्फीली सतह पर या उसके ठीक नीचे बिखरे हुए हैं। नए अध्ययन से पता चलता है कि इनमें से अधिकांश अंतरिक्ष शिलाएं अगले कुछ दशकों में हमेशा के लिए नष्ट हो सकती हैं, क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण वे बर्फ में और अधिक नीचे धंस जाएंगी। शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे पहले कि वे हमेशा के लिए गायब हो जाएं, हमें उन्हें ढूंढ़ने के लिए अपने प्रयासों को तेज करने की जरूरत है।

अंटार्कटिका पर लाखों वर्षों से उल्कापिंडों की बमबारी होती रही है। इनमें से अधिकांश अंतरिक्ष चट्टानें पहले ही बर्फ में गहराई तक डूब चुकी हैं, जिन्हें फिर कभी नहीं देखा जा सकेगा। अंटार्कटिका के नीले बर्फ क्षेत्र उल्कापिंडों की तलाश के लिए दुनिया में सबसे अच्छे स्थानों में गिने जाते हैं। अंटार्कटिका में अब तक लगभग 50,000 उल्कापिंड खोजे जा चुके हैं, जो दुनिया भर में अब तक एकत्र किए गए ज्ञात उल्कापिंडों का लगभग 60 प्रतिशत हैं। इनमें से अधिकांश अंतरिक्ष चट्टानों का व्यास एक इंच से भी कम है, लेकिन कुछ बड़ी हैं। शोधकर्ताओं ने अंटार्कटिका में पिछले साल जनवरी में एक उल्कापिंड की खोज की जिसका वजन 7.7 किलोग्राम था, जो महाद्वीप पर अब तक पाई गई सबसे भारी अंतरिक्ष चट्टानों में से एक है।

इन अंतरिक्ष चट्टानों का विश्लेषण करने से शोधकर्ताओं को सौरमंडल की उत्पत्ति और विकास के रहस्यों को उजागर करने में मदद मिल सकती है। अंटार्कटिका के उल्कापिंड विशेष रूप से उपयोगी हैं, क्योंकि वे बर्फ में अच्छी तरह से संरक्षित हैं। अन्य क्षेत्रों में गिरने वाले वाले अधिकांश उल्कापिंड जमीन से टकराने के बाद जल्दी ही खनिजों, रोगाणुओं या लोगों से दूषित हो जाते हैं। अनुमान है कि अंटार्कटिका में नीली बर्फ वाले क्षेत्रों की सतह पर या उसके आस-पास 8,50,000 तक उल्कापिंड हो सकते हैं। जैसे-जैसे आने वाले दशकों में तापमान और बढ़ेगा और ज्यादा उल्कापिंड डूबने लगेंगे। शोधकर्ताओं का मानना है कि किसी और अतिरिक्त गर्मी के बिना सदी के अंत तक लगभग एक चौथाई उल्कापिंड नष्ट हो सकते हैं, लेकिन अत्यधिक गर्माहट वाले परिदृश्यों में तीन-चौथाई उल्कापिंडों का नुकसान हो सकता है।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

## राजरंग

### अपनी-अपनी डफली

लोकसभा चुनाव के लिए आइएनडीआइए में शामिल कांग्रेस समेत अलग-अलग दलों की ओर से चुनावी घोषणा पत्र जारी किए जा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पुरानी पेंशन स्कीम पर यह कहकर चुप्पी साध ली है कि वर्तमान सरकार में एक कमेटी पहले से बनी है उसे देखने के बाद कोई निर्णय लेंगे, लेकिन राजद ने अपने घोषणा पत्र में पुरानी पेंशन स्कीम का वादा कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के साथ-साथ पूरे देश में स्कूलों एवं अस्पतालों को लेकर दिल्ली माडल लागू करने की बात की है, लेकिन कांग्रेस के घोषणा पत्र में पुडुचेरी को तो पूर्ण राज्य का दर्जा देने का जिक्र किया गया है, पर दिल्ली को छोड़ दिया गया है। कांग्रेस की ओर से एमएसपी की गारंटी की बात तो कही गई है, लेकिन घोषणा पत्र समिति के एक सदस्य ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अभी तय नहीं कि कितनी फसलों पर देंगे, वहीं राजद ने 10 फसलों पर एमएसपी की गारंटी का वादा कर दिया है। कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश के लिए तो विशेष पैकेज की बात कही है, लेकिन बिहार को छोड़ दिया है, जिसकी बात राजद की ओर से की जा रही है। चुनावों में पासा फेंकने तक तो ठीक है, लेकिन एक मंच पर आकर अगर इन दलों के नेता अलग-अलग वादे करने लगें तो फिर क्या होगा?

### एक साथ रहने का अधिकार

यूं तो पति और पत्नी की पोस्टिंग सामान्यतया एक ही जिले में करने के अनुरोध को मान लिया जाता है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाल में जो टिप्पणी की, उसके आधार पर कहा जा रहा है अब वह इसका अधिकार ही देने जा रहा है। पिछले दिनों शीर्ष अदालत में एक मामले की सुनवाई चल रही थी। पति-पत्नी दोनों सरकारी सेवा में हैं। पति कोर्ट से मांग कर रहा था कि उसका ट्रांसफर उसकी पत्नी के जिले में कर दिया जाए। उस पर न्यायाधीश महोदय ने कहा कि पति-पत्नी को अलग रखना संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। यानी जीवनसाथी के साथ रहना राइट टू लिव टुगेदर के तहत आता है।

### आधा कोटा

चुनावी राजनीति में तरह-तरह के समीकरण बनते रहते हैं। बिहार में लोकसभा की दो सीटें आजकल ऐसे ही समीकरण को लेकर चर्चा में हैं। राजनीति में जातीय हस्तक्षेप रखने वाले बिहार में टिकट बंटवारे में जातियों का कोटा अहम होता है। राज्य में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए छह सीटें आरक्षित हैं। इन सीटों पर सामान्य जाति के प्रत्याशी नहीं उतारे जा सकते हैं, किंतु जातीय कोटा यहां भी निकाल लिया गया है। राजद ने आरक्षित सीट जमुई से अर्चना रविदास को टिकट दिया है, जिनकी शादी यादव जाति के मुकेश यादव से हुई है। लालू प्रसाद यादव ने आठ यादवों को राजद का टिकट दिया है, लेकिन लोग अर्चना को भी आधा यादव मानकर राजद में यादव कोटे की गिनती साढ़े आठ कर रहे हैं। अर्चना के पति मुकेश राजद के नेता हैं। इसी तरह चिराग पासवान ने समस्तीपुर से शांभवी चौधरी को लोजपा (आर) का उम्मीदवार बनाया है। उन्हें भूमिहार कोटे में गिना जा रहा है, क्योंकि उनके पति शायन कुणाल की जाति भूमिहार है। बिहार में चर्चा हो रही है कि आरक्षित सीटों से भी यादव एवं भूमिहार के लिए आधा-आधा कोटा निकल आया है। लालू और चिराग की पार्टियों को इस कोटे के सहारे वोट की भी अपेक्षा है।

### अब वह हमारे मंत्री कहां

हाल में एक वरिष्ठ अधिकारी से बातचीत में किसी ने उन्हें यह बताया कि आपके मंत्री चुनाव में हार भी सकते हैं तो उन्होंने तपाक से कहा, अब वह हमारे मंत्री कहां हैं। उन्होंने छूटते ही यह भी कहा कि नई सरकार में उनके मंत्रालय का मंत्री कौन बनेगा, किसको पता। अन्य मंत्रालयों के अधिकारी भी कमोबेश अपने-अपने मंत्री के लिए यही राय रखते हैं। हालांकि ये अधिकारी मंत्री बदलने की बात जरूर कह रहे हैं, लेकिन सरकार बदलने की नहीं।

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, ... प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) - विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय: 011-43166300, नोएडा कार्यालय: 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHI/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹2 अतिरिक्त।

**100** किलोमीटर भीतर तक घुसकर पाकिस्तान में अनेक आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था भारतीय वायुसेना ने 26 फरवरी, 2019 को।



## आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

# नैतिक मानदंडों से ही बनेगी साख

**देश में 18वीं लोकसभा के गठन के लिए चुनाव की प्रक्रिया जोर-शोर से चल रही है। आज देश का लगभग हर वर्ग लोकतंत्र में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करता दिख रहा है। साहित्यकारों ने भी समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी भूमिका को समझते हुए अपनी आवाज से लोकतंत्र को बल दिया था। परंतु वर्तमान में साहित्य जगत में चुनाव संबंधी हलचल बहुत कम ही दिख रही है। जबकि होना तो यह चाहिए कि किसी भी विचारधारा विशेष को बढ़ावा दिए बिना साहित्य को राजनीति के आगे मशाल लेकर चलना चाहिए और जनहित की दिशा में राह प्रशस्त करना चाहिए**

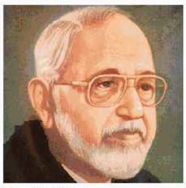

सच्चिदानंद अज्ञेय।

प्रेमचंद।

विद्यानिवास मिश्र। फाइल

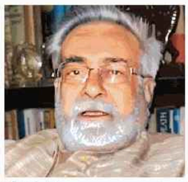

नरेंद्र कोहली। फाइल

उपन्यास सम्राट प्रेमचंद ने कभी कहा था कि साहित्य राजनीति के आगे चलनेवाली मशाल है। इस समय लोकसभा चुनाव की सरगर्मी है। पांच दिनों बाद लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान होगा, लेकिन राजनीति के आगे चलनेवाली मशाल कहीं दिखाई नहीं दे रही है। ऐसा क्या हुआ कि राजनीति के आगे चलनेवाला साहित्य गौण हो गया और राजनीति प्रमुख हो गई। क्या राजनीति ने साहित्य और साहित्यकारों को महत्व देना बंद कर दिया, या राजनीति के आगे साहित्य की मशाल थाम कर चलनेवाला कद्दावर साहित्यकार समकालीन साहित्य जगत में कोई बचा ही नहीं। स्वाधीनता के बाद कई ऐसे साहित्यकार हुए जो राजनीति में भी गए। कई साहित्यकार तो संसद और विधानसभाओं में भी पहुंचे। वो किसी मुद्दे पर जब बोलते या लिखते थे तो पूरा देश उन्हें सुनता था और उनके कहे का एक सम्मान होता था। दिनकर ने राज्यसभा में अपने भाषण में लाल बहादुर शास्त्री के एक वक्तव्य पर कटाक्ष किया था। लाल बहादुर शास्त्री ने कहा था, 'हम अंग्रेजी को अनिश्चित काल के लिए जीवन-दान दे रहे हैं, अनंत काल के लिए नहीं।' तब दिनकर ने शास्त्री को घेरते हुए कहा था, 'जिस प्रकार सरकार इस बारे में कार्य करती है, उससे मुझे भय होता है कि वह 'कल-कल' की बात अनंत काल तक बढ़ जाएगी।' 1962 में जब चीन ने भारत पर हमला किया था तब भी साहित्यकारों ने नेहरू जी को घेरा था। उनके निर्णयों की जमकर आलोचना की थी। इमरजेंसी के दौर में कई साहित्यकार जेल गए। इंदिरा गांधी का विरोध किया। कविताएं लिखीं, लेख लिखे। कई बार किसानों और गरीबों की समस्याओं पर लिखा।

लेखक-साहित्यकार स्वयं को अपनी ईमानदारी और नैतिकता से स्थापित करता है। इमरजेंसी के बाद से ही साहित्य और साहित्यकारों की ईमानदारी कठघरे में आ गई थी। इमरजेंसी के दौर में कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े कुछ लेखकों ने इंदिरा गांधी और इमरजेंसी का समर्थन किया था। उसके बाद लेखक संगठनों ने भी काफी गड़बड़ियां कीं जिससे जनता के बीच साहित्यकारों की छवि एक दल विशेष के कार्यकर्ता की बनती चली गई। विचारधारा विशेष की जकड़न में साहित्यकारों ने सच कहना बंद कर दिया। पार्टी और लेखक संघों से संबद्ध लेखक पार्टी और संघ की लाइन पर चलते दिखने लगे। उनके विचारों से वस्तुनिष्ठता कम होने लगी। लंबे अंतराल तक ऐसा चलने का परिणाम यह हुआ कि उनकी विश्वसनीयता छीजने लगी। वर्ष 2015 में जब कुछ साहित्यकारों ने मोदी सरकार के विरुद्ध असहिष्णुता का आरोप लगाकर पुरस्कार वापसी का प्रपंच रचा तो शोर-शराबा बहुत हुआ, पर उसका प्रभाव जनमानस पर कम पड़ा। बाद में यह बात भी स्पष्ट हो गई कि बिहार विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए कुछ लेखकों ने नेताओं के साथ मिलकर पुरस्कार वापसी का अभियान चलाया था। इस प्रसंग ने भी साहित्यकारों की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया। यह बात सार्वजनिक हो गई कि भारतीय जनता पार्टी और मोदी विरोध में पुरस्कार वापसी का अभियान चला था। कुछ लेखक और कलाकार राजनीति के टूल बन गए थे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले भी विचारधारा विशेष के इन्हीं लेखकों ने मोदी सरकार के विरुद्ध एक हस्ताक्षर अभियान चलाकर माहौल बनाने का प्रयास किया था। प्रभाव शून्य रहा था। यह अनायास नहीं है कि इस समय अधिकतर लेखक खामोश हैं या उनकी सर्जनात्मकता वह प्रभावोत्पादकता पैदा नहीं कर पा रही जो राजनीति के आगे मशाल बनकर चल सके।

इसका एक दूसरा पहलू भी है। जब प्रेमचंद ने कहा था कि साहित्य राजनीति के आगे चलनेवाली मशाल है, तब अपने उसी वक्तव्य में उन्होंने एक और बात कही थी। प्रेमचंद ने साहित्य को परिभाषित करते हुए कहा था कि साहित्य मन का संस्कार करता है। मन के संस्कार की बात तो दूर, तथाकथित प्रगतिशील विचारधारा के साहित्यकारों ने व्यवहार को संस्कारित करने का कार्य करना भी बंद कर दिया। भारतीय संस्कारों को आगे बढ़ाने और समाज के बीच उन संस्कारों को गाढ़ा करने के बजाय विदेशी संस्कृति के संस्कारों को भारतीय पाठकों पर थोपने का कार्य किया था। विदेशी संस्कृति के रंग को गाढ़ा करने के लिए उन्होंने भारत और भारतीयता से जुड़े साहित्य और साहित्यकारों को नीचा दिखाना आरंभ कर दिया। जब उनकी ही विचारधारा के लेखक रामविलास शर्मा ने ऋग्वेद पर लिखना आरंभ किया तो नामवर सिंह और उनकी मंडली ने उन्हें हिंदूवादी कहकर उपहास किया था। जब विद्यानिवास मिश्र जैसे लेखकों ने सनातन परंपराओं और पौराणिक ग्रंथों पर लिखना आरंभ किया तो नामवर सिंह ने उन्हें विद्याविनाश कहकर उन्हें अपमानित किया था। भला हो साहित्य अकादमी और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का, कि इन दोनों संस्थाओं ने कुबेरनाथ राय की रचनाओं का संचयन प्रकाशित किया। नरेन्द्र कोहली से लेकर कमल किशोर गोयनका तक ऐसे कितने ही लेखक हैं जिन्हें इस विचारधारा के पोषकों ने अपमानित किया।

इन सबका परिणाम यह हुआ कि कम्युनिस्ट पार्टी या विचारधारा से संबद्ध लेखकों की साख समाप्त होती चली गई। आज हालत यह है कि हिंदी में कोई सार्वजनिक बुद्धिजीवी बचा ही नहीं। अशोक वाजपेयी गाहे बगाहे पब्लिक इंटेलेक्टुअल की पोजिशनिंग करने का प्रयत्न करते हैं। लेकिन उनके पास इस पोजिशनिंग के लिए कुछ खास औजार नहीं बचे हैं। बार-बार असहिष्णुता और लोकतंत्र के सिकुड़न का राग अलापते हैं। कांग्रेस पार्टी से उनकी निकटता और उसके प्रदर्शन के कारण उनकी मनचाही छवि बन नहीं पाती। पहले अर्जुन सिंह से निकटता और अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में हिस्सा लेकर उन्होंने रही सही साख भी खो दी है।

लेखकों की खामोशी का एक दूसरा पक्ष भी है। वह पक्ष है कि पिछले 10 वर्षों में नरेन्द्र मोदी सरकार ने साहित्य और शिक्षा को समृद्ध करने के लिए प्रशंसनीय प्रयास किया। साहित्य अकादमी ने अपने आयोजनों में विचारधारा को आधार बनाए बिना लेखकों को जुटाकर आयोजन किए।

एक जमाना था जब साहित्य अकादमी में वामपंथियों का दबदबा था और दूसरे विचार के साहित्यकार अघोषित प्रतिबंध का सामना करते थे। पिछले 10 वर्षों में साहित्य अकादमी में सभी विचारों के लेखकों का प्रवेश संभव हुआ। ऐसे माहौल में वामपंथ से संबद्ध लेखकों को कहने के लिए कुछ बचा नहीं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र को भी अभिजात्य से मुक्ति मिली और वह भी एक समावेशी संस्था के रूप में स्थापित हुआ। दस वर्ष पहले वहां भी भारत और भारतीयता को लेकर जो उपेक्षा भाव था, वह खत्म हुआ, बिना किसी के प्रति नकारात्मक हुए। इसके अलावा, वर्ष 2020 में घोषित राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं को महत्व दिया गया। इसके कारण भारतीय भाषा भाषियों के बीच हिंदी को लेकर वैमनस्यता का भाव लगभग खत्म हो गया। साहित्य को राजनीति के आगे मशाल लेकर चलने की आवश्यकता आज भी है, लेकिन उसके लिए विचार का साथ चाहिए विचारधारा की नहीं।

## स्मरण

# विकसित राष्ट्र का संकल्प

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
चेयर प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, पंजाब

आज सारा देश डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती मना रहा है। वर्तमान की तुलना में संसाधनों के घोर अभाव के बीच डा. आंबेडकर ने देश के लिए जो कार्य किए, उन्हें गिनाना संभव नहीं। वैसे देश के लिए यह स्वाभिमान की बात है कि डा. आंबेडकर अब एसडीजी-2030 के इस प्रकार हिस्सा माने जा रहे हैं। वे एसडीजी लक्ष्य को आज हासिल करने के लिए भी वैचारिक धरातल पर महत्त्वपूर्ण हो चुके हैं।

भारत में छुआछुत के खिलाफ लड़ाई का जब जब उल्लेख होगा, आंबेडकर के अवदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सामाजिक न्याय के पैरोकार डा. आंबेडकर का सर्वजन हिताय जितना भी कार्य है, वह पूजनीय हो चुका है, किंतु इसे समाज का हिस्सा बनाना हम सबका दायित्व है। आज समस्या यही है कि दायित्व की परवाह हम नहीं कर रहे हैं। मोदी सरकार ने जिस प्रकार देश के हर हिस्से में आंबेडकर के सामाजिक न्याय को ले जाने की कोशिश की है, उसका आज यशोगान हो रहा है, परंतु देश के अनेक हिस्से ऐसे हैं, जहां वंचितों के हितों पर सक्रियता से कार्य करना आवश्यक है।

फिलहाल देश में यह चिह्नित किया जाना आवश्यक है कि जिस समुदाय के लिए आंबेडकर ने आवाज उठाई, वह यदि किसी समस्या से आज भी ग्रस्त है तो उसे कैसे मुख्यधारा में शामिल किया जा सकता है? आंबेडकर चाहते थे कि ये कार्य न केवल सामाजिक स्तर पर नहीं होने चाहिए, बल्कि व्यावहारिक बदलाव के लिए चेतना के स्तर पर भी इसका विस्तार होना चाहिए।

आजादी के अमृत काल में ऐसे पुनर्जागरण का प्रयास सरकार द्वारा किया भी जा रहा है। इसी क्रम में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंबेडकर चेयर द्वारा एक अभियान के तहत यह पता चला कि उन्हें जानते तो सभी हैं, लेकिन समाज के लिए उन्होंने वास्तव में क्या किया, इसका एहसास उन्हें नहीं है। भारत में अनुसूचित जाति के सभी लोग संविधान शब्द जानते हैं, लेकिन उसमें क्या है, उन्हें गरिमा प्रदान करने वाले कानून भी हैं, उन्हें न्याय देने के लिए संविधान समर्थ है, इसका भान नहीं है। इससे एक प्रश्न मन में आता है कि क्या अभी भी भारत चेतना के स्तर पर सशक्त नहीं हो सका है? संविधान में व्याप्त कानून व उसकी खूबसूरती भारत के दमित एवं वंचित लोगों तक ले जाने की कोशिश अभी शेष लगती है। आंबेडकर मित्र यदि आने वाले समय में अपने माध्यम से समाज को प्रशिक्षित कर सकेंगे तो निस्संदेह आंबेडकर के उस अवदान को हम समाज का हिस्सा बना सकेंगे, जो उनका सपना था और जिन्हें वे मुख्यधारा में शामिल होते देखना चाहते थे।

आज आंबेडकर के वैचारिक व दार्शनिक आधार इस प्रकार विकसित करने की आवश्यकता है कि यह जो ऊंच-नीच की खाई है, वह पट जाए। उनका आर्थिक सशक्तीकरण हो जाए। आंबेडकर जन्मोत्सव को हर वर्ष मनाता भारत का गांव, शहर आंबेडकर के लोगों की सुध जिस दिन लेगा, भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर चल पड़ेगा। विकसित राष्ट्र भारत को बनाने के लिए आंबेडकर जन का विकास आवश्यक है, यही सच लगता है। यदि ऐसा होता है तो दुनिया में जो डा. आंबेडकर को लेकर परिवर्तनकारी कार्य चल रहे हैं, उनकी अहमयित भी बढ़ेगी, इसे समझा जाना चाहिए।

## पोस्ट

मुसव्विर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन अहमद ताहा रामेश्वरम कैफे में विस्फोट के मुख्य आरोपित हैं। हमें यह स्वीकार करने की जरूरत है कि हमारे समुदाय में कट्टरपंथीकरण की समस्या है। समस्या को स्वीकार करना ही उसके समाधान का पहला कदम है।
उमर गाजी@OmerGhazi2

अमेरिका-कनाडा में भारतीय प्रधानमंत्री की हत्या की धमकी देना बोलने की आजादी है, लेकिन यह तब अपराध बन जाता है, जब ऐसी धमकी कोई उनके अपने नागरिकों को देता है।
सुशांत सरीन@sushantsareen

यह सच में अद्भुत भारत है। मैंने तत्काल सेवा के जरिये अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया। बीस घंटे बाद मुझे नया पासपोर्ट मिल गया। भारत सरकार को साधुवाद।
सुधींद्र कुलकर्णी@SudheenKulkarni

आम भारतीयों का एक विचित्र भाग्यवादी चरित्र यह है कि वे खराब स्थिति को भी अपनी नियति मान कर संतोष के साथ जीवन गुजारते हैं और उन्हें उसमें बदलाव की खास जरूरत महसूस नहीं होती। उन्हें किसी से शिकायत भी नहीं होती। इसीलिए बेरोजगारी, महंगाई उनके लिए मुद्दे नहीं हैं!
कमर वहीद नकवी@qwnaqvi

अगर कोई विचारधारा आपको कठिन परिश्रम करने या जवाबदेह बनने की सीख नहीं देती तो सच मानिए वह बेकार है।
राहुल राज@x_rahulraj

## जागरण जनमत

कल का परिणाम

**क्या टेस्ला के भारतीय बाजार में आने से इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) क्षेत्र में क्रांति आने की उम्मीद है?**

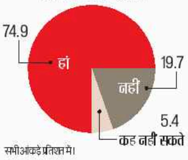


सभी आंकड़े प्रतिशत में।

**आज का सवाल**

क्या दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

## जनपथ

मौसम का भी देखिए बदल रहा है रंग,
इसने भी अपना लिया नेताओं सा ढंग।
नेताओं सा ढंग कभी ये गरजे-बरसे,
कहीं दिखाए बाढ़ कहीं जल को जन तरसे।
इसी चुनावी काल दिखाए यह अपना दम,
बदले रोज मिजाज आजकल कातिल मौसम।
- ओमप्रकाश तिवारी

## रचनाकर्म

# पाकिस्तान से संबंधों का भविष्य

ब्रजबिहारी

**पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त अजय बिसारिया ने पुस्तक में भारत-पाकिस्तान के संबंधों में अब तक आए उतार-चढ़ाव को देखने का प्रयास किया है और ऐसे सुझाव भी दिए हैं, जिनसे संबंध सामान्य बनाए जा सकते हैं**

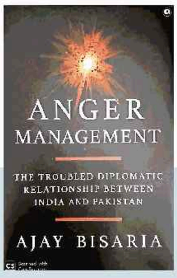


**पुस्तक** : एंगर मैनेजमेंट, दि ट्रबल्ड डिप्लोमेटिक रिलेशनशिप बिटवीन इंडिया एंड पाकिस्तान
**लेखक** : अजय बिसारिया
**प्रकाशक** : एलेफ बुक कंपनी
**मूल्य** : 999 रुपये

भारत और उससे अलग हुए पाकिस्तान के तनावपूर्ण और कड़वाहट भरे संबंधों में सुधार आने से न केवल इन दोनों देशों, बल्कि पूरे उपमहाद्वीप में शांति स्थापित हो सकती है। पाकिस्तान की जिद और नासमझी के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। इतिहास साक्षी है कि जब भी इस तरह के प्रयास हुए, पाकिस्तान की सेना और उसके इशारे पर नाचने वाली वहां की सरकारों ने उसमें अड़ंगा लगाने का काम किया। पाकिस्तान में भारत के उच्चायुक्त रहे अजय बिसारिया ने दोनों देशों के संबंधों में सात दशक के दौरान आए उतार-चढ़ाव को अपने और पूर्व राजनयिकों की दृष्टि से देखने का प्रयास किया है और इसका परिणाम उनकी 'एंगर मैनेजमेंट, दि ट्रबल्ड डिप्लोमेटिक रिलेशनशिप बिटवीन इंडिया एंड पाकिस्तान' नामक पुस्तक के रूप में है।

कहा जाता है कि भारत और पाकिस्तान के राजनयिक इतिहास को दोहराने के लिए अभिशप्त हैं, लेकिन इस पुस्तक के लेखक का मानना है कि पूर्व में हुई गलतियों से सबक लेकर भारत सरकार पाकिस्तान को लेकर जिस नीति पर चल रही है, वह पूर्व की कूटनीति से बिल्कुल अलग है। आज हर भारतीय को यह विश्वास हो रहा है कि अगर 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद बालाकोट जैसी कार्रवाई की गई होती तो पाकिस्तान को पुलवामा में सीआरपीएफ पर आतंकी हमला करने की हिम्मत नहीं हुई होती।

यह पुस्तक इस दृष्टि से अलग है कि इसके लेखक पाकिस्तान से निष्कासित किए जाने वाले पहले उच्चायुक्त हैं। पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के समाप्त होने के बाद पाकिस्तान ने उन्हें निकलने के लिए 72 घंटे का समय दिया था। इस अप्रत्याशित घटना के बाद ही उन्होंने तय किया कि भारत-पाकिस्तान संबंधों की गांठ को वहां काम कर चुके राजनयिकों के दृष्टिकोण से खोलने का प्रयास शायद कोई ऐसा सूत्र दे सके, जिससे कोई रास्ता निकल सके। लेखक ने इस पुस्तक में कई ऐसे अभिनव सुझाव दिए हैं, जिन्हें मानकर दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य बनाया जा सकता है।

अपने निष्कासन, उससे उपजी मनःस्थिति और परवर्ती चिंतन का ब्योरा देने के बाद लेखक ने दोनों देशों के बीच घटी ऐतिहासिक घटनाओं को प्रस्तुत किया है। यहां भी वे अपने पूर्ववर्ती राजनयिकों के मंतव्य को महत्व देते प्रतीत होते हैं। किसी बाहरी व्यक्ति के लिए राजनयिकों की दुनिया काफी रूमानी हो सकती है, लेकिन कई बार ऐसी परिस्थितियां पैदा होती हैं कि उनकी जान पर बन आती है। विशेषतः पाकिस्तान जैसे देश में काम करने का अनुभव तो कड़वा ही रहा है। हमारे राजनयिकों को वहां तानाशाहों, सेना के जनरलों और आइएसआइ के एजेंटों के अलावा गुंडों से भी निपटना पड़ा है।

ऐसे कटु अनुभवों के बाद भी क्या हम उम्मीद कर सकते हैं कि भारत और पाकिस्तान उसी तरह से शांति से रह सकते हैं, जैसे जर्मनी और फ्रांस या फिर उनके संबंध आगे वैसे ही रहेंगे, जैसे दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच हैं। लेखक का मानना है कि दोनों देशों के रिश्तों में अच्छे दिनों की उम्मीद इसलिए जागती है, क्योंकि राजनयिकों के स्तर पर कभी भी संबंधों में खटास नहीं पैदा होती है। इसका कारण यह है कि राजनयिक पेशेवर अंदाज में काम करते हैं और खराब स्थिति में भी परदे के पीछे से संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करते रहते हैं। दोनों देशों में उपजे तनाव और गुस्से पर ठंडा पानी डालते रहे हैं।

तथ्यों और आंकड़ों के बीच जीवंत कथोपकथन से पुस्तक काफी रोचक बन पड़ी है। प्रकाशक को इसका हिंदी सहित अन्य भाषाओं में अनुवाद के बारे में विचार करना चाहिए, ताकि इसकी पहुंच और उपयोगिता बढ़ सके।

# महिला सशक्तीकरण

मुकेश चौरसिया

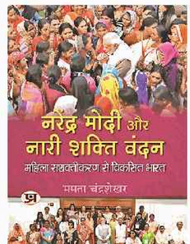


**पुस्तक** : नरेन्द्र मोदी और नारी शक्ति वंदन
**लेखिका** : ममता चंद्रशेखर
**प्रकाशक** : प्रभात प्रकाशन
**मूल्य** : 300 रुपये

भारत के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य के विशाल परिवेश में नेतृत्व का प्रभाव गहरा और दूरगामी होता है। यह न केवल राष्ट्र को संचालित करने वाली नीतियों को, बल्कि उसके नागरिकों के लिए उपलब्ध आकांक्षाओं और अवसरों को भी आकार देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल देश के समकालीन इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो शासन के विभिन्न पहलुओं में परिवर्तनकारी है। इनमें से महिला सशक्तीकरण की कहानी एक केंद्रीय और सम्मोहक विषय के रूप में उभरती है, जो समावेशिता, समानता और प्रगति के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ममता चंद्रशेखर की पुस्तक 'नरेन्द्र मोदी और नारी शक्ति वंदन' नए भारत में महिलाओं की उपलब्धियों, चुनौतियों और उभरती कहानियों को परखते हुए महिला सशक्तीकरण के आयामों पर प्रकाश डालती प्रतीत होती है।

यह पुस्तक भारत में महिलाओं पर मोदी सरकार के प्रभाव का व्यापक और सूक्ष्म परीक्षण करती प्रतीत होती है। प्रत्येक अध्याय महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार के विशिष्ट पहलुओं के प्रति समर्पित है, जो देश भर में नीतियों, केस स्टडीज और महिलाओं के जीवन अनुभवों की विस्तृत जांच प्रस्तुत करता है। इसके अध्याय एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं और भारतीय संदर्भ में सफलता, चुनौतियों और महिला सशक्तीकरण के चल रहे प्रयासों व विकास की कहानियों को एक साथ जोड़ते हैं। यह पुस्तक केवल नीतियों का दस्तावेजीकरण नहीं है, यह एक जीवंत कथा है, जो किसी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य की आकांक्षाओं को प्रस्तुत करती है। महिलाओं पर मोदी के प्रभाव को समझने की प्रासंगिकता राजनीतिक संबद्धताओं से परे है। पुस्तक में महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए कदमों का विस्तार से उल्लेख है।

यतीन्द्र मिश्र

# राष्ट्रवाद के विविध विचारों के स्रोत

**लाला लाजपत राय का 'हिंदू राष्ट्रवाद' हिंदू और मुस्लिम एकीकरण के फलस्वरूप कैसे एक व्यापक भारतीय राष्ट्र की कल्पना करता है, इसकी चर्चा इस पुस्तक में विस्तार से की गई है...**

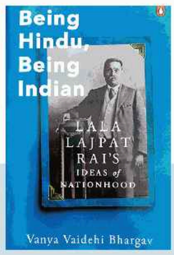


**पुस्तक** : बीइंग हिंदू, बीइंग इंडियन
**लेखिका** : वान्या वैदेही भार्गव
**प्रकाशक** : पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्रा. लि., गुरुग्राम
**मूल्य** : 1,299 रुपये

भारतभूमि में अनेक ऐसे वीर जन्मे हैं, जिन्होंने अपने जीवन की तनिक भी परवाह न करके ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लड़ते हुए प्राणों की आहुति दे दी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और स्वतंत्रता सेनानी 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय भारत मां के ऐसे ही वीर सपूत थे। लाला लाजपत राय औपनिवेशिक शासन के प्रबल विरोधी के रूप में सदा के लिए अमर हैं। वान्या वैदेही भार्गव की 'बीइंग हिंदू, बीइंग इंडियन' लाला लाजपत राय के राष्ट्रवादी विचार एवं उनकी वैचारिक जटिलताओं व बारीकियों को बेहद सटीकता से उजागर करती है। लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल उग्रवादी नेताओं की तिकड़ी 'लाल, बाल, पाल' का हिस्सा थे, जिन्होंने गोपाल कृष्ण गोखले जैसे उदारवादियों के विपरीत भारतीय स्वतंत्रता के लिए उग्र और कट्टर तरीकों के इस्तेमाल की वकालत की थी, लेकिन लाला लाजपत राय को 'हिंदुत्व के वैचारिक पूर्वज' के एक अन्य रूप में भी जाना जाता है। पुस्तक का उद्देश्य लाजपत राय के जीवन के विभिन्न कालखंड का अनुसरण करते हुए उन्हीं के माध्यम से हिंदू व राष्ट्रीय पहचान को परिभाषित करने के उनके संघर्ष और इससे जुड़े प्रश्नों के जवाब देने का प्रयास है। 'हिंदू होने का क्या अर्थ है?', 'क्या राष्ट्रवादी होना हिंदू होने के समान है', 'हिंदू पहचान को भारतीय राष्ट्रीय पहचान से जोड़ने का अच्छा तरीका क्या है? जो हिंदुओं व अन्य सभी के लिए उचित हो' एवं अन्य कई ऐसे ही प्रश्न हैं। ऐसा करते हुए लाजपत राय राष्ट्रवादी विचारों की अलग से श्रृंखला बुनते हैं।

पुस्तक लीक से हटकर विषयगत दृष्टिकोण की जगह कालानुक्रमिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए चार भागों में विभक्त है। जिनके भीतर लाला लाजपत राय के सक्रिय जीवन को समर्पित अध्यायों की कड़ियां मौजूद हैं। प्रथम भाग, लाला लाजपत राय के राजनीतिक जीवन के शुरुआती दो दशकों 1880 से 1890 के उनके राष्ट्रवादी आख्यानों पर प्रकाश डालता है। यहां औपनिवेशिक पंजाब में उनके वयस्क होने से लेकर आर्य समाज की ओर उनका नजरिया, 1880 के अंत में सर सैयद अहमद खान द्वारा कांग्रेस की अस्वीकृति और वैकल्पिक प्रतिनिधित्व की मांग पर लाला लाजपत राय की प्रतिक्रिया और राष्ट्रवाद की उनकी अलग अवधारणा की पड़ताल शामिल है। द्वितीय भाग वर्ष 1900 और 1915 के बीच के उनके तेजस्वी भाषणों पर केंद्रित है। स्वदेशी आंदोलन के बाद की लाला लाजपत राय द्वारा हिंदू धर्म और राष्ट्रवाद की अवधारणा, भारतीय राष्ट्र हेतु सत्ता हासिल करने और इससे उत्पन्न टकरावपूर्ण स्थिति को समझाने के लिए श्रीमद्भगवद्गीता की ओर रुख, वर्ष 1908 से 1909 में मुस्लिम लीग के अलग निर्वाचन क्षेत्रों की मांग पर लाला लाजपत राय के विचार जैसे कई अन्य पक्ष यहां अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। तृतीय भाग वर्ष 1915 से 1922 के मध्य राष्ट्र पर लाला लाजपत राय के आख्यानों का अनुसरण करता है। वर्ष 1920 से 1921 में खिलाफत आंदोलन के दौरान राष्ट्रवाद पर उनके विचार, हिंदुओं से भारतीय मुसलमानों के खिलाफत आंदोलन का समर्थन करने का आह्वान, हिंदू-मुस्लिम एकता को बल देने का प्रयत्न, जो भारतीय राष्ट्र की पहचान और स्वायत्तता के लिए महत्वपूर्ण थी। अंतिम चतुर्थ भाग खिलाफत के बाद के काल पर केंद्रित है, जिसमें हिंदू और मुस्लिम नेताओं के बीच तेजी से बढ़ता अविश्वास और इसकी वजह से हिंसक दंगों का भड़कना शामिल है। लाला लाजपत राय द्वारा पहली बार एकजुट भारतीय राष्ट्र को सुरक्षित करने के लिए धर्मों के सुधार की मांग जैसे संवेदनशील पहलुओं को बड़ी कुशलता से यहां शामिल किया गया है।

पुस्तक विस्तार से चर्चा करती है- किस प्रकार लाला लाजपत राय का 'हिंदू राष्ट्रवाद' हिंदू और मुस्लिम एकीकरण के फलस्वरूप एक व्यापक भारतीय राष्ट्र की कल्पना करता है। इसे पुष्ट करने हेतु लेखिका कांग्रेस-मुस्लिम लीग सहयोग को लाला लाजपत राय की स्वीकृति, हिंदू-मुस्लिम एकता के उनके प्रयासों और दोनों समुदायों के मध्य सहयोग को उजागर करने के लिए भारतीय मध्यकालीन इतिहास का पुनरावलोकन प्रस्तुत करती है। ब्रिटिश इतिहासकार क्वेंटिन स्किनर के अनुसार- 'इतिहास लिखने का मतलब केवल किसी व्यक्ति के विचारों का विश्लेषण करना नहीं है, बल्कि उन्हें उनके राजनीतिक और बौद्धिक संदर्भ में रखते हुए यह समझना है कि वे उन संदर्भों में क्या कर रहे हैं?' लेखिका स्किनर के इस दृष्टिकोण को गंभीरता से लेते हुए इन संदर्भों की संपूर्ण तस्वीर सामने लाने का प्रयास करती हैं, जिनमें लाला लाजपत राय के विचार सक्रिय रूप से उभर सकें। पुस्तक का इतिहासकारों व पाठकों के बीच बढ़ती खाई को पाटने का प्रयास सराहनीय है।

लाला लाजपत राय के जीवन और उनके संबंधित व्यक्तित्वों के चित्रों का समावेश, उनसे संबंधित प्राथमिक स्रोतों से आगे बढ़कर लाला लाजपत राय के विचारों को स्पष्टता से समझने के लिए उनके राजनीतिक और वैचारिक तर्कों, भाषणों और लेखों का प्रयोग पुस्तक को रोचकता प्रदान करते हुए अतिविशिष्ट बनाता है। सांप्रदायिकता और धर्मनिरपेक्षता, राजनीतिक अनियमितता और वर्तमान राजनीति से संबंधित प्रश्नों को समझने हेतु गहराई से चिंतन के लिए प्रेरित करती यह पुस्तक लाजपत राय के विचारों को आधार बनाकर इतिहास, राजनीति, धार्मिकता और राष्ट्रीयता पर एक विस्तृत दस्तावेज है।

********

### 21 स्टार्टअप्स ने 10 करोड़ डालर की राशि जुटाई

नई दिल्ली: भारतीय स्टार्टअप्स की ओर से सामान्य गति से फंड जुटाना जारी है। एनट्रैकर की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह 21 स्टार्टअप्स ने 10.5 करोड़ डालर की राशि जुटाई है। इसमें 12 स्टार्टअप शुरुआती स्तर के भी शामिल हैं। इससे पिछले सप्ताह में 30 स्टार्टअप्स ने करीब 172.71 करोड़ डालर की राशि जुटाई थी। इस सप्ताह आटोमेशन प्लेटफार्म स्प्रिंटो ने सबसे ज्यादा दो करोड़ डालर की राशि जुटाई है। (आइएएनएस)

600 करोड़ की लागत से बना एलपीजी आयात और भंडारण टर्मिनल शुरू हो गया है। इससे निजी और सरकारी क्षेत्र की कंपनियों को फायदा होगा।
— सुशील रैना, सीईओ, पेट्रेगज इंडिया

# बीते 10 वर्षों में म्यूचुअल फंड निवेशकों को हर वर्ष मिला 14 % रिटर्न

**नई दिल्ली, एएनआइ:** 2014 में केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद इक्विटी बाजारों ने हर वर्ष औसतन करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि रही है। म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी इन 10 वर्षों के दौरान हर वर्ष औसतन 14 प्रतिशत रिटर्न मिला है। इन 10 वर्षों के दौरान म्यूचुअल फंड उद्योग के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में छह गुना से ज्यादा की वृद्धि रही है। इस उद्योग का एयूएम 31 मार्च 2014 के 8.25 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च 2024 को 53.40 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

4.21 करोड़ निवेशक आधार के साथ म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम ने हाल में 55 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। बीते 10 वर्षों में कुल खातों की संख्या भी 3.8 करोड़ से बढ़कर इस वर्ष 31 मार्च तक 17.79 करोड़ हो गई है। बीते 10 वर्षों के दौरान पांच लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड योजनाओं ने निवेशकों को हर वर्ष औसतन 14.7 से 18.17 प्रतिशत रिटर्न दिया है। शीर्ष पांच मिड-कैप फंड्स ने औसतन 20.2 से 21 प्रतिशत रिटर्न दिया है। शीर्ष पांच लार्ज एंड मिडकैप फंड्स ने हर वर्ष औसतन 16.8 से 22.34 प्रतिशत रिटर्न दिया है। शीर्ष पांच स्माल-कैप फंड्स ने भी इस अवधि के दौरान 18.74 प्रतिशत से 28 प्रतिशत तक रिटर्न दिया है।

**ईएलएसएस में 24 प्रतिशत तक रिटर्न :** 2014 से 2024 के दौरान टैक्स बचत योजना इक्विटी-लिंक्ड बचत योजना (ईएलएसएस) ने भी अच्छा रिटर्न दिया है। बीते 10 वर्षों में शीर्ष पांच ईएलएसएस योजनाओं ने 16.9 से 24.7 प्रतिशत तक औसत वार्षिक रिटर्न दिया है। साथ ही इन योजनाओं से निवेशकों को आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की कर छूट का भी लाभ मिला है। 2014 से अब तक सोने ने कुल 97 प्रतिशत रिटर्न दिया है और इसका वार्षिक औसत रिटर्न 7.2 प्रतिशत रहा है। निफ्टी का कुल रिटर्न 262 प्रतिशत जबकि हर वर्ष का औसत रिटर्न 13.4 प्रतिशत रहा है। सेंसेक्स ने बीते 10 वर्षों में 255 प्रतिशत रिटर्न दिया है और हर वर्ष का औसत रिटर्न 12.6 प्रतिशत रहा है।

**55** लाख करोड़ के पार पहुंचा म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम बीते 10 वर्षों में

**17.79** करोड़ हुई खातों की संख्या 2014 से 2024 के दौरान

#### नए निवेशकों में बिहार, उत्तर प्रदेश सबसे आगे

एनएसई पर पंजीकृत होने वाले नए निवेशकों में बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सबसे आगे हैं। ताजा डाटा से पता चलता है कि नए निवेशक जोड़ने में इन राज्यों ने गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। पारंपरिक तौर पर एनएसई में गुजरात और महाराष्ट्र का दबदबा रहता है, लेकिन ताजा आंकड़ों से पता चलता है इसमें बड़ा बदलाव आया है। डाटा के अनुसार, पिछले वर्ष अक्टूबर से अब तक एनएसई से जुड़ने वाले नए निवेशकों में बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और अन्य उत्तरी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत से ज्यादा रही है। इस दौरान इन राज्यों से जुड़े वाले नए निवेशकों की संख्या 3.1 करोड़ रही है। महाराष्ट्र, गुजरात और अन्य पश्चिमी राज्यों से 2.8 करोड़ नए निवेशक जुड़े हैं।

## दाल भंडारण की निगरानी के लिए पोर्टल की शुरुआत 15 को

**नई दिल्ली, एएनआइ:** केंद्र सरकार देश में दालों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए कई कदम उठा रही है। इसी दिशा में देश में दाल भंडारण की आनलाइन निगरानी के लिए 14 अप्रैल को एक पोर्टल की शुरुआत करेगी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, सभी आयातकों और कारोबारियों को दालों के भंडार की जानकारी प्रत्येक सप्ताह घोषित करने को कहा है। सभी कारोबारियों को दालों के वायदा कारोबार को लेकर भी चेतावनी दी है और ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर कार्रवाई की बात कही है।

सरकार ने म्यांमार से दाल आयात के लिए भुगतान प्रणाली को आसान बनाया है। आयातकों से कहा गया है कि वे दाल आयात के लिए स्पेशल रुपये वोस्ट्रो अकाउंट का इस्तेमाल करके भुगतान कर सकते हैं।

## अपनी लेन में रहना फायदेमंद

**बोनस**

धीरेंद्र कुमार, संपादक, धनक डाट काम

आप ट्रैफिक जाम में रेंग रहे हैं। आप एक सिंगल कार की लेन में हैं और दाईं व बाईं तरफ कारों की दो और लेन हैं। किसी कारण, आपकी लेन दूसरों के मुकाबले बेहद धीरे चल रही है। आप दूसरी लेन में जाने का फैसला करते हैं। किसी तरह आप ऐसा करने में कामयाब हो जाते हैं। जैसे ही आप ये कमाल करते हैं, आपकी नई लेन किसी जादू से धीमी हो जाती है, सबसे धीमी। ये हम सभी के साथ हर समय होता है, सिर्फ ड्राइविंग करते हुए ही नहीं बल्कि निवेश करते हुए भी। मेरे खयाल से आप मेरी बात समझ गए होंगे।

**हम सभी** ने स्टाक मार्केट को रोलर कोस्टर की तरह ऊपर-नीचे जाते हुए देखने और सोचने में वक्त बिताया है कि हम अभी चुपचाप बैठें या अगले मोड़ पर छलांग मार कर बाहर हो जाएं। अपने निवेशों को लेकर कुछ चिंता स्वाभाविक होती है। खासतौर पर जब लगे कि मार्केट का अपना अलग दिमाग है। पर यहां एक बात है - जब बात निवेश की हो तो धीमे और लगातार चलने वाला सच में रेस जीत जाता है। ऐतिहासिक डाटा दिखाता है कि मार्केट के दैनिक उतार-चढ़ावों का अंदाजा लगाना वैसा ही है जैसे कोई सिक्का उछालना। मगर लाभ कमाने का चांस उतना ही बेहतर होता जाता है जितना ज्यादा आप निवेश में बने रहते हैं। असल में, अगर आप अपने निवेश को पांच साल के लिए होल्ड करते हैं तो सकारात्मक रिटर्न पाने का चांस बढ़कर 90% हो जाता है। और अगर आप एक दशक तक बने रहते हैं तो ये नंबर 99 प्रतिशत के शिखर पर पहुंच जाता है।

आपके लिए इसका क्या मतलब है? दरअसल, इसका मतलब है कि मार्केट की हर रोज की मारा-मारी में फंसने के बजाय, आपको अपने लांग-टर्म पर फोकस करना चाहिए। हां, लंबे समय का ये खेल कई बार डरा सकता है, मगर ये तो इस सफर का हिस्सा है। असली ईनाम उन्हीं लोगों को मिलता है जो अपनी नजर क्षितिज पर रखते हैं और अपने रास्ते पर बने रहते हैं। हां, ये जरूर है कि जब मार्केट में उथल-पुथल हो तो हमेशा शांत रहना आसान नहीं होता। खासतौर पर तब, जब आप अच्छे-खासे लाभ पर बैठे हों। मगर यहीं पर अच्छी तरह से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो और मजबूत निवेश रणनीति काम आती है।

इस बीमारी का इलाज भी आसान है और हमारे पाठक इसे अच्छी तरह समझते हैं। ये सिर्फ डाइवर्सिफाई करने, एसेट रीबैलेंस करने, लागत एवरेज होने जैसी बुनियादी, पुरानी और भरोसेमंद बातें हैं। अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लास और सेक्टर में फैलाकर, आप अपने रिस्क को कम करने और निवेश का ऊबड़-खाबड़ हिस्सा आसान कर सकते हैं। एसआइपी की ताकत आपको कभी नहीं भूलनी चाहिए। इसके जरिये, नियमित अंतराल पर एक तय रकम निवेश करके, आप कीमतें कम होने पर ज्यादा यूनिट खरीदेंगे और कीमतें ज्यादा होने पर कम यूनिट्स खरीदेंगे। ये समय के साथ बाजार की अस्थिरता के असर को बैलेंस करने में आपकी मदद कर सकता है।

कहने की जरूरत नहीं कि हर एक निवेशक अलग है, और आपकी निवेश रणनीति में आपके लक्ष्य और जोखिम लेने की क्षमता की झलक होनी ही चाहिए। हालांकि, बुनियादी बातें सभी के लिए एक जैसी होती हैं। अगर आपको अगले पांच साल के भीतर अपने पैसों की जरूरत पड़ने वाली है, तो अपने पोर्टफोलियो का एक हिस्सा डेट इन्वेस्टमेंट में रखना अच्छा हो सकता है, जो इक्विटी की तुलना में कम उतार-चढ़ाव वाले होते हैं। लेकिन अगर आपके पास लंबा समय है, तो अपने पैसे को बाजार की लहरों की सवारी कराने से न डरें। इतिहास कहता है कि आपको धैर्य का ईनाम मिलेगा।

### एक नजर में

#### रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 55 प्रतिशत घटा

**नई दिल्ली:** इस वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश में 55 प्रतिशत की गिरावट रही है। वैश्विक प्रापर्टी कंसल्टेंट वेस्टियन के डाटा के अनुसार, इस अवधि के दौरान भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में 55.2 करोड़ डालर का संस्थागत निवेश हुआ है। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों का निवेश घटकर 1.1 करोड़ डालर रहा है। जनवरी-मार्च 2023 के दौरान रियल एस्टेट में 1.23 अरब डालर का संस्थागत निवेश हुआ था। इस दौरान विदेशी निवेशकों का संस्थागत निवेश 79.14 करोड़ डालर रहा था। (प्रेट्र)

#### क्रिस्टलीना जार्जिवा फिर बनीं आइएमएफ की प्रबंध निदेशक

**वाशिंगटन:** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने क्रिस्टलीना जार्जिवा को एक बार फिर अपना प्रबंध निदेशक (एमडी) चुना है। उनका यह दूसरा कार्यकाल पांच वर्ष के लिए रहेगा, जो अक्टूबर 2024 को शुरू होगा। बोर्ड ने एक बयान में कहा कि जार्जिवा को एमडी चुनने का फैसला सभी सदस्यों की सहमति से हुआ है। (आइएएनएस)

# निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए सरकार तैयार

## गैस आधारित सभी प्लांट को बिजली उत्पादन का दिया निर्देश, अप्रैल-जून में अधिक गर्मी पड़ने का अनुमान

- एक मई से 30 जून तक प्रभावी रहेगा बिजली मंत्रालय का निर्देश
- बिजली की बढ़ती मांग की आपूर्ति सुनिश्चित करने में जुटा मंत्रालय

**22** पावर प्लांट हैं देश में गैस से चलने वाले

**24** गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता है इन प्लांट की

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली:** गर्मी में बिजली की अधिकतम मांग की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अब सभी गैस आधारित पावर प्लांट को भी बिजली उत्पादन करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश एक मई से 30 जून तक प्रभावी रहेगा। गैस आधारित पावर प्लांट से पहले बिजली मंत्रालय सभी आयातित कोयला आधारित पावर प्लांट को इस गर्मी के लिए बिजली उत्पादन का निर्देश दे चुका है। अभी देश में गैस आधारित 22 पावर प्लांट हैं, जिनका किसी न किसी राज्य की डिस्काम (बिजली वितरण कंपनी) के साथ बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है। बताया जाता है कि इस समय कई गैस आधारित पावर प्लांट लगभग बंद पड़े हैं।

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि इस वर्ष अप्रैल से जून के दौरान सामान्य से अधिक गर्मी पड़ेगी। ऐसे में बिजली की पीक (अधिकतम) मांग में बढ़ोतरी की संभावना है। इसको देखते हुएही बिजली मंत्रालय की तरफ से यह तैयारी की जा रही है। मंत्रालय के मुताबिक, इस साल अप्रैल-जून में बिजली की पीक मांग 2.6 लाख मेगावाट तक जा सकती है, जबकि पिछले साल बिजली की पीक मांग 2.43 लाख मेगावाट तक गई थी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल जब 2.43 लाख मेगावाट की पीक मांग थी तब पीक आपूर्ति 2.39 लाख मेगावाट की थी। पीक मांग व पीक आपूर्ति में इस अंतर की वजह से देश के कई हिस्सों में बिजली कटौती बढ़ जाती है।

सीईए की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल पीक मांग व पीक आपूर्ति में सबसे अधिक अंतर महाराष्ट्र, बिहार में देखा गया था। लेकिन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा जैसे राज्यों में भी पीक मांग के मुकाबले पीक उपलब्धता में कमी देखी गई जिससे इन राज्यों में लोगों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा था। इसे देखते हुए ही बिजली मंत्रालय ने कोयला आधारित पावर प्लांट व गैस आधारित पावर प्लांट को बिजली उत्पादन का निर्देश दिया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान बिजली की खपत में आठ प्रतिशत की वृद्धि रही है। गैस आधारित पावर प्लांट की उत्पादन क्षमता 24 गीगावाट है।

#### लगातार सक्रिय हैं बिजली मंत्री

देश में बिजली की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह लगातार सक्रिय हैं। वे बिजली उत्पादन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ कई बैठकें कर चुके हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री ने गर्मी के दौरान बढ़ने वाली मांग के अनुरूप पर्याप्त बिजली उपलब्धता बनाए रखने पर जोर दिया।

#### पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं कर रहे गैस संयंत्र

वाणिज्यिक रूप से व्यावहारिक नहीं होने की वजह से गैस आधारित पावर प्लांट अपनी उत्पादन क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। मंत्रालय के निर्देशों के मुताबिक, ग्रिड इंडिया गैस आधारित पावर प्लांट को बिजली की पीक मांग की जानकारी पहले दे देगी ताकि पावर प्लांट गैस का इंतजाम कर सकें। बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) के साथ पीपीए के तहत प्लांट बिजली की आपूर्ति करेंगे या फिर पावर एक्सचेंज में बिजली की बिक्री होगी। अभी रात के दौरान 85 प्रतिशत बिजली की मांग की पूर्ति थर्मल आधारित पावर प्लांट से की जाती है। आर्थिक गतिविधियों में लगातार तेजी से भी हर माह बिजली की खपत बढ़ रही है।

#### बिजली आपूर्ति बढ़ाने के लिए अन्य उपाय

- मानसून के दौरान बिजली उत्पादन संयंत्रों का रखरखाव योजनागत तरीके से किया जाए
- बिजली उत्पादन की नई क्षमता में तेजी से वृद्धि की जाए
- ताप विद्युत संयंत्रों की आंशिक कटौती में कमी लाई जाए
- आयातित कोयला आधारित बिजली संयंत्रों का संचालन 15 अक्टूबर तक के लिए बढ़ाया गया

## राष्ट्रीय फलक

## 23 वर्षों में भारत में नष्ट हुए 20.33 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र

**मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए वनों की कटाई, आग, बीमारी या तूफान से होने वाली क्षति की वजह से भारत में वर्ष 2000 के बाद से 20.33 लाख हेक्टेयर वनों से आच्छादित क्षेत्र नष्ट हुए हैं। ग्लोबल फारेस्ट वाच (जीएफडब्ल्यू) ने एक रिपोर्ट जारी कर यह जानकारी दी है। सेटेलाइट डाटा और अन्य स्रोतों का उपयोग कर जीएफडब्ल्यू ने यह चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं।**

#### 2017 में हुई सबसे ज्यादा हानि

**1,89,000** हेक्टेयर वनों से आच्छादित क्षेत्र का नुकसान हुआ 2017 में सबसे अधिक

**1,75,000** हेक्टेयर का नुकसान हुआ 2016 में

**1,44,000** हेक्टेयर वनों से आच्छादित क्षेत्र का नुकसान हुआ 2023 में

**95%** नुकसान प्राकृतिक वनों के वनों से आच्छादित क्षेत्र का

**6,68,000** हेक्टेयर प्रति वर्ष थी 2015-2020 के बीच कटाई की दर

#### कार्बन अवशोषित करते हैं वन

वन कार्बन अवशोषित भी करते हैं और इसके स्रोत भी हैं। खड़े पेड़ हवा से कार्बन डाइआक्साइड को हटाते हैं और वनों का सफाया होने या नष्ट होने पर कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जित करते हैं। इस प्रकार, वनों के नष्ट होने से जलवायु परिवर्तन में तेजी आती है। रिपोर्ट के अनुसार वृक्षों के नुकसान के परिणामस्वरूप 2001 और 2022 के बीच, भारत के जंगलों ने प्रतिवर्ष औसतन 5.1 करोड़ टन कार्बन डाइआक्साइड वायुमंडल में छोड़ा। वहीं, इस पूरी अवधि के दौरान कुल मिलाकर 1.12 गीगाटन कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जित हुआ।

#### उत्तर पूर्वी राज्यों में ज्यादा हानि

जीएफडब्ल्यू डेटा से पता चला है कि 2001 और 2023 के बीच वनों से आच्छादित क्षेत्र की कुल हानि का 60 प्रतिशत नुकसान पांच राज्यों में हुआ। असम में 3,24,000 हेक्टेयर में सबसे अधिक वृक्षों का नुकसान हुआ। मिजोरम में 3,12,000 हेक्टेयर, अरुणाचल प्रदेश में 2,62,000 हेक्टेयर, नागालैंड में 2,59,000 हेक्टेयर और मणिपुर में 2,40,000 हेक्टेयर वनों से आच्छादित क्षेत्र नष्ट हुए।

#### आग ने पहुंचाया नुकसान

आंकड़ों से पता चलता है कि 2002 से 2022 तक भारत में आग के कारण 35,900 हेक्टेयर वृक्षों का नुकसान हुआ। 2008 में आग के कारण सबसे अधिक वृक्षों का नुकसान (3,000 हेक्टेयर) दर्ज किया गया। 2001 से 2022 तक, ओडिशा में आग के कारण पेड़ों के नुकसान की दर सबसे अधिक थी। यहां प्रति वर्ष औसतन 238 हेक्टेयर का नुकसान हुआ। अरुणाचल प्रदेश में 198 हेक्टेयर, नागालैंड में 195 हेक्टेयर, असम में 116 हेक्टेयर और मेघालय में 97 हेक्टेयर वनों से आच्छादित क्षेत्र आग की वजह से बर्बाद हुए।

## नरेश गोयल की जमानत याचिका को किया खारिज

**मुंबई, प्रेट्र :** पीएमएलए कोर्ट ने जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि स्वास्थ्य रिपोर्ट से यह संकेत नहीं मिला है कि गोयल को जमानत देने से उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा। उन्हें पहले ही उनकी पसंद के अस्पताल में सर्वश्रेष्ठ संभव इलाज मिल रहा है।

- कई जानलेवा बीमारियों से पीड़ित हैं गोयल
- कोर्ट ने नरेश गोयल को मनपसंद अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी

मनी लांड्रिंग अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामलों के विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने 10 अप्रैल को 74 वर्षीय कारोबारी की जमानत याचिका खारिज कर दी। याचिका इस आधार पर दायर की गई थी कि गोयल कई जानलेवा बीमारियों से पीड़ित हैं। इससे पहले कोर्ट ने फरवरी, 2024 को गोयल की अंतरिम जमानत खारिज कर दी थी, जब गोयल ने इस आधार पर जमानत मांगी थी कि वे कैंसर से पीड़ित हैं। कोर्ट ने उन्हें मनपसंद अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी थी।

गोयल ने अस्पताल में भर्ती होने के बाद से अपने स्वास्थ्य में गिरावट का हवाला देते हुए जमानत के लिए एक और याचिका दायर की थी। गोयल को सितंबर, 2023 में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने केनरा बैंक द्वारा जेट एयरवेज को दिए गए 538.62 करोड़ रुपये के ऋण की हेराफेरी की।

## मेरठ में सड़क पर नमाज पढ़ने पर 200 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**जागरण संवाददाता, मेरठ**

- ईद पर दिल्ली रोड को रोककर पढ़ी थी नमाज, पुलिस के खिलाफ लगाए थे नारे

मेरठ स्थित ईदगाह परिसर के बाहर दिल्ली रोड पर रास्ता रोककर सड़क पर नमाज पढ़ने के मामले में 200 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सभी वीडियो पुलिस के पास हैं और उसी के आधार पर लोगों की पहचान कर मुकदमे में आरोपित बनाया जाएगा। मेरठ के एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि नमाज के दौरान पुलिस के साथ अभद्रता भी की गई।

ईद की नमाज सड़क पर न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने कड़े इंतजाम किए थे। एक दिन पहले मुकदमा दर्ज करने तक की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद गुरुवार सुबह ईदगाह पर बड़ी संख्या में नमाजी पहुंच गए। परिसर में जगह नहीं मिलने पर नमाजी सड़क पर नमाज पढ़ने के लिए आ गए। पुलिस ने नमाजियों को सड़क से हटाने का प्रयास किया, जिस पर एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह और सीओ कैंट प्रकाश चंद के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। सभी ने जबरन सड़क पर यातायात रोककर नमाज पढ़ी। वीडियो पुलिस ने उसका बना लिया।

शुक्रवार को शीर्ष अफसरों से विचार-विमर्श के बाद रेलवे रोड थाने में दारोगा रामअवतार की तरफ से 200 अज्ञात नमाजियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। वीडियो से लोगों की पहचान कर मुकदमे में आरोपित बनाए जाएंगे। सड़क पर नमाज पढ़ने का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया था। मामला लखनऊ तक पहुंचने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। जल्द ही उनकी पहचान की जाएगी।

## तरसेम हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता सतनाम और सुल्तान गिरफ्तार

**जागरण संवाददाता, हल्द्वानी**

- दूसरे फरार शूटर की तलाश अभी जारी, घोषित है एक लाख का इनाम

उत्तराखंड के नानकमत्ता में डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या के मामले में मुख्य साजिशकर्ता 20 हजार के इनामी सुल्तान सिंह व सतनाम सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया गया। हालांकि सतनाम को पुलिस ने शुक्रवार को ही पकड़ लिया था, लेकिन अधिकृत रूप से शनिवार को उसकी गिरफ्तारी दिखाई गई है। वहीं, एक लाख के इनामी शूटर सर्वजीत सिंह की तलाश में पुलिस अब भी दबिश दे रही है। हालांकि हत्याकांड में कई चेहरों की गिरफ्तारी के बावजूद अब भी यह रहस्य बरकरार है कि आखिर तरसेम को मारने के लिए सुपारी किसने दी थी? इससे पुलिस की कार्यप्रणाली भी संदेह के घेरे में है।

एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि 28 मार्च को बाइक सवार बदमाशों ने तरसेम सिंह की हत्या कर दी थी। उनकी पहचान सर्वजीत सिंह व अमरजीत सिंह उर्फ बिट्टू के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या की साजिश में शामिल दिलबाग सिंह, अमनदीप सिंह उर्फ काला, हरमिंदर उर्फ पिंदी, बलकार सिंह को गिरफ्तार किया कर लिया है। साथ ही बाजपुर में शूटरों को राइफल उपलब्ध कराने वाले परगट सिंह, जसपाल सिंह भट्टी उर्फ मिंटू व सुखदेव सिंह उर्फ सोनू की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। एक शूटर अमरजीत सिंह मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है। फरार चल रहे मुख्य साजिशकर्ता सतनाम सिंह और 20 हजार के इनामी सुल्तान सिंह को भी पकड़ लिया गया है। सतनाम पुलिस से बचने के लिए ठिकाने बदल रहा था। उसकी गिरफ्तारी गौरी फंटा (लखीमपुर खीरी) से हुई। जबकि सुल्तान सिंह को पिल्लूखेड़ा, जिंद (हरियाणा) से गिरफ्तार किया गया। एसएसपी ने बताया कि सतनाम ने साथी दिलबाग, बलकार, परगट व हरविंदर उर्फ पिंदी के साथ मिलकर तरसेम की हत्या की साजिश रची थी। सर्वजीत व अमरजीत सिंह उर्फ बिट्टू को रुपये, मोबाइल, हथियार व अन्य साधन उपलब्ध कराए गए।

## मां ने कोचिंग के लिए कोटा भेजने से मना किया तो हाई कोर्ट पहुंची बेटी

**जागरण संवाददाता, नैनीताल :** उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले की 15 वर्षीय किशोरी को मां ने नीट की कोचिंग के लिए राजस्थान के कोटा शहर भेजने से मना किया तो वह दादा की मदद से हाई कोर्ट पहुंच गई। हाई कोर्ट में दायर अपील में किशोरी का कहना था कि वह अपना करियर बनाने के लक्ष्य के साथ कोटा जाना चाहती है, उसके पिता भी उसका समर्थन करते हैं, लेकिन मां इसका विरोध करती है और 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उसका विवाह करना चाहती है। इस पर कोर्ट ने किशोरी के अनुरोध को अस्वीकार करते हुए निर्णय दिया कि परिवार के भीतर कलह से किशोरी को किसी तरह का खतरा पैदा नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत में स्थिति इतनी खराब नहीं हुई है कि न्यायपालिका को ऐसे घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करना पड़े।

किशोरी ने बाल कल्याण समिति को हस्तक्षेप करने के निर्देश देने की प्रार्थना की थी। खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि पूरी याचिका में कोई आरोप नहीं है कि याचिकाकर्ता का जीवन या स्वतंत्रता खतरे में है।

## साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 14 अप्रैल, 2024 से शनिवार 20 अप्रैल, 2024 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

**मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)** कार्य में सफलता, अर्थसाधन में सुधार, पूंजी निवेश में सावधानी, माता-पिता का ध्यान रखें, मन अशांत, शैक्षिक कार्य में अवरोध, वर्तमान परिस्थिति के अनुरुप कार्य करें, रक्त विकार, त्वचा विकार योग, जीवनसाथी का मिलन, राजनैतिक अपयश, आय में सुधार। शुभ अंक- 6

**वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)** वाणी पर संयम, दिनचर्या व्यस्ततम, धन के आवागमन में सावधानी, सामाजिक कार्य योग, निजी मतभेद, शिक्षा, लेखन कार्य में प्रगति, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, खानपान पर ध्यान देवें, मित्रों से सहयोग, यात्रा में सावधानी, धर्म में रुचि, व्यय अधिक। शुभ अंक- 5

**मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)** व्यापार कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम में प्रयास, विदेश कार्य में सफलता, आशा एवं निराशा के विचार, महिला से सहयोग, स्वार्थीजनों से सावधान रहें, साधनों की पूर्ति, चयन में अवरोध, प्रणय में अनबन, नौकरी में स्थान पद परिवर्तन का योग, आय में सुधार। शुभ अंक- 7

**कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)** कार्य क्षेत्र में प्रयास से सफलता, साझेदारी में सावधानी, सामाजिक, रचनात्मक कार्य का योग, संपत्ति में वृद्धि, परिजन के प्रति सचेत रहें, संतान से सहयोग, चयन में देरी, भविष्य योजना में अवरोध, महामारी से बचाव, खानपान का ध्यान रखें, राजनैतिक अपयश। शुभ अंक- 8

**सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)** कार्य में सावधानी रखें, धनागम में प्रयास, अतिविश्वास से बचें, यथार्थ पर रहें, सामाजिक कार्य योग, संतान से सहयोग, शिक्षा में सफलता, खानपान का ध्यान रखें समय का सदुपयोग, जीवनसाथी का मिलन, राजनैतिक अपयश, आय में सुधार। शुभ अंक- 1

**कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)** मन अशांत, कार्य में सफलता, अर्थसाधन में प्रयास, विदेश कार्य में सफलता, विशेष व्यक्ति से सहयोग, सामाजिक कार्य में यश, भूमि और भवन संबंधी कार्यों में अवरोध, वाहन चलाने में सावधानी रखें, राज्यपक्ष से लाभ, राजनैतिक अपयश। शुभ अंक- 9

**तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)** आत्मविश्वास से कार्य करें, भावनाओं पर नियंत्रण, पारिवारिक समस्या में सुधार, धन के आवागमन में सावधानी, अध्ययन में रुचि, शत्रुपक्ष से सावधान, नेत्र विकार, रक्त विकार योग, खानपान का ध्यान रखें, दांपत्य में अनबन, धर्म में रुचि, स्थान पद परिवर्तन प्रभावी। शुभ अंक- 2

**वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)** समय एवं परिस्थिति के अनुसार कार्यरत रहें, ऊर्जा एवं साहस से रहें, मन में असुरक्षा की भावना रहेगी, परिजन का ध्यान रखें, अध्ययन में रुचि, चयन में सफलता, क्रोध, ईर्ष्या से बचें, खानपान का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, व्यय अधिक। शुभ अंक- 5

**धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)** व्यापारिक कार्य योजना में देरी, स्थिरता के प्रति चिंता, आशा-निराशा के विचार, भवन साज-सज्जा योग, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, मित्रों से सहयोग, वाद-विवाद से बचें, दांपत्य में सुख, रक्षा साधन कार्य में प्रगति, वाहन में सावधानी, नौकरी में पद स्थान परिवर्तन। शुभ अंक- 4

**मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)** परिजन का सहयोग, धनागम में प्रयास, पूंजी निवेश में सावधानी, महिला से सहयोग, विचारों में अनबन, वाहन, आभूषण योग, संतान से सहयोग, लेखन में प्रगति, शत्रुपक्ष प्रभावी, जीवनसाथी का मिलन, रक्षा साधन कार्य में सफलता, स्थान पद परिवर्तन योग, व्यय अधिक। शुभ अंक- 6

**कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)** व्यापार में प्रगति, अर्थसाधन में सुधार, भौतिक लाभ प्राप्त होगा, विदेश कार्य योजना में प्रगति, संकोच से बचें, जनकल्याण में सहयोग, भूमि भवन कार्य में देरी, चयन में सफलता, शत्रुपक्ष प्रभावी, जीवनसाथी का मिलन, वाहन में सावधानी, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक। शुभ अंक- 7

**मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)** व्यापार कार्य में सफलता, अर्थसाधनों में प्रयास करे, धन के आवागमन में सावधानी, पूंजी निवेश में सावधानी, चिंता का समाधान, वाहन, भवन साज-सज्जा का योग, संतान के लिए योजना, मित्रों से सहयोग, वाद-विवाद से बचें, दांपत्य में सुख, आय में सुधार। शुभ अंक- 8

*********

# पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अपहरण कर नौ सरकारी कर्मियों की हत्या

## बस में मौजूद कर्मियों के आइडी कार्ड देखकर किया गया था अपहरण

### राजमार्ग एन-40 पर बस रोकने के लिए बंदूकधारियों ने की थी घेराबंदी

**लाहौर, एएनआइ :** पाकिस्तान के बलूचिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक बस से नौ सरकारी कर्मियों का अपहरण कर उन्हें मार डाला। अपहृत यात्रियों के शव पास स्थित पुल के नीचे बरामद हुए। बंदूकधारियों ने आइडी कार्ड देखकर सभी को बस से उतारा था। वे सभी पंजाब प्रांत के रहने वाले थे।

उपायुक्त हबीबुल्ला मुसाखेल ने कहा कि घटना क्वेटा-तफ्तान राजमार्ग एन-40 पर हुआ। यहां 10-12 की संख्या में अज्ञात बंदूकधारियों ने रास्ते को अवरुद्ध कर दिया था और बस रोकने की कोशिश की। बस के नहीं रुकने पर बंदूकधारियों ने उस पर गोलियां बरसा दीं, जिससे बस पलट गई। बंदूकधारियों ने यात्रियों में से सरकारी कर्मियों विशेष रूप से पंजाब प्रांत के लोगों की पहचान की और उन्हें मार डाला। सूत्रों का कहना है कि हमला सांप्रदायिक नहीं लगता, क्योंकि बस में मौजूद तीर्थयात्रियों को निशाना नहीं बनाया गया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने घटना की निंदा की है।

उसी राजमार्ग पर एक अन्य घटना में कार पर गोलीबारी की गई, जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। किसी भी संगठन ने हत्याओं की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इस साल हाल के हफ्तों में प्रांत में प्रतिबंधित संगठनों और आतंकवादियों द्वारा हमलों में वृद्धि हुई है, जिसमें सुरक्षा बलों और प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया गया है।

**मुठभेड़ में दो सैनिक मारे गए, एक आतंकी ढेर :** खैबर पख्तूनख्वा में आतंकियों के खिलाफ खुफिया आपरेशन करने पहुंचे पाकिस्तानी सेना की आतंकियों से मुठभेड़ हो गई। इसमें दो सैनिक मारे गए, जबकि एक वांछित आतंकी सलीम उर्फ रब्बानी मारा गया। इस घटना में दो आतंकी घायल हो गए।

**बारूदी सुरंग विस्फोट में तीन बच्चों की मौत :** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट में तीन बच्चों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। बच्चे मंडीकाई इलाके में बालीबाल मैच देखने जा रहे थे, तभी उनमें से एक का पैर बारूदी सुरंग पर पड़ गया, जिससे बड़ा विस्फोट हो गया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में राजमार्ग पर एक बस से नौ सरकारी कर्मियों का अपहरण कर उन्हें मार डाले जाने के बाद शनिवार को अस्पताल में एंबुलेंस से शव को उतारते चिकित्सकर्मी। एपी

### पाकिस्तानी सेना के जवानों ने पुलिस कर्मियों को थाने में पीटा

**लाहौर, एएनआइ :** पाकिस्तानी सेना के जवानों की ओर से पुलिस स्टेशन में घुसकर पुलिसकर्मियों को पीटने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। यह मामला 10 अप्रैल का बताया जा रहा है। इस मामले में पंजाब सरकार और सेना ने बहावलनगर में पुलिस और सेना के जवानों के बीच कथित मारपीट की जांच शुरू कर दी है। डान के अनुसार, एएसआइ नईम और एसएचओ रिजवान अब्बास ने सात अप्रैल को मोहम्मद अनवर के बेटे रफाकत को बिना लाइसेंस के पिस्तौल रखने के आरोप में गिरफ्तार करने के लिए घर पर छापा मारा था। अनवर के बेटे और सैन्य अधिकारी मोहम्मद खलील ने अपने भाई इदरीस और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया। बाद में पुलिस टीम ने मोहम्मद अनवर और खलील और इदरीस को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने परिवार को जमकर प्रताड़ित किया और घर में तोड़फोड़ की। आरोपित पुलिसकर्मियों को दोषी पाते हुए डीपीओ ने मामला दर्ज किया उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, सेना अधिकारी को हिरासत में लेने की बात सामने आने पर सेना के जवानों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर वहां पुलिसकर्मियों को जमकर पीटा।

### शहबाज सरकार के विरुद्ध विपक्षी गठबंधन का आंदोलन

इमरान खान। फाइल फोटो

**इस्लामाबाद, प्रेट्र :** पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी समेत छह विपक्षी पार्टियों ने शहबाज शरीफ सरकार के विरुद्ध शनिवार से अपना आंदोलन शुरू कर दिया। इससे पहले बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल के प्रमुख सरदार अख्तर मेंगल की अध्यक्षता में इन दलों की बैठक हुई।

इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के महासचिव उमर अयूब खान ने घोषणा की कि छह पार्टियों ने तहरीक तहफ्फुज आईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) के नाम से गठबंधन बनाकर संविधान की रक्षा के लिए आंदोलन चलाने का निर्णय लिया है। पश्तूनख्वा मिल्ली आवामी पार्टी के चेयरमैन महमूद खान अचकजाई को गठबंधन का अध्यक्ष चुना गया है। उमर ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य देश में कानून का राज बहाल करना है। आठ फरवरी को हुए चुनाव में व्यापक गड़बड़ी कर बनी सरकार के विरुद्ध आंदोलन छेड़ा जा रहा है। जबकि अचकजाई ने कहा कि गठबंधन सेना के विरुद्ध नहीं है, लेकिन वे लोग सेना की राजनीतिक भूमिका का विरोध करते हैं।

# रूस-नियंत्रित शहर में यूक्रेनी गोलाबारी से 10 लोगों की मौत

- पांच लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया
- हमले में 18 घायल हुए, दो लोग हैं लापता

**कीव, एपी :** यूक्रेन के जापोरीजिया क्षेत्र में शुक्रवार देर रात रूस के कब्जे वाले शहर में हुई गोलाबारी में तीन बच्चों सहित 10 लोगों की मौत हो गई। जापोरीजिया उन चार यूक्रेनी क्षेत्रों में से एक है, जिन पर आंशिक रूप से रूसी सेना का कब्जा है। क्रेमलिन के स्थानीय अधिकारी ने हमले के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया। इस पर यूक्रेन की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। हालांकि, यूक्रेनी अधिकारियों ने भी रूस की ओर से हमला बोलने का आरोप लगाया है, जिसमें तीन यूक्रेनियों की मौत हो गई है।

क्रेमलिन की ओर से इलाके में तैनात अधिकारी येवेन बालिट्स्की ने कहा कि टोकमाक में घरों के मलबे के नीचे फंसे नागरिकों को बचाने के लिए रूसी आपातकालीन सेवाओं से जुड़े कर्मचारी शनिवार को मशक्कत करते रहे। तीन अपार्टमेंट ब्लाकों पर गोलाबारी हुई। कुल 18 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 13 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पांच को मलबे से जिंदा निकाला गया। दो लोग लापता बताए जा रहे हैं।

**रिपोर्ट में दावा, रूस की चीन कर रहा मदद :** अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस महीने की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ फोन पर रूस के रक्षा औद्योगिक आधार को लेकर चीन के समर्थन पर चिंता जताई थी। जबकि बीच सीएनएन की एक रिपोर्ट में बाइडन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा गया है कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध में चीन रूस को रक्षा आधार बढ़ाने में मदद कर रहा है। चीन की मदद से मास्को सोवियत काल के बाद अब सैन्य विनिर्माण में सबसे महत्वपूर्ण विस्तार कर रहा है। रूस में ही ड्रोन उत्पादन के लिए संयुक्त रूप से काम किया जा रहा है। चीन के समर्थन से यूक्रेन पर हमला जारी रखने में रूस को मदद मिल रही है।

**यूक्रेन को अतिरिक्त पैट्रियट मिसाइल प्रणाली देगा जर्मनी :** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने देश के लिए महत्वपूर्ण समय पर एक अतिरिक्त पैट्रियट मिसाइल प्रणाली की डिलीवरी की मंजूरी देने और अधिक वायु रक्षा मिसाइलों की आपूर्ति के लिए जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज को धन्यवाद दिया है। यह जर्मनी से तीसरी पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली होगी। जेलेंस्की ने एक सप्ताह पहले कहा था कि पूरे देश को कवर करने के लिए 25 अमेरिकी पैट्रियट प्रणालियों की आवश्यकता है, जो रूसी बैलिस्टिक और हाइपरसोनिक मिसाइलों के हमले के अधीन है। जर्मन रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा है कि नई पैट्रियट प्रणाली तुरंत सौंपी जाएगी और यह पहले से ही वितरित और नियोजित वायु रक्षा प्रणालियों के अतिरिक्त है।

## न्यूज गैलरी

### भारतवंशी अमेरिकी अभिनेत्री की फिल्म का दो मई को प्रदर्शन

**लंदन :** लंदन में इस वर्ष के यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल (यूकेएएफएफ) का शुभारंभ भारतवंशी अमेरिकी-वेल्जियम अभिनेत्री रुमाना मोल्ला की नसीरुद्दीन शाह अभिनीत पहली निर्देशित फिल्म से होगी। दो मई को वर्ल्ड प्रीमियर में उनकी फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। उनकी फिल्म 'मिनिमम' बेल्जियम में एक भारतीय परिवार की कहानी पर आधारित है। इसमें नमित दास, सबा आजाद और गीतांजलि कुलकर्णी के साथ मोल्ला भी मुख्य भूमिका में हैं। यूकेएएफएफ 12 मई तक लंदन, लीसेस्टर, आक्सफोर्ड और ग्लासगो में चलेगा। (प्रेट्र)

### नाइजीरिया मेनिनजाइटिस के खिलाफ पेश करेगा नया टीका

**अबुजा :** विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि नाइजीरिया मेनिनजाइटिस के खिलाफ क्रांतिकारी नया मेन5सीवी टीका पेश करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। यह टीका इस बीमारी के पांच प्रकारों से बचाव करता है। नाइजीरिया अफ्रीका में घातक बीमारी के हाटस्पाट में से एक है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, पिछले साल 26 अफ्रीकी देशों में वार्षिक मामलों में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी, जिन्हें मेनिनजाइटिस हाइपरएंडेमिक देश माना जाता है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा कि नाइजीरिया का यह प्रयास हमें 2030 तक मेनिनजाइटिस को खत्म करने के हमारे लक्ष्य के एक कदम और करीब लाता है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े से पता चलता है कि पिछले अक्टूबर से इस साल मध्य मार्च के बीच देश में 1,742 मामले संदिग्ध थे, जिनमें से नाइजीरिया के सात राज्यों में 153 मौतें दर्ज की गईं। (रायटर)

### तुर्किये में केबल कार हादसे में फंसे 174 लोगों को बचाया

**इस्तांबुल :** दक्षिण तुर्किये में एक पहाड़ के ऊपर केबल कार में फंसे 174 लोगों को बचा लिया गया। शुक्रवार को केबल कार की ट्राली खंभे से टकरा गई थी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। तुर्किये के मंत्री अली येरलिकाया ने शनिवार दोपहर एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सफल बचाव अभियान में 174 लोगों को बचाया गया। 23 घंटे तक चले बचाव प्रयासों में 10 हेलीकाप्टर और 607 से अधिक बचावकर्मी शामिल थे। ईद की छुट्टी के मौके पर शुक्रवार को अंताल्या शहर के पास शाम करीब साढ़े पांच बजे यह दुर्घटना हुई। फंसे हुए लोगों को बचाने का अभियान रातभर जारी रहा। (एपी)

### गांजा घोटाले में ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

**मैड्रिड :** स्पेन के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह को पकड़ा गया है, जिसने औषधीय उपयोग के लिए गांजे के पौधों पर केंद्रित घोटाले में 35 देशों में पीड़ितों से कथित तौर पर 68.6 करोड़ डालर (57,35,7351800 रुपये) की धोखाधड़ी की थी। स्पेन की पुलिस ने कहा कि गिरोह ने एक मार्केटिंग माडल स्थापित किया था और पीड़ितों को इसमें पैसा निवेश के लिए राजी करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कैनबिस मेलों में भाग लेते थे। इसने यूरोपोल और पांच अन्य देशों के पुलिस बलों की मदद से आपरेशन का नेतृत्व किया। स्पेन, ब्रिटेन, जर्मनी, लातविया, पोलैंड, इटली और डोमिनिकन गणराज्य में धोखाधड़ी के संदेह में 11 अप्रैल को नौ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। (रायटर)

### बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार ने हजारों के लापता होने के दावों को किया खारिज

**बलूचिस्तान, एएनआइ :** बलूचिस्तान में नागरिकों के जबरन गायब होने के मामलों में हालिया वृद्धि के बीच सरकार ने स्पष्टीकरण जारी किया है। सरकार ने हजारों लोगों के लापता होने की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। प्रांतीय सरकार ने कहा कि जबरन गायब किए जाने पर जांच आयोग की रिपोर्ट किए गए मामलों की संख्या हजारों में नहीं थी। आयोग कार्य कर रहा था और उसने कुछ फर्जी मामलों का भी पता लगाया था।

प्रवक्ता ने कहा कि सरकार ने लापता व्यक्तियों के मुद्दे के समाधान को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा है। अगर किसी परिवार को लगता है कि कोई सदस्य लापता है तो वह सीधे आयोग से संपर्क कर सकता है। सरकार ने कहा कि लापता व्यक्तियों के रूप में सूचीबद्ध कुछ व्यक्तियों को आतंकी घटनाओं में शामिल पाया गया था। इससे पहले बलूचिस्तान में सत्तारूढ़ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने पहले एक संसदीय समिति के माध्यम से जबरन गायब होने के मुद्दे को हल करने का प्रस्ताव दिया था।

# सिडनी के माल में ताबड़तोड़ चाकूबाजी, छह की मौत

- आठ घायलों में नौ महीने का बच्चा भी शामिल
- पुलिस ने हमलावर को मौके पर ही मार गिराया
- फिलहाल आतंकी वारदात नहीं मान रही पुलिस

**सिडनी, रायटर :** आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में शनिवार को एक माल में सिरफिरे की ताबड़तोड़ चाकूबाजी से छह लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हुए हैं। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने हमलावर को घेरकर गोली मार दी। जिस माल पर हमला हुआ वह समुद्र के किनारे बसे बोंडी उपनगर में स्थित है। मारे गए व्यक्ति ने किस उद्देश्य से माल में आए लोगों पर हमला किया, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले वेस्टफील्ड बोंडी जंक्शन शापिंग सेंटर में दोपहर बाद साढ़े तीन बजे हुए हमले में लोग कुछ देर तक वाकया समझ नहीं पाए, लेकिन जैसे ही चीख-पुकार मची तो लोग बचने के लिए भागने लगे। बेहद आक्रामक ढंग से किए गए चाकू के प्रहारों से पांच महिलाओं समेत छह लोग मारे गए और आठ घायल हुए। घायलों में एक नौ महीने का बच्चा भी शामिल है। पुलिस फिलहाल घटना को आतंकी वारदात नहीं मान रही है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि अभी तक की जांच में हमलावर के उद्देश्य का पता नहीं चला है। इसे हिंसा का भयावह कृत्य माना जा रहा है, जिसमें हमलावर ने निर्दोष लोगों पर निर्ममता से चाकू के प्रहार किए। विदित हो कि आस्ट्रेलिया में बंदूक-राइफल और बड़े आकार के चाकू रखने के लिए लाइसेंसिंग सिस्टम लागू है। ये लाइसेंस लंबी और मुश्किल प्रक्रिया के बाद मिलते हैं। आस्ट्रेलिया में इस तरह का अपराध की घटनाएं बहुत कम होती हैं। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के कमिश्नर करेन वेब ने बताया है कि मामले की जांच जारी है।

भारतीय मूल के 25 वर्षीय आयुष सिंह माल में बने कैफे में काम करते हैं। कुछ मिनट की घटना के बाद पुलिस ने जब हमलावर को घेरकर फायरिंग शुरू की तब उन्हें वाकये का पता चला। उन्होंने बताया कि एक युवक चाकू लेकर दौड़ रहा था और लोगों पर वार कर रहा था। जबकि पुलिस उसे घेरने की कोशिश में थी। इसी दौरान पुलिस लोगों को बचाते हुए उस पर फायर भी कर रही थी।

थोड़ी देर की घेराबंदी के बाद हमलावर को एक महिला पुलिसकर्मी की दो-तीन गोलियां लगीं और वह मौके पर ही ढेर हो गया। जहां पर यह घटना हुई वहां पर महिलाओं की संख्या ज्यादा थी। आयुष ने बताया कि उसने कई वृद्ध महिलाओं को कैफे के भीतर सुरक्षित स्थान पर बैठाया और उन्हें सांत्वना दी। घटना के बाद माल को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है।

आस्ट्रेलिया के सिडनी में शनिवार को वेस्टफील्ड बोंडी जंक्शन शापिंग सेंटर में चाकूबाजी की घटना के बाद भयभीत एवं बिलखते बच्चों के साथ बाहर निकलती महिला। एपी

### अमेरिकी अधिकारियों के साथ क्वात्रा ने की रक्षा साझेदारी पर चर्चा

**वाशिंगटन, प्रेट्र :** अमेरिका दौरे पर भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने अमेरिकी रक्षा उप मंत्री कैथलीन हिक्स समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और दोनों देशों में रक्षा साझेदारी और मजबूत करने पर चर्चा की। भारतीय दूतावास के अनुसार, 10 से 12 अप्रैल तक यात्रा के दौरान क्वात्रा ने अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात कर भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। विदेश सचिव क्वात्रा और अमेरिकी उप रक्षा मंत्री कैथलीन ने लड़ाकू जेट इंजन और बख्तरबंद वाहनों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार के बीच स्वतंत्र एवं खुले हिंद प्रशांत क्षेत्र के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जताई। क्वात्रा ने उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा, उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं।

# म्यांमार में संकट बढ़ने पर उत्तर पूर्वी राज्यों पर बढ़ सकता है दबाव

**नई दिल्ली, नेशनल डेस्क :** पड़ोसी देश म्यांमार में पीछे कुछ हफ्तों से सेना (जुंटा) और विरोधी दलों पीपुल्स डिफेंस फोर्सेस (पीडीएफ) के बीच तेज संघर्ष चल रहा है। रखाइन प्रांत व अन्य हिस्सों में सुरक्षा बलों और विरोधी दलों के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है। इसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। विरोधी दलों ने भारत, चीन और बांग्लादेश की सीमा के पास कई प्रमुख व्यापारिक स्थानों पर कब्जा कर लिया है। भारत ने म्यांमार के रखाइन प्रांत के बंदरगाह वाले शहर सितवे स्थित वाणिज्य दूतावास से अपने कर्मचारियों को यंगून भेज दिया है। वहीं भारत ने इस संकट को देखते हुए पिछले दिनों भारत म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और मुक्त आवाजाही को समाप्त करने का फैसला किया है। आइए समझते हैं कि ये संघर्ष क्यों हो रहा है और इसका भारत पर क्या असर हो सकता है।

- म्यांमार में जुंटा और विरोधी दलों पीडीएफ के बीच चल रहा है तेज संघर्ष
- म्यांमार से 31 हजार लोग पलायन कर आ चुके हैं मिजोरम में

थाईलैंड के ताक प्रांत के माए सोट में शुक्रवार को म्यांमार के विद्रोहियों के सीमावर्ती शहर के कब्जे के बाद सैकड़ों शरणार्थी थाईलैंड म्यांमार मैत्री पुल को पार गए। रायटर

#### क्यों हो रहा है संघर्ष?

दरअसल, म्यांमार में नवंबर, 2020 में आम चुनाव हुए थे। इसमें लोकप्रिय नेता आंगसान सू की पार्टी को जीत मिली थी और सेना द्वारा समर्थित पार्टी की हार हुई थी। सेना ने नतीजों पर सवाल उठाए और चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। बाद में सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया और सेना ने तख्तापलट कर दिया। इसके बाद सेना ने देश में आपातकाल लगा दिया था।

#### कैसे शुरू हुआ हालिया संघर्ष?

सैन्य शासन के खिलाफ तीन सशस्त्र दल साथ आए, जिसे 'ब्रदरहुड अलायंस' नाम दिया गया। 27 अक्टूबर को इन्होंने सेना के खिलाफ युद्ध की शुरुआत की। तारीख के आधार पर इसे 'आपरेशन 1027' नाम दिया गया। उनका मकसद नागरिकों की रक्षा करना, इलाकों पर नियंत्रण हासिल करना और म्यांमार सेना के हमलों का जवाब देना है।

#### अलायंस' में कौन-कौन शामिल है?

'ब्रदरहुड अलायंस' में अराकन सेना (एए), म्यांमार नेशनल डिफेंस अलायंस आर्मी (एमएनडीएए) और ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) शामिल है। एमएनडीएए का गठन 1989 में हुआ था और इसमें लगभग 6,000 लड़ाके हैं। अराकन सेना के पास 35,000 से ज्यादा लड़ाके हैं। वहीं, टीएनएलए में करीब 8,000 लड़ाके हैं।

#### संघर्ष का भारत पर क्या असर हो रहा है?

संघर्ष की वजह से नवंबर महीने में म्यांमार से करीब 5,000 लोग सीमा पार कर मिजोरम में शरण लेने पर मजबूर हुए थे। 2021 के बाद से म्यांमार से 31 हजार लोग मिजोरम आए हैं। ये सभी चिन प्रांत से आए हैं। ये लोग मिजोरम के सभी 11 जिलों में शरण लिए हुए हैं। इनके लिए मिजोरम में 160 राहत शिविर हैं। म्यांमार से आ रहे शरणार्थियों का असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है!

#### भारत के लिए और क्या है परेशानी?

भारत के मिजोरम प्रांत और म्यांमार के चिन प्रांत के बीच 510 किलोमीटर लंबी सीमा है। दोनों तरफ 16 किमी तक जाने पर पाबंदी नहीं है। म्यांमार संघर्ष से उत्तर-पूर्वी राज्यों में तनाव बढ़ने की आशंका है। दरअसल, म्यांमार के चिन जातीय समूह का मणिपुर में कुकी समुदाय के साथ मजबूत संबंध है। मणिपुर के कई मैतेई उग्रवादी समूहों की म्यांमार के सागांग क्षेत्र में उपस्थिति है।

# बाइडन ने कहा, इजरायल पर हमला न करे ईरान

- इजरायल की सुरक्षा के लिए संकल्पबद्ध है अमेरिका

मदद के लिए अमेरिकी विमानवाहक पोत किया रवाना

**वाशिंगटन, रायटर :** अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल पर जल्द ईरान का हमला होने की आशंका जताई है, साथ ही ईरान को चेतावनी दी है कि वह ऐसा न करे। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका इजरायल की सुरक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। हम (अमेरिकी) इजरायल की सुरक्षा के लिए समर्पित हैं। हम इजरायल का समर्थन करते हैं। हम इजरायल की सुरक्षा में सहायता देंगे और ईरान सफल नहीं हो पाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति का यह स्पष्ट संदेश इजरायल पर हमले को तैयार ईरान के लिए है। इस बीच अमेरिका ने अपने विमानवाहक युद्धपोत यूएसएस आइजनहावर को लाल सागर के रास्ते इजरायल के लिए रवाना कर दिया है। यह युद्धपोत इजरायल पर ईरानी हमले को रोकने में मदद देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जान किर्बी ने कहा है कि मध्य-पूर्व के देशों में तैनात अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा के लिए भी इंतजाम बढ़ाए जा रहे हैं। एक अप्रैल को सीरिया की राजधानी दमिश्क स्थित ईरानी दूतावास पर हवाई हमले में सीनियर जनरल समेत ईरानी सेना के सात सैन्य अधिकारियों के मारे जाने के बाद ईरान ने इजरायल को दंडित करने का एलान किया है। इसी से यह आशंका पैदा हुई है कि ईरान किसी भी समय इजरायल पर हमला कर सकता है। इस आशंका के मद्देनजर भारत, अमेरिका, रूस, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और कई अन्य देशों ने ईरान, इजरायल समेत पश्चिम एशिया के देशों में नागरिकों को न जाने के लिए कहा है।

### हत्या केस में भारतीय की गिरफ्तारी पर ढाई लाख डालर देगी एफबीआइ

**न्यूयार्क, प्रेट्र :** पत्नी की हत्या के लिए अमेरिका में वांछित 33 वर्षीय भारतीय भद्रेशकुमार चेतनभाई की गिरफ्तारी के लिए अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआइ ने 250,000 डालर का इनाम देने की घोषणा की। दस मोस्ट वांटेड अपराधियों की सूची में शामिल भद्रेशकुमार ने 2015 में पत्नी पलक पटेल की हत्या की थी। पहले एफबीआइ ने एक लाख डालर देने की घोषणा की थी।

भद्रेशकुमार न्यूजर्सी के नेवार्क क्षेत्र में अंतिम बार देखा गया था। मैरीलैंड के हनोवर स्थित एक दुकान पर जब दोनों काम करते थे उसी दौरान भद्रेशकुमार ने पलक पर चाकू से कई बार हमले किए थे। कोर्ट ने 20 अप्रैल, 2015 को गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

भद्रेशकुमार व पलक एक रिश्तेदार की दुकान पर रात की पाली में काम करते थे। 12 अप्रैल, 2015 की रात में भद्रेशकुमार ने दुकान के पीछे के कमरे में पलक की हत्या कर दी।

## राष्ट्रीय फलक

# मप्र के रीवा में बोरवेल में गिरे बच्चे तक नहीं पहुंच सकी टीम

**नईदुनिया, रीवा**

- दूसरे दिन भी जारी रहा बचाव अभियान

मप्र के रीवा में खुले बोरवेल में गिरे छह वर्षीय मयंक को बचाने का अभियान शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा, लेकिन अभी तक उसका पता नहीं चल सका है। बता दें कि जिले के मनिका गांव में शुक्रवार शाम चार बजे मयंक खेत में गेहूं की बालियां बीनते समय खुले बोरवेल में गिर गया था। एनडीआरएफ के बचाव दल का कैमरा बोरवेल में मयंक को ढूंढ नहीं पाया है। 35 फीट गहरी खोदाई के बाद भी मयंक का पता नहीं चल सका है। अब राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवान हाथ से खोदाई कर रहे हैं। बोरवेल में सुरंग बनाने का काम भी शुरू हो गया जो 60 फीट तक पहुंच चुका है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि बचाव दल मयंक के करीब है, जल्द उसे निकाल लिया जाएगा। बच्चे के 65 फीट गहराई पर फंसे होने की बात थी। इससे पहले बोरवेल के समानांतर खोदाई की गई। बोरवेल की गहराई 70 फीट गहरी है। उक्त बोरवेल का मालिक गायब है। शासन ने खुले बोरवेल बंद करने के निर्देश दे रखे हैं, लेकिन इस तरह के हादसे होते रहते हैं।

एनडीआरएफ की टीम से जानकारी लेते हुए उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला। नईदुनिया

### केवाईसी के नाम पर 3.12 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

**मुंबई, प्रेट्र :** बैंक केवाईसी अपडेट करने के नाम पर मुंबई में रहने वाली महिला से 3.12 लाख रुपये की ठगी करने वाले दो लोगों को बिहार के नालंदा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि अमित कुमार दयानंद मालाकार और रानी देवी राकेश पासवान को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

कालाचौकी थाने के अधिकारी ने बताया कि यह घटना दिसंबर में हुई थी। आरोपित ने निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक का कर्मचारी बताकर पीड़िता को केवाईसी अपडेट करने के लिए वाट्सएप पर एक लिंक भेजा। महिला द्वारा उपलब्ध कराए गए ब्यौरे से आरोपितों ने 3.12 लाख का ऋण ले लिया। जनवरी में शिकायत पंजीकृत होने के बाद पुलिस ने बैंक से संपर्क किया और जिस खाते में पैसे ट्रांसफर किए गए थे उसे फ्रीज कर दिया।

# बांदा में प्रेमी ने शादी से किया इन्कार, विवाहित प्रेमिका ने थाने में खाया जहर

**जागरण संवाददाता, बांदा**

- घर से भागकर आई थी प्रेमी से मिलने, महिला थाने में की शिकायत
- पुलिस ने युवक को बुलाकर लिया बयान, फेसबुक से हुई थी दोस्ती

फेसबुक पर दोस्ती होने के बाद मध्य प्रदेश के कटनी की विवाहिता को यूपी के बांदा के युवक से प्रेम हो गया। वह पति को छोड़कर प्रेमी से विवाह करने बांदा आ गई। प्रेमी ने उसके विवाहित होने के कारण शादी करने से इन्कार कर दिया। इससे क्षुब्ध होकर वह महिला थाने में शिकायत करने पहुंची और वहीं जहर खा लिया। पुलिस ने हालत बिगड़ते देखकर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों के बयान दर्ज किए गए हैं।

कटनी के सिविल लाइन की 21 वर्षीय महिला की फेसबुक के माध्यम से कुछ दिनों पहले बांदा के युवक से दोस्ती हो गई। मैसेंजर के जरिये बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। विवाहिता शनिवार को सब छोड़कर प्रेमी के पास पहुंच गई और उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। प्रेमी ने शादी से इन्कार कर दिया। इसके बाद विवाहिता दोपहर में महिला थाने शिकायत करने पहुंची और वहीं उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है। महिला थाना प्रभारी ने बताया कि युवक के अनुसार महिला पहले से शादीशुदा है। उसने अपना घर न बर्बाद करने की सलाह दी और शादी करने से मना किया। पति व ससुरालियों को मामले की सूचना देकर थाने बुलाया गया है। उसे समझाकर वापस भेजने का प्रयास किया जाएगा। महिला के जहर खाने की जानकारी उन्हें नहीं है।

# टी-20 आइपीएल

**पर्पल कैप**

| गेंदबाज | टीम | विकेट |
|---|---|---|
| चहल | राजस्थान | 11 |
| बुमराह | मुंबई | 10 |
| रबादा | पंजाब किंग्स | 09 |

**आरेंज कैप**

| बल्लेबाज | टीम | रन |
|---|---|---|
| विराट कोहली | आरसीबी | 319 |
| रियान पराग | राजस्थान | 284 |
| संजू सैमसन | राजस्थान | 264 |

# शिमरोन अंतिम ओवरों में बने 'हिटमायर'

## राजस्थान रायल्स ने रोमांचक मैच में पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हराया हेटमायर ने 10 गेंदों में बनाए 27 रन

विकास शर्मा ● जागरण

**चंडीगढ़ :** राजस्थान रायल्स के आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर पंजाब किंग्स के विरुद्ध हुए रोमांचक मुकाबले में अंतिम ओवरों में 'हिटमायर' बन गए, जिससे टीम ने तीन विकेट से जीत प्राप्त कर शीर्ष स्थान पर अपनी दावेदारी मजबूती कर दिया। शनिवार को मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान को 148 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में राजस्थान रायल्स ने शिमरोन हेटमायर की धमाकेदार पारी के दम पर एक गेंद शेष रहते सात विकेट पर 152 रन बना लिए।

**हेटमायर ने अंतिम ओवर में पलटा मैच :** पहली पारी के बाद छोटा दिख रहा 147 रनों का स्कोर राजस्थान की पारी के दौरान अंतिम ओवरों में पहाड़ चढ़ने के बराबर हो गया। 17 ओवर के बाद राजस्थान का स्कोर चार विकेट के नुकसान पर 114 रन रन था। टीम को 18 गेंदों में 33 रन की आवश्यकता थी। पंजाब के कप्तान कुर्रन ने हर्षल पटेल को गेंद थमाई और ओवर की दूसरी ही गेंद पर ध्रुव जुरैल का विकेट लेकर उन्होंने मैच में जान फूंक दी। मैच राजस्थान की पकड़ से दूर होता दिख रहा था, परंतु शिमरोन हेटमायर ने अंतिम दो गेंदों पर 10 रन बटोरकर राजस्थान के खेमे में ऊर्जा का संचार कर दिया। अगले ही ओवर की शुरुआती दो गेंदों पर सैम कुर्रन के विरुद्ध दो चौके लगाकर रोवमैन पावेल ने काम आसान तो कर दिया, परंतु अगली ही गेंद पर लांग आन पर कैच थमा बैठे। उनके जाने के बाद आए केशव महाराज भी ओवर की अंतिम गेंद पर लांग आन पर पकड़े गए। अब राजस्थान को अंतिम ओवर में 10 रनों की आवश्यकता थी। अर्शदीप ने ओवर की दो शुरुआती गेंदें डाट कराकर पंजाब के हौसले बुलंद किए ही थे कि अगली गेंद पर हेटमायर ने फ्लैट छक्का लगाकर टीम का दबाव कम कर दिया। ओवर की पांचवीं गेंद पर छक्का जड़कर उन्होंने रायल्स को सत्र की पांचवीं जीत दिला दी।

मैच के दौरान शाट लगाते हेटमायर ● प्रेट्र

**संजू की सटीक कप्तानी :** संजू सैमसन ने इस सत्र में केवल बल्लेबाजी से ही नहीं, बल्कि कप्तानी से भी सभी को प्रभावित किया है। मैच के दौरान उनके सटीक बदलाव और क्षेत्ररक्षण रणनीति का ही यह परिणाम है कि टीम ने पांच में से चार मैच जीत लिए हैं और तालिका में शीर्ष पर चल रही है। शनिवार को भी उनके बदलाव सटीक रहे और इसका परिणाम उन्हें विकेट के रूप में मिला। सर्वप्रथम तीसरे ओवर में उन्होंने सेन के स्थान पर आवेश को गेंद थमाई। ओवर की चौथी गेंद पर ही उन्हें अथर्व का विकेट मिल गया। इसके बाद बोल्ट के स्थान पर चहल को लाए। चहल ने प्रभसिमरन को पवेलियन भेज दिया। जब गेंद आवेश की जगह महाराज को सौंपी तो उन्होंने भी कप्तान को निराश नहीं होने दिया।

**महाराज बने अबूझ पहेली :** शुरुआती दो झटके से किंग्स उबरे भी नहीं थे कि महाराज उनके लिए अबूझ पहेली बनकर आ गए। उन्होंने पहले ओवर में बेयरस्टो और दूसरे में कप्तान कुर्रन का विकेट लेकर पंजाब के शीर्षक्रम को झकझोर दिया। वनडे के नंबर एक गेंदबाज केशव का आइपीएल में यह पहला सत्र है। दूसरे ही मैच में उन्होंने विकेट लेने के साथ कसी हुई गेंदबाजी की।

| अंक तालिका | | मैच | जीत | हार | टाई | नेट रन रेट | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राजस्थान | 6 | 5 | 1 | 0 | +0.767 | 10 |
| 2 | केकेआर | 4 | 3 | 1 | 0 | +1.528 | 6 |
| 3 | सीएसके | 5 | 3 | 2 | 0 | +0.666 | 6 |
| 4 | लखनऊ | 5 | 3 | 2 | 0 | +0.436 | 6 |
| 5 | हैदराबाद | 5 | 3 | 2 | 0 | +0.344 | 6 |
| 6 | गुजरात | 6 | 3 | 3 | 0 | -0.637 | 6 |
| 7 | मुंबई | 5 | 2 | 3 | 0 | -0.073 | 4 |
| 8 | पंजाब | 6 | 2 | 4 | 0 | -0.218 | 4 |
| 9 | दिल्ली | 6 | 2 | 4 | 0 | -0.975 | 4 |
| 10 | आरसीबी | 6 | 1 | 5 | 0 | -1.124 | 2 |

### स्कोर बोर्ड

**पंजाब : 147/8 (20 ओवर)**

| | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| अथर्व का. कुलदीप बो. आवेश | 15 | 12 | 2/0 |
| बेयरस्टो का. हेटमायर बो. महाराज | 15 | 19 | 1/0 |
| प्रभसिमरन का. ध्रुव बो. चहल | 10 | 14 | 1/0 |
| कुर्रन का. ध्रुव बो. महाराज | 06 | 10 | 0/0 |
| जितेश का. पराग बो. आवेश | 29 | 24 | 1/2 |
| शशांक का. ध्रुव बो. कुलदीप | 09 | 09 | 1/0 |
| लिविंगस्टोन रन आउट | 21 | 14 | 2/1 |
| आशुतोष का. महाराज बो. बोल्ट | 31 | 16 | 1/3 |
| हरप्रीत बराड़ अविजित | 03 | 03 | 0/0 |

अतिरिक्त : 8 (लेबा-2, वा-5 नोबा-1), कुल : 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन, विकेट पतन : 1-27 (तायडे, 3.4), 2-41 (प्रभसिमरन, 6.3), 3-47 (बेयरस्टो, 7.6), 4-52 (कुर्रन, 9.3), 5-70 (शशांक, 12.1), 6-103 (जितेश, 16.1), 7-122 (लिविंगस्टोन, 17.5), 8-147 (आशुतोष, 19.6) गेंदबाजी : ट्रेंट बोल्ट 4-0-22-1, कुलदीप 4-0-35-1, आवेश 4-0-34-2, चहल 4-0-31-1, केशव महाराज 4-0-23-2

**राजस्थान : 152/7 (19.5 ओवर)**

| | रन | गेंद | 4/6 |
|---|---|---|---|
| जायसवाल का. हर्षल बो. रबाडा | 39 | 28 | 4/0 |
| तनुश कोटियन बो. लिविंगस्टोन | 24 | 31 | 3/0 |
| संजू सैमसन एलबीडब्ल्यू बो. रबाडा | 18 | 14 | 1/1 |
| रियान का. रबाडा बो. अर्शदीप | 23 | 18 | 1/1 |
| ध्रुव जुरैल का. शशांक बो. हर्षल | 06 | 11 | 0/0 |
| शिमरोन हेटमायर अविजित | 27 | 10 | 1/3 |
| रोवमैन पावेल का. जितेश बो. कुर्रन | 11 | 05 | 2/0 |
| महाराज का. लिविंगस्टोन बो. कुर्रन | 01 | 02 | 0/0 |
| ट्रेंट बोल्ट अविजित | 00 | 00 | 0/0 |

अतिरिक्त : 3 (वा-3), कुल : 19.5 ओवर में सात विकेट पर 152 रन, विकेट पतन : 1-56 (कोटियन, 8.2), 2-82 (जायसवाल, 11.4), 3-89 (सैमसन, 13.2), 4-113 (रियान, 16.4), 5-115 (ध्रुव, 17.2), 6-136 (पावेल, 18.3), 7-138 (महाराज, 18.6), गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 3.5-0-45-1, रबाडा 4-0-18-2, सैम कुर्रन 4-0-25-2, लिविंगस्टोन 3-0-21-1, हर्षल पटेल 2-0-21-1, बराड़ 3-0-22-0

**शिखर की खली कमी :** अभ्यास के दौरान कंधे में चोट लगने की वजह से शिखर धवन इस मैच में नहीं खेले। उनकी जगह सैम कुर्रन ने पंजाब किंग्स की अगुआई की। जानी बेयरेस्टो के साथ शिखर के स्थान पर शनिवार को अथर्व तायडे किंग्स के लिए प्रारंभिक बल्लेबाज के रूप में उतरे। शिखर की अनुपस्थिति में एकबार फिर टीम के शीर्षक्रम ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। केवल 70 रन पर पंजाब की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी।

**निचलेक्रम ने फिर बचाई लाज :** पंजाब किंग्स के लिए इस सत्र में बल्लेबाजी का दायित्व उनके निचले क्रम के बल्लेबाजों ने ही उठा रखा है। एक बार फिर शीर्षक्रम के फ्लाप होने के बाद उन्होंने टीम को एक संघर्षपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। टीम के विकेटकीपर जितेश शर्मा ने विकेट गिरने के बावजूद आक्रामक रवैया में कोई परिवर्तन नहीं किया। उनके साथ पहले लिविंगस्टोन और अंत में आशुतोष शर्मा ने भी कुछ बड़े शाट लगाए और टीम की लाज बचाई। लिविंगस्टोन ने जितेश के साथ सातवें विकेट के लिए 33 रन और आशुतोष शर्मा के साथ आठवें विकेट के लिए 19 रन जोड़े। इस दौरान जितेश ने दो और आशुतोष ने तीन छक्के जड़े।

# हराने वाले पर अब जिताने का दारोमदार

विशाल श्रेष्ठ ● जागरण

**कोलकाता :** टीम बदल गई है लेकिन जिम्मेदारी वही है। अपने मार्गदर्शन में आइपीएल की नई नवेली टीम लखनऊ सुपरजायंट्स के हाथों अनुभवी कोलकाता नाइटराइडर्स को तीन-तीन बार हराने वाले गौतम गंभीर पर इस बार उसी लखनऊ को हराने का दारोमदार है। रविवार को ईडन गार्डेंस स्टेडियम में नाइटराइडर्स सुपर जायंट्स पर पहली जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। दूसरी ओर केएल राहुल की कप्तानी वाली लखनऊ भी कोलकाता के विरुद्ध अपना शत प्रतिशत जीत का रिकार्ड कायम रखने को कोई कसर नहीं छोड़ेगी। कोलकाता के लिए एक बड़ा लाभ यह है कि आरंभिक दो सत्र लखनऊ के मेंटर रहे गंभीर उसके मजबूत व कमजोर पक्षों को बखूबी जानते हैं। इस बारे में गंभीर से पूछने पर उन्होंने चुटकीले अंदाज में कहा कि लखनऊ भी उन्हें उतना ही जानती है, जितना वे उसे। गंभीर के मार्गदर्शन में लखनऊ दोनों वर्षों में प्लेआफ में पहुंची थी।

**अहम है जीत :** सत्र भले अभी आरंभिक चरण में है, लेकिन कोलकाता के लिए यह मैच अहम है। कारण, पिछले कुछ सत्रों में देखा गया है कि अच्छी शुरुआत के बाद लगातार एक-दो हार से कोलकाता की लय इस कदर बिगड़ गई कि वह खिताबी दौड़ से ही बाहर हो गई। कोलकाता ने वर्तमान सत्र के पहले तीन मैच जीतकर शानदार शुरुआत की है, लेकिन चेन्नई ने उसे पहला झटका दे दिया है। कोलकाता अपने घरेलू मैदान से जीत की राह पर लौटना चाहेगी।

**बदलाव की गुंजाइश :** एक हार को लेकर कोलकाता की बल्लेबाजी पर सवाल उठाना सही नहीं होगा क्योंकि शाह रुख खान की टीम ने सत्र के पहले तीन मैचों में दो बार 200 रनों का आंकड़ा पार किया है। दिल्ली के विरुद्ध तो उसने 272 रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया था, हालांकि इसके बावजूद उसके मध्यक्रम में बदलाव की गुंजाइश दिख रही है। वेंकटेश अय्यर और रमनदीप सिंह मध्यक्रम को संभाल नहीं पा रहे। कप्तान श्रेयस अय्यर भी अब तक खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं।

श्रेयस अय्यर ● फाइल फोटो, प्रेट्र

**रसेल-रिंकू से भारी उम्मीदें :** ईडन में हर बार की तरह आंद्रे रसेल व रिंकू सिंह से विस्फोटक पारियों की उम्मीदें होंगी। रसेल ने यहां सत्र के पहले ही मैच में 25 गेंदों पर 64 रनों की आतिशी पारी खेली थी। रिंकू का जौहर दिखना अभी बाकी है। सलामी बल्लेबाज के तौर पर सुनील नारायण ने काफी प्रभावित किया है, हालांकि साथी सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ज्यादा प्रभावी नजर नहीं आए हैं।

**लखनऊ को दिखाना होगा दम:** कप्तान केएल राहुल को अच्छी शुरुआत तो मिली है लेकिन वे उन्हें बड़ी पारियों में बदल नहीं कर पाए हैं। क्विंटन डिकाक का बल्ला दो मैच में गरजकर खामोश हो गया है। देवदत्त पडिक्कल अब तक फ्लाप रहे हैं। आयुष बडोनी भी बड़ा कमाल नहीं कर पाए हैं। लखनऊ के मध्यक्रम का दारोमदार निकोलस पूरन व मार्कस स्टोइनिस पर है। लखनऊ के लिए एक बड़ा झटका कूल्हे में जकड़न की वजह से तेज गेंदबाज मयंक यादव का मैच नहीं खेल पाना है, ऐसे में तेज गेंदबाज नवीन उल हक व यश ठाकुर पर बहुत दारोमदार होगा। स्पिनर रवि बिश्नोई को भी विकेट चटकाने होंगे।

**महंगे साबित हो रहे स्टार्क :** 24.75 करोड़ के मिशेल स्टार्क कोलकाता के लिए महंगा सौदा लगने लगा है। उन्होंने पिछले चार मैचों में सिर्फ दो विकेट लिए हैं। तीन मैचों में तो वे एक भी विकेट नहीं निकाल पाए हैं। गंभीर हालांकि उनके समर्थन में हैं।

## मुंबई के विरुद्ध मैच में धौनी पर होंगी नजरें

**मुंबई, प्रेट्र :** गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और मेजबान मुंबई इंडियंस इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रविवार को आमने-सामने होंगी तो नजरें महेंद्र सिंह धौनी पर रहेंगी जिनका वानखेड़े स्टेडियम पर संभवतः यह अंतिम मैच होगा। सीएसके पहली बार मुंबई में धौनी की कप्तानी के बिना खेलेगी। नवंबर 2005 के बाद किसी भी टीम के साथ केवल एक खिलाड़ी के रूप में वह यहां पहली बार खेलेंगे। 42 वर्ष की आयु में भी विकेट के पीछे धौनी कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं और खेल की उनकी समझ का कोई सानी नहीं है। चेन्नई को आशा है कि बाहरी मैदान पर इस सत्र में खराब रिकार्ड सुधारने में धौनी का रणनीतिक कौशल काम आएगा। मुंबई के विरुद्ध पिछले पांच मैचों में चेन्नई ने चार जीते हैं। पांच-पांच बार आइपीएल खिताब जीत चुकी टूर्नामेंट की दो सबसे सफल टीमों के कप्तान इस बार बदले हैं। मुंबई ने रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया जबकि चेन्नई की कमान धौनी ने रुतुराज गायकवाड़ को दी है। दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करने के बाद रायल चैलेंजर्स बेंगलोर के विरुद्ध 200 के करीब का लक्ष्य प्राप्त करने वाले मुंबई के बल्लेबाजों को रोकना चेन्नई के गेंदबाजों के लिए कठिन चुनौती होगी। खराब शुरुआत के बाद पांड्या की मुंबई इंडियंस ने वापसी की है।

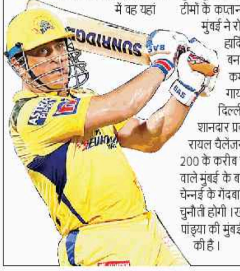

### एक नजर में

**राधिका को रजत, शिवानी को कांस्य पदक मिला**

**बिश्केक :** एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय पहलवान राधिका ने शनिवार को यहां महिलाओं की 68 किलो वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया जबकि शिवानी पवार ने कांस्य पदक जीता। एशियाई चैंपियनशिप में राधिका का यह दूसरा पदक है। स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह जापान की नोनोका ओजाकी से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गईं। शिवानी (50 किलो) ने मंगोलिया की डोल्गोजाव को 9-7 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। (प्रेट्र)

**ओलिंपिक क्वालीफायर के लिए अमित पंघाल की वापसी**

**नई दिल्ली :** विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल की 25 मई से दो जून तक बैंकाक में होने वाले आखिरी ओलिंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने पिछले क्वालीफायर में भाग लेने वाली भारतीय टीम में छह बदलाव किए है। भारतीय मुक्केबाजों ने पिछले ओलिंपिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। (प्रेट्र)

**पोलैंड व जापान बिली जीन किंग कप के फाइनल में**

**लंदन :** विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विट्जरलैंड की सेलीन नेफ को 6-4, 6-3 से हराकर पोलैंड को पांच मैचों के क्वालीफाइंग में 3-0 की अजेय बढ़त के साथ बिली जीन किंग कप फाइनल में पहुंचा दिया। जापान ने कजाखस्तान को हराकर बिली जीन किंग कप के फाइनल्स में प्रवेश कर लिया। आस्ट्रेलिया और स्लोवाकिया भी अपने-अपने मैच जीतकर फाइनल में पहुंच गए। (एपी)

**अंकिता की हार से भारत प्लेआफ में पहुंचने से चूका**

**चांग्शा :** अनुभवी टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना दूसरा सिंगल्स गंवाने के बाद अपनी जोड़ीदार प्रार्थना थोंबारे के साथ निर्णायक डबल्स मैच हार गईं, जिससे भारत न्यूजीलैंड से 1-2 से पिछड़कर बिली जीन किंग कप के प्लेआफ में जगह बनाने के ऐतिहासिक मौके से चूक गया। भारत टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहकर एशिया/ओशिनिया ग्रुप एक में बना रहा। (प्रेट्र)

# पोंटिंग के सुझाव से खेली अच्छी पारी : मैकगर्क

**आइपीएल डायरी**

**लखनऊ, प्रेट्र :** दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क ने बताया कि आइपीएल के पदार्पण मैच का दबाव वह केवल कोच रिकी पोंटिंग के कारण झेल सके। पोंटिंग ने उन्हें गेंद को सही टाइम करने और बल्ले के बीचोंबीच खेलने का सुझाव दिया था।

गुरुवार को 22 वर्ष के होने वाले मैकगर्क ने शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स के विरुद्ध पदार्पण किया। लिस्ट ए मैच में 29 गेंदों में सबसे तेज शतक लगाने वाले मैकगर्क ने 35 गेंदों में 55 रन बनाकर टीम को छह विकेट से जीत दिलाई, जिससे दिल्ली को अंक तालिका में बढ़त मिली। उन्होंने कहा, 'मैं आक्रामक बल्लेबाज हूं, लेकिन बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले पोंटिंग ने सुझाव दिया था कि गेंद को टाइम करने और बल्ले के बीच से खेलने की कोशिश करना और केवल जोरदार शाट लगाने का प्रयास मत करना। मैं उनके सुझाव के कारण ही अच्छी पारी खेल सका और आशा करता हूं कि ऐसी ही बल्लेबाजी आगे कर सकूंगा।' उन्होंने पारी की दूसरी गेंद पर ही यश ठाकुर को छक्का लगाया और इसके बाद अरशद खान को 96 मीटर का लंबा छक्का भी लगाया।

जेक फ्रेजर मैकगर्क ● फाइल फोटो, आइपीएल

**बडोनी बोले, राहुल व लैंगर के उत्साहवर्धन से प्रेरणा मिली :** लखनऊ सुपरजाइंट्स के युवा बल्लेबाज आयुष बडोनी ने कहा कि कप्तान केएल राहुल और कोच जस्टिन लैंगर ने खराब प्रदर्शन के बावजूद उन पर भरोसा बनाए रखा, जिससे वह दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध अच्छा प्रदर्शन कर सके। बडोनी ने 35 गेंदों में 55 रन बनाए, जिसकी मदद से लखनऊ ने सात विकेट पर 167 रन बनाए। दिल्ली ने 11 गेंदें शेष रहते लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

बडोनी ने कहा, 'सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं हुई लेकिन मैं नेट्स पर अच्छा अभ्यास कर रहा था। मैं केएल राहुल और जस्टिन लैंगर को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने लगातार मेरा उत्साहवर्धन किया।' मैं बल्लेबाजी करते समय देर तक टिककर आक्रामक खेलने के बारे में सोच रहा था। मुझे लगता है कि हम 20 रन पीछे रह गए।'

# टी-20 में एक ओवर में छह छक्के जड़ने वाले तीसरे खिलाड़ी बने ऐरी

**अल अमेरात, प्रेट्र :** नेपाल के आक्रामक बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी शनिवार को टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में एक ही ओवर में छह छक्के लगाने वाले विश्व के तीसरे खिलाड़ी बन गए। ऐरी ने एसीसी प्रीमियर कप टी-20 मैच में कतर के विरुद्ध यह कारनामा किया। ऐरी इसी के साथ युवराज सिंह (स्टुअर्ट ब्राड के विरुद्ध टी-20 विश्व कप 2007) और किरोन पालार्ड (2021 श्रीलंका में अकिला धनंजय के विरुद्ध) के बाद छह छक्के जड़ने वाले खिलाड़ियों की विशेष सूची में शामिल हो गए।

24 वर्षीय ऐरी ने 304.76 के स्ट्राइक रेट से 21 गेंदों में चार चौके और सात छक्कों की मदद से अविजित 64 रन बनाए। वहीं, आसिफ शेख ने 52 रन की पारी खेलकर नेपाल को 210/7 स्कोर तक पहुंचाया। इससे पहले, उन्होंने शुक्रवार को पहले मैच में मलेशिया को पांच विकेट से हराया था। नेपाल के ऐरी विश्व के पांचवें ऐसे खिलाड़ी बन गए, जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह कारनामा किया है।

# अंतिम समय में नाम वापसी पर लगे प्रतिबंध

**सुनील गावस्कर**
**कलम से**

आइपीएल अपने तीसरे सप्ताह में है और अंतिम गेंद पर निर्णय आने वाले कुछ रोमांचक मुकाबले हो चुके हैं। यही चीज इस टूर्नामेंट को इतनी रोमांचक बनाती है। निश्चित रूप से कुछ आसान जीतें भी मिली हैं, विशेषकर जैसे मुंबई इंडियंस ने रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 'धोबी घाट' समझकर अच्छे से धोया। दिल्ली कैपिटल्स ने भी लखनऊ में सुपरजायंट्स को आसानी से हराया और अपने घरेलू मैदान पर 160 से अधिक स्कोर का बचाव करने वाले एलएसजी के मिथक को तोड़ दिया।

जो सबसे प्रभावशाली रहा वह यह है कि मैच के बाद प्रेजेंटेशन समारोह में विभिन्न फ्रेंचाइजी के भारतीय कप्तानों ने कैसे उत्तर दिए। वे स्पष्टवादी रहे हैं, उन्होंने अपनी टीम की जीत या हार के बारे में सराहनीय तरीके से बात की है और आम तौर पर खुद को इतनी शालीनता और अच्छे हास्य के साथ संचालित किया है कि प्रस्तुति में उन्हें सुनना एक वास्तविक आनंद रहा है। मुंबई इंडियंस के कप्तान न होते हुए भी जसप्रीत बुमराह ने जैसा बताया कि हर मैच को वह किस तरह से लेते हैं, बहुत ही आनंददायक था। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह न केवल आज खेल के सभी प्रारूपों के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं, बल्कि एक दुर्लभ और बुद्धिमान सोच वाले तेज गेंदबाज भी हैं।

अगले वर्ष के आइपीएल के लिए मेगा नीलामी का रोड मैप तैयार करने के लिए बीसीसीआइ शीघ्र ही विभिन्न फ्रेंचाइजी के मालिकों के साथ एक बैठक करेगा। इसमें रिटेंशन की संख्या, वेतन सीमा और आइपीएल को पहले से भी बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। हालांकि, एक बात जिस पर बीसीसीआइ जोर दे सकता है, वह यह है कि उन सभी खिलाड़ियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाए, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर अंतिम समय में आइपीएल से नाम वापस ले लिया है। आज पूरे अंतरराष्ट्रीय सत्र के साथ-साथ विभिन्न टी20 लीगों का कार्यक्रम पहले से ही पता होता है और इसलिए थकान या कुछ और का हवाला देकर आइपीएल से हटना पूरी तरह से अमान्य होना चाहिए। यदि चोट लगने या परिवार में किसी के गंभीर रूप से अस्वस्थ होने के कारण वापसी होती है तो यह ठीक है, लेकिन मामूली निजी कारणों से ऐन वक्त पर आइपीएल से हटना बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

आइपीएल का दूसरा पहलू जिस पर सख्ती की जा सकती है, वह है फ्रेंचाइजी की वेतन सीमा। अगले वर्ष सभी टीमों की कुल वेतन सीमा में बढ़ोतरी हो सकती है। किसी भी परिस्थिति में वेतन सीमा का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। खिलाड़ियों का स्थानांतरण समझ में आता है और इसे फ्रेंचाइजी की कुल वेतन सीमा के भीतर देखा जा सकता है और यह सार्वजनिक है, एक खिलाड़ी का एक फ्रेंचाइजी से दूसरे फ्रेंचाइजी में व्यापार केवल दो फ्रेंचाइजी और बीसीसीआइ को पता है। लेकिन क्या होगा यदि ट्रेड का पैसा फ्रेंचाइजी की कुल वेतन सीमा से अधिक हो जाए? इसके बारे में बीसीसीआइ को ध्यान देना होगा।

# वुड्स को रिकार्ड 24वीं बार अगस्ता मास्टर्स के कट में मिला प्रवेश

**खेल डायरी**

**भारतीय मूल के अमेरिकी भाटिया और थीगाला ने भी कट में बनाई जगह, भाटिया संयुक्त 30वें और थीगाला संयुक्त 35वें स्थान पर**

**अगस्ता, प्रेट्र :** अमेरिकी गोल्फर टाइगर वुड्स ने रिकार्ड लगातार 24वीं बार अगस्ता मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाई। वह संयुक्त 22वें स्थान पर हैं। टूर्नामेंट से पहले वुड्स के नाम 23 बार कट में जगह बनाने का रिकार्ड था। उनके अतिरिक्त फ्रेड कपल्स और गैरी प्लेयर के नाम भी इतनी ही बार कट में जगह बनाने का रिकार्ड था।

भारतीय मूल के अमेरिकी अक्षय भाटिया और साहित थीगाला ने भी तेज हवाओं के बीच अच्छा प्रदर्शन करते हुए 88वें अगस्ता मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दिन कट में प्रवेश कर लिया। पिछले सप्ताह वालेरो टैक्सास ओपन जीतने वाले 22 वर्ष के भाटिया संयुक्त 30वें और थीगाला संयुक्त 35वें स्थान पर हैं।

टाइगर वुड्स ● फाइल फोटो

**कैंडिडेट्स शतरंज में भारतीय अभी भी दौड़ में बरकरार :** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद और डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में जब अपने अभियान का फिर से शुरुआत करेंगे तो रूस के नेपोम्नियाश्चि को पीछे छोड़ने पर फोकस रहेगा। प्रगनानंद का सामना फ्रांस के फिरोजा से है जबकि गुकेश की टक्कर हमवतन विदित गुजराती से होगी। महिला वर्ग में भारतीय खिलाड़ी अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सकीं हैं। कोनेरू हंपी और आर वैशाली के 2.5 अंक हैं।

# जाबी की फुटबाल समझ विशेष, कोच के रूप में रचेंगे इतिहास : पिजारो

**बायर्न म्यूनिख के पूर्व स्टार स्ट्राइकर क्लाउडियो पिजारो शनिवार को पहली बार भारत पहुंचे। वह बुंडिसलीगा और चैंपियंस लीग जैसे बड़े टूर्नामेंट में अपना लोहा मनवाने वाले विश्व के सबसे सफल दक्षिण अमेरिकी फुटबालर रहे हैं। पिजारो ने बताया कि 42 मैचों से अजेय बायर लिवरकुसेन के वर्तमान कोच जाबी आलोंसो के पास फुटबाल की विशेष समझ है। उनके अनुसार जाबी आगामी वर्षों में कोच के रूप में इतिहास रचेंगे। रविवार को बुंडिसलीगा में बायर लिवरकुसेन को वर्डर ब्रेमेन से भिड़ना है। इसका प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। बुंडिसलीगा, चैंपियंस लीग और यूरो 2024 को लेकर सुकांत सौरभ ने क्लाउडियो पिजारो से विशेष वातचीत की, पेश हैं मुख्य अंश :**

**साक्षात्कार**

● **जाबी आलोंसो में ऐसी क्या विशेषता है कि उनकी टीम 42 मैचों से अजेय है और पहली बार बुंडिसलीगा खिताब की ओर अग्रसर है?**

-मैं उन्हें अच्छे से जानता हूं। बायर्न म्यूनिख में मैं उनके साथ खेल चुका हूं। तब खेलने के दौरान भी उन्हें पता था कि वह एक दिन कोच बनेंगे। खिलाड़ी के रूप में भी उनमें फुटबाल की एक विशेष समझ थी। सभी को पता था कि एक दिन वह बहुत सफल कोच बनेंगे। मैं बहुत खुश हूं कि यह सत्र उनके लिए इतना बढ़िया रहा है। लिवरकुसेन के इतिहास में उन्होंने अपना नाम दर्ज करा लिया है। आगे आने वाले वर्षों में वह कोच के रूप में इतिहास रचेंगे। अगले वर्ष चैंपियंस लीग से पहले वे अपनी टीम में कुछ अच्छे खिलाड़ी अवश्य जोड़ेंगे। अगले वर्ष उनकी टीम चैंपियंस लीग में भी प्रभावित करेगी।

● **जाबी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अगले वर्ष तक लिवरकुसेन के साथ रहेंगे। ऐसे में अब बायर्न म्यूनिख के अगले कोच के विकल्प और कौन हो सकते हैं?**

-यह बहुत कठिन प्रश्न है। हमने पहले सोचा था कि जाबी आलोंसो बायर्न के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प हो सकते हैं। अब यह संभव नहीं इसलिए जो मैंने सुना है उस अनुसार टीम पूर्व कोच जूलियन नागल्समैन की ओर फिर रूख कर सकती है। वे क्लब को अच्छे से समझते हैं। उनके अलावा जिनेदिन जिदान भी विकल्प हो सकते हैं, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय क्लब के प्रबंधन को ही लेना है।

● **चैंपियंस लीग के दूसरे चरण में एटलेटिको को घर पर दो गोल के अंतर से हराने के लिए डार्टमंड की क्या रणनीति होगी?**

-बुंडिसलीगा और डार्टमंड के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होगा कि वे घर पर वापसी करें। घर पर खेलने के कारण उनके पास अच्छा अवसर होगा। फुलक्रुग इस मुकाबले में बहुत महत्वपूर्ण होंगे। मैं उनके साथ वर्डन ब्रेमेन में खेल चुका हूं। वह भी अच्छी लय में हैं। न केवल डार्टमंड उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए भी इधर गोल दागे हैं। उनके अलावा अनुभवी हुमल्स पर भी सभी की नजरें होंगी।

● **आर्सेनल के विरुद्ध चैंपियंस लीग के दूसरे चरण के मुकाबले में बायर्न म्यूनिख के लिए सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी कौन साबित होंगे?**

-लंदन में बायर्न म्यूनिख ने जैसा खेल दिखाया है, उनके पास बहुत ही सुनहरा अवसर है कि वह जीत प्राप्त कर सेमीफाइनल में पहुंचें। आर्सेनल के विरुद्ध उन्होंने अपने प्रदर्शन से बहुत प्रभावित किया था। बायर्न को घर पर हराना आसान नहीं होता है। वह इस मैच में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे। आर्सेनल भी कोई कमजोर टीम नहीं है। यह मुकाबला बहुत ही रोमांचक होने वाला है। इस मैच में बायर्न म्यूनिख के युवा स्ट्राइकर जमाल मुसियाला बहुत महत्वपूर्ण होंगे। वह एक अद्भुत युवा प्रतिभा हैं। चैंपियंस लीग के आगामी मुकाबलों में भी वह इसे प्रदर्शित करेंगे।

● **यूरो 2024 में कौन सी टीम छुपारुस्तम और कौन प्रबल दावेदार साबित होगी?**

-मेरे अनुसार इस टूर्नामेंट में फ्रांस सबसे प्रबल दावेदार होगा। जर्मनी को घर पर खेलने का लाभ मिलेगा और वह भी दावेदार के रूप में ही उतरेंगे। उनके अलावा इंग्लैंड पर भी सभी की नजरें होंगी। ये कुछ टीमें हैं जो यूरो 2024 में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगी। अगर छुपारुस्तम की बात करूं तो मुझे लगता है कि आस्ट्रिया बड़ी टीमों को चौंकाने की क्षमता रखती है।

********

यह सच है कि एआइएमआइएम जितनी सीटों पर चुनाव लड़ हैं, उसकी तुलना में हमें सफलता नहीं मिल रही है, लेकिन मजलिस के चुनाव लड़ने से अल्पसंख्यकों को कम से कम एक महत्व तो मिल ही रहा है।



# देश में कभी भी मुस्लिम वोट बैंक नहीं था, केवल हिंदू वोट बैंक है

**सप्ताह का साक्षात्कार**

मुस्लिम राजनीतिक पार्टी आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तिहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) का नाम आते ही **असदुद्दीन ओवैसी** की छवि दिमाग में आ जाती है। उन्होंने चार लोकसभा चुनाव जीते हैं। अपनी पार्टी को आंध्र प्रदेश (और अब तेलंगाना) की सीमाओं से बाहर ले जाकर सक्रिय करने का श्रेय उन्हें ही जाता है। उन्होंने राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकाय चुनावों में भी जीत हासिल की है। वह एक शिक्षित, सक्षम और व्यापक अध्ययन वाले मुस्लिम नेता हैं। मुसलमानों के मुद्दों को संसद के अंदर और बाहर पूरी ताकत और तर्कों के साथ उठाते हैं। उनकी राजनीतिक शैली से कुछ वर्ग असहमत हो सकते हैं, लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि मुस्लिम मुद्दों पर उनकी जैसी तर्कपूर्ण आवाज उठाने वाला दूर-दूर तक कोई नहीं है। उन्होंने सदन का अधिकतम समय मुस्लिम मुद्दों को उठाने में लगाया है। एक अंग्रेजी दैनिक द्वारा भारत के 100 सबसे शक्तिशाली लोगों की सूची में उन्हें 78वां स्थान दिया गया है। जाने-माने वकील हरीश साल्वे, शशि थरूर, शरद पवार, लुलु ग्रुप के चेयरमैन यूसुफ अली, रामदेव और अमिताभ बच्चन भी इस सूची में उनके बाद हैं। 2024 के आम चुनाव के संदर्भ में दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन उर्दू दैनिक इंकिलाब के संपादक **वदूद साजिद** ने उन से कई अहम सवालों पर विस्तार बातचीत की है। प्रस्तुत है उस बातचीत के प्रमुख अंश :

**● आम धारणा यह है कि आपके मैदान में उतरने से भाजपा को फायदा हो जाता है?**

– यह कहना सही नहीं है कि भाजपा हमारी वजह से सफल हो रही है या हम उसे रोक सकते हैं। अगर हमें भाजपा को रोकना है तो सबको मिलकर रोकना होगा। लालू प्रसाद ने दो-दो बार भाजपा को बिहार सौंपा। इस पर कोई उंगली नहीं उठाता। कोई उन्हें भाजपा का एजेंट नहीं कहता। मुसलमान उनसे सवाल नहीं करते। भारत के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय (मुसलमानों) को इस तथ्य को समझना होगा कि सत्ता के सदनों में अपनी आवाज उठाने के लिए उन्हें अपना नेतृत्व खड़ा करना होगा।।

**● क्या मुसलमानों की अलग राजनीतिक पहचान से धर्मनिरपेक्षता को नुकसान नहीं पहुंचेगा?**

– यह बहुत दुखद है कि केवल चुनाव के समय हमें धर्मनिरपेक्षता को जीवित रखने का संदेश दिया जाता है। मैं राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता को कभी स्वीकार नहीं करता। मैं उस धर्मनिरपेक्षता को मानता हूं जिसका उल्लेख संविधान में है। मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हमेशा हमें धोखा दिया गया और राजनितिक बंधक बनाकर रखा गया। मौलाना अबुल कलाम आजाद को रामपुर से चुनाव लड़ना पड़ा। आज स्थिति यह है कि कोई मुसलमानों का नाम तक नहीं लेता। जब मुस्लिम नेतृत्व स्थापित करने की बात आती है, तो इसे देश के विभाजन से जोड़ा जाता है। जबकि इतनी बड़ी संख्या में जो मुसलमान भारत में रह गए, उन्होंने जिन्ना के द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को ठुकरा दिया। मुसलमानों का पिछड़ापन दूर करने के लिए जरूरी है कि उनका अपना नेतृत्व हो।

**● लेकिन भाजपा वंचित मुसलमानों के हितों की बात तो करती है?**

– उत्तर प्रदेश में कुरैशी समुदाय का कारोबार तबाह कर दिया गया। एक सजायाफ्ता कैदी (अतीक अहमद) को पुलिस की मौजूदगी में गोली मार दी जाती है। एक सजायाफ्ता विधायक (मुख्तार अंसारी) को जहर दे दिया जाता है। पत्नी के नाम पर बने मकान को सरकार पति से बदला लेने के लिए तोड़ देती है। केवल पिछड़े मुसलमानों पर ही अत्याचार किया जा रहा है। यूएपीए के तहत सब से ज्यादा अल्पसंख्यकों को जेलों में ठूंसा गया। यूपी में मुसलमानों में ड्रापआउट दर सबसे ज्यादा है। उच्च शिक्षा में सबसे अधिक वही नदारद हैं। सरकार अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक दर्जे को नहीं मानती। जब सीएए को एनआरसी से जोड़ा जाएगा तो इस देश में मुसलमानों का क्या होगा। एनआरसी नियमों के अनुसार स्थानीय वार्ड स्तर पर भी कोई भी व्यक्ति जनसंख्या रजिस्टर में दर्ज किसी भी नाम पर आपत्ति कर सकता है, लेकिन अपनी भारतीय पहचान का सुबूत देने की जिम्मेदारी प्रभावित व्यक्ति की होगी।

**● क्या प्रधानमंत्री आवास योजनाओं से मुसलमानों को फायदा नहीं हुआ?**

– तो क्या मुसलमानों पर कोई उपकार किया गया है? मैं उनसे नाम पूछ रहा हूं कि किन-किन मुसलमानों को आवास योजना से लाभ हुआ है, उनकी सूची दीजिए, लेकिन वे जवाब में कहते है कि हमारे पास ऐसा कोई रिकार्ड नहीं है।

**● आपने यूएपीए जैसे कानून का जिक्र किया, जब ऐसे कानून बनते हैं तो क्या ये सेक्युलर पार्टियां इसके खिलाफ आवाज नहीं उठातीं?**

– जब यूएपीए कानून बन रहा था तो सभी सेक्युलर पार्टियों ने इसका समर्थन किया था, मैं चिल्लाता रहा कि इस कानून का निशाना हम ही होंगे, आप देखिए, पांच-पांच साल जेलों में कौन सड़ रहा है। यह दुनिया का सबसे क्रूर कानून है। दुनिया के सभी प्रमुख देशों में हिरासत की अवधि हमारे देश में (120 दिन) जितनी नहीं है। यह दुखद है कि इसके खिलाफ कोई आवाज नहीं उठाई जा रही है।

**● उत्तर प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी होने के बावजूद मुस्लिम नेतृत्व क्यों नहीं उभर पाया?**

– उत्तर प्रदेश में जानबूझ कर मुस्लिम नेतृत्व को खत्म किया गया। मुख्तार अंसारी को जेल में 'स्लो पाइजन' देकर मार दिया गया, वहीं दूसरी ओर अखिलेश यादव ने डा. एसटी हसन को भी 'स्लो पाइजन' दे दिया। उनकी इतनी बेइज्जती की गई कि बी फार्म दो लोगों को दे दिया गया। एक तरफ मुस्लिम नेताओं को जहर देकर शारीरिक रूप से मारा जा रहा है और दूसरी तरफ उन्हें जहर देकर राजनीतिक तौर पर मारा जा रहा है।

**● इसमें समस्या कहां है?**

– कठिनाई यह है कि हमने इसके महत्व को नहीं समझा। देश में अब तक हुए 17 संसदीय चुनावों में मुसलमानों ने किसी भी सांप्रदायिक पार्टी या सांप्रदायिक उम्मीदवार को वोट नहीं दिया। फिर भी हमारा आर्थिक और सामाजिक पिछड़ापन बढ़ रहा है। जेलों में हम अपने अनुपात से ज़्यादा हैं। इसका सीधा संबंध इस तथ्य से है कि हमारा कोई नेतृत्व नहीं है। अब तो हमारा वोट भी महत्वपूर्ण नहीं है। 2014 में मोदी को 31 प्रतिशत वोट मिले थे, 2019 में 37 प्रतिशत मिले। सीएसडीएस के आंकड़े कहते हैं कि सभी बहुसंख्यक समुदायों में मोदी का वोट प्रतिशत बढ़ा है, केवल मुस्लिम समुदाय का सात प्रतिशत पर ही रहा।

**● क्या स्थितियां सचमुच इतनी विकट हैं? क्या मुसलमानों ने किसी भी क्षेत्र में प्रगति नहीं की है?**

– इस देश में मुसलमानों के मध्यम और पिछड़े वर्ग ने अगर व्यापार, खेल और शिक्षा में कोई मुकाम हासिल किया है तो वह अपनी मेहनत, खोज और संघर्ष से हासिल किया है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में मुसलमानों को आरक्षण मिला लेकिन अन्य राज्यों में क्या हुआ। अन्य वर्गों को वोट के बदले ठेका मिलता है। मुस्लमान को क्या मिलता है?

**● पिछले दस वर्षों में मजलिस इत्तिहाद-उल-मुस्लिमीन ने कई राज्यों में चुनाव लड़ा, आपको बिहार में भी महत्वपूर्ण सफलता मिली, क्या कोई जमीन विकसित हुई है और क्या आपकी पार्टी को मुसलमानों के बीच कुछ स्वीकार्यता मिल रही है?**

– स्वीकार्यता तो मिल रही है लेकिन यह इस बात की गारंटी नहीं है कि यह वोट में भी तब्दील होगी, यह हमारे लिए एक चुनौती है। बिहार में हमारे पांच उम्मीदवार उस क्षेत्र से जीते जो भारत का सबसे पिछड़ा क्षेत्र है।

**● लेकिन उन्होंने तो आपको छोड़ दिया?**

– हमारी सफलता से भाजपा और सभी तथाकथित सेक्युलर पार्टियों को भी तकलीफ होने लगी, इसलिए उन्होंने हमारे चार आत्महीन लोगों को खरीद लिया, लेकिन हमारा मनोबल नहीं गिरा। हम ने हिम्मत नहीं हारी।

**● उप्र में पल्लवी पटेल के साथ आपका समझौता हो गया है। दलित-मुस्लिम गठबंधन की आपकी कोई योजना है?**

– बड़े पैमाने पर ऐसा मोर्चा बनाना कोई आसान काम नहीं है। यह एक बड़ी चुनौती है। इससे पहले 2019 में भी हमने बाबू सिंह कुशवाहा और प्रकाश अंबेडकर के साथ प्रयास किया था। मैं मानता हूं कि अगर दलित-मुस्लिम गठबंधन होता है तो यह कमजोर लोगों का स्वाभाविक गठबंधन होगा। सारे कमजोर वर्ग एक साथ आएंगे तो देश के लिए अच्छा होगा।

**● आप इन प्रयासों में अब तक सफल क्यों नहीं हो पाए? क्या दलित वर्ग में आपको स्वीकार्यता नहीं मिली ?**

– एक कठिनाई यह भी है कि दलित वर्गों का भी कोई राजनीतिक नेतृत्व नहीं है। इन दोनों वर्गों को इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि यदि आप अपने नेतृत्व को अपने हाथों से मजबूत नहीं करते हैं, तो शोषण और उत्पीड़न होगा, इस स्थिति में आपको अपना उचित अधिकार और उचित स्थान कभी नहीं मिलेगा। इस काम के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की आवश्यकता है। निराश होने की जरूरत नहीं है। आज नहीं तो कल यह काम होगा। मैं 2015 से कह रहा हूं कि यह काली रात जल्द खत्म होने वाली नहीं है क्योंकि 'बहुसंख्यक राजनीति' को बढ़ावा दिया गया है। भाजपा इसका फायदा उठा रही है। हमारी अजान, हमारी नमाज और हमारे कपड़े उनके लिए खतरा बन गए हैं। कपड़ों से पहचानने की बात खुद प्रधानमंत्री ने कही है, मुसलमान अब समुद्र की तलहटी में पहुंच गए हैं। अब उन्हें यहां से उठने के लिए कुछ करना होगा। ये तथाकथित सेक्युलर पार्टियां कुछ नहीं करेंगी। इन पार्टियों के नेता अपने और अपने परिवार का ही भला करते है। क्या आपको राजस्थान के जुनैद नासिर को जिंदा जलाने की घटना याद है? तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उनके परिवार से मिलने में 20 दिन लग गए। वे आपका वोट चाहते हैं और बस। चुनाव में हमें बताया जाता है कि यह जीवन और मृत्यु का सवाल है। क्या चुनाव के बाद जीवन और मृत्यु नहीं है।

**● आप मुस्लिम नेतृत्व वाले राजनीतिक दलों से समझौता क्यों नहीं करते ?**

– कई लोगों ने मुझसे असम आने के लिए कहा, लेकिन मैंने सार्वजनिक रूप से कहा कि मैं वहां नहीं जाऊंगा क्योंकि मैं वहां बदरुद्दीन अजमल को 'परेशान' नहीं करना चाहता। कई लोगों ने मुझे केरल आने के लिए भी कहा लेकिन मुस्लिम लीग वहां अच्छा काम कर रही है। हमें वहां प्रयास करना चाहिए जहां मुसलमानों का कोई राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं है। जैसे महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, कर्नाटक आदि।

**● अगर मुसलमान एकजुट होकर एआइएमआइएम को वोट दें तो कितनी सीटें जीती जा सकती हैं?**

– मेरी लड़ाई मुसलमानों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन के लिए है। हम एकमात्र समुदाय हैं जिसका चुनाव में कोई मुद्दा नहीं होता। हम बस यही कहते हैं कि हमें जीने दो। मुसलमानों को एक बात समझनी चाहिए कि भाजपा इसलिए सत्ता में आई है क्योंकि वे इस देश में 'सभ्यता परिवर्तन' लाना चाहते है। अब यह मुसलमानों को तय करना है कि वे क्या चाहते हैं।

**● 2024 के चुनाव के बाद देश के राजनीतिक परिदृश्य को कैसे देखते हैं?**

– पिछले दस वर्षों में भाजपा ने 'बहुसंख्यक वर्ग के प्रभुत्व वाले लोकतंत्र' को बढ़ावा दिया है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि मुस्लमान राजनितिक दृश्य से गायब हो गए हैं। रही सही कमी तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियों ने पूरी कर दी है। भाजपा को मुस्लिम वोट की जरूरत नहीं। दिखाने के लिए वे 'सब का साथ, सबका विकास' का नारा बुलंद कर देते है। तथाकथित सेक्युलर पार्टियां भी समझती हैं कि मुसलमानों को जितना दूर रखेंगे, उतना ही राजनीतिक लाभ होगा। ये बात मैंने संसद में भी कही थी कि हिटलर के जर्मनी में जो स्थिति यहूदियों की थी आज के भारत में मुसलमानों की वही स्थिति है।

**● आजादी को इतना समय बीत गया, अब तक कोई मुस्लिम नेतृत्व खड़ा क्यों नहीं हो सका? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?**

– कारण स्पष्ट है कि हमने कभी भी मुस्लिम नेतृत्व को वोट नहीं दिया। हमने तथाकथित धर्मनिरपेक्षता को बचाने के लिए कभी इंदिरा गांधी को वोट दिया, कभी मोरारजी देसाई को। हमने चरण सिंह, मुलायम सिंह, वीपी सिंह, लालू प्रसाद और नीतीश को वोट दिया। मेरा एकमात्र सवाल यह है कि इन तथाकथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं को वोट देकर मुसलमानों ने क्या हासिल किया। यदि कुछ हासिल किया होता तो क्या सच्चर कमेटी, रंगनाथ मिश्र कमीशन और कुंडू कमेटी को वह कहना पड़ता जो उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कही। मुसलमानों की स्थिति के बारे में सभी आंकड़े क्या बताते हैं? मैं पूरे विश्वास से कहता हूं कि इस देश में कभी भी मुस्लिम वोट बैंक नहीं था। इस देश में केवल हिंदू वोट बैंक है।

---

**'दमदार' प्रदर्शन**

# छोटे कंधों पर उठाया बड़ा भार

**जीवन में कुछ कर गुजरने का लक्ष्य यदि तय है तो उम्र बाधा नहीं बनती है। यह साबित कर दिखाया है हरियाणा के पंचकूला की रहने वाली नौ वर्षीय अर्शिया ने। हाल ही में उन्होंने 75 किलोग्राम भार उठाकर इंडिया बुक आफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करवाया है। यह दूसरी बार है, जब इस रिकार्ड बुक में उनका नाम आया है। इससे पहले छह साल की उम्र में भी उन्होंने 45 किलो का भार उठाया था। एशिया बुक में भी उनका नाम है। बहरहाल, यह तो उनकी प्रतिभा की सिर्फ एक झलक है। वह ओलिंपिक में वेटलिफ्टिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने का लक्ष्य लेकर अभी से तैयारी कर रही हैं। जानिए, छोटे से कंधों पर बड़े भार की प्रेरक कहानी के बारे में :**

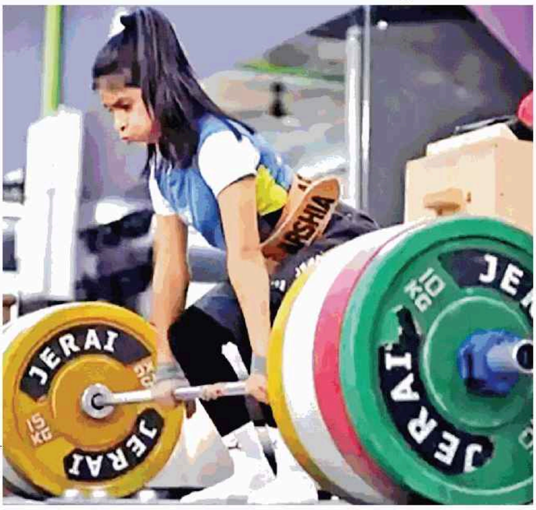


डेड लिफ्ट उठाते हुए अर्शिया का यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर काफी प्रसारित हुआ। लोगों ने उनकी क्षमता को खूब सराहा। सौ. स्वयं

**राजेश मलकानियां, पंचकूला**

नौ वर्षीय अर्शिया गोस्वामी इन दिनों खूब चर्चा में है... इस बच्ची ने 75 किलोग्राम का भार उठाकर धूम मचा दी है। बच्ची की हिम्मत का लोहा सभी देख रहे हैं। उनके पिता द्वारा सोशल मीडिया पर अर्शिया का भार उठाते का वीडियो जैसे ही डाला गया, उसे सभी देखते रह गए। अर्शिया के वेट लिफ्टिंग, रनिंग से लेकर फिटनेस के कई वीडियो वायरल हैं और वह लगातार यूजर्स का ध्यान खींच रही हैं। अब इस बेटी का वेट लिफ्टिंग के दौरान 75 किलोग्राम का भार उठाने का वाडियो इंटरनेट मीडिया पर धूम मचा रहा है।

पंचकूला की रहने वाला अर्शिया गोस्वामी 75 किलोग्राम की डेडलिफ्ट उठाती दिख रही हैं। वर्ष 2021 में अर्शिया ने छह साल की उम्र में 45 किलो ग्राम का भार उठाया था और ऐसा करने वाली वह सबसे यंग लिफ्टर बनी थी। इंडिया बुक आफ रिकार्ड के अनुसार, छह साल 11 माह की उम्र में अर्शिया ने 45 किलो भार उठाने का रिकार्ड बनाया था। 28 दिसंबर 2021 में उनका नाम फिर रिकार्ड बुक में दर्ज किया गया था। इसके अलावा, 2022 में अर्शिया का नाम एशिया बुक में भी रिकार्ड किया है। पंचकूला के सेक्टर 25 में अपने पिता के जिम में अर्शिया अपनी क्षमताओं से देखने वालों को चकित कर देती है। उन्हें पेंटिंग करना और खाली समय में टीवी देखना पसंद है। उनकी पसंदीदा फिल्म जुरासिक वर्ल्ड है। उनमें असीम ऊर्जा और जिज्ञासा है, जो साधारण दिखने वाले बाहरी हिस्से के पीछे एक असाधारण प्रतिभा छिपी हुई है। पिछले साल, इस छोटी सी लड़की ने आठ साल की उम्र में 60 किलोग्राम की डेडलिफ्ट आसानी से पूरी कर ली। उनका त्रुटिहीन कौशल और अटूट फोकस वास्तव में सराहनीय है।

अर्शिया पावरलिफ्टिंग और तायक्वोंडो दोनों के लिए समर्पित है। आठ साल की उम्र में उन्होंने राज्य स्तर पर आयोजित भारोत्तोलन प्रतियोगित में कांस्य पदक जीता। उनका इंस्टाग्राम अकाउंट उनके पिता द्वारा प्रबंधित किया जाता है, जो एक प्रमाणित फिटनेस ट्रेनर हैं। अर्शिया ने अपने पिता के नियमित व्यायाम के माध्यम से भारोत्तोलन में रुचि विकसित की। जहां उनके असाधारण प्रदर्शन ने सोशल मीडिया पर कई उपयोगकर्ताओं और पेशेवरों को आश्चर्यचकित कर दिया, वहीं इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का एक वर्ग ऐसा भी था जिसने चिंता व्यक्त की। एक यूजर ने लिखा, ''क्या वह इतना भारी वजन उठाने के लिए अभी बहुत छोटी नहीं है? उसकी रीढ़ की हड्डी भी इस तरह के दबाव को झेलने के लिए अच्छी तरह से विकसित नहीं हुई है।'' एक अन्य इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, 'मुझे यकीन नहीं है कि इस उम्र में इतना भारी वजन उठाने से हड्डियों का विकास रुक जाता है।''

डेडलिफ्टिंग (वेट लिफ्टिंग की एक विधा, जिसका उपयोग ज्यादातर जिम में किया जाता है) एक ऐसा खेल है जो आम तौर पर शक्तिशाली शरीर और बड़े शरीर के आकार वाले वयस्क जिमनास्टों से जुड़ा होता है। पावरलिफ्टर्स भारी वजन उठाने में सक्षम होने की ताकत विकसित करने के एकमात्र उद्देश्य से वर्षों तक कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन क्या छह साल का कोई युवा डेडलिफ्ट कर सकता है? बहुमत इस प्रश्न का उत्तर जोरदार 'नहीं' में देगा। अपने इस कारनामे से अर्शिया उन असाधारण बच्चों की श्रेणी में शामिल हो गई है जो अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से लोगों की धारणाएं बदल देते हैं।

**वजन उठाकर अर्शियां को मिलती है खुशी** : अर्शिया कहती हैं कि खेल में अर्शिया की उत्कृष्टता के पीछे प्रमुख कारक उसे अपने माता-पिता से मिला प्रोत्साहन है। 'वजन उठाने से मुझे खुशी महसूस होती है। यह मुझे आराम देता है। स्कूल के बाद, जब भी मुझे समय मिलता है, मैं व्यायाम करती हूं और वजन उठाती हूं। यह मुझे मजबूत बनाता है। वजन को खाली देखने से मेरा दिन उज्ज्वल और रंगीन हो जाता है; वे मेरे खिलौने हैं''। उसका लक्ष्य ओलंपिक में वेटलिफ्टिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करना है। पिता अवनीश कुमार गोस्वामी से जब हमने पूछा कि अर्शिया को ये शौक कैसे जगा तो उन्होंने हमें बताया कि अर्शिया को उन्हें देखकर इसमें रुचि जगी। अर्शिया के पिता का पंचकूला में एक जिम है और वो सर्टिफाइड जिम ट्रेनर हैं।

### पांच साल की उम्र में अर्शिया का पोस्चर परफेक्शन के करीब था

अवनीश ने बताया, 'मेरे साथ जिम में आतेहुए अर्शिया की दिलचस्पी खुद-ब-खुद बढ़ने लगी। चारों ओर डंबल पड़े रहते थे। वह उनसे अभ्यास करने लगी। कोरोना के समय पर अर्शिया की मां और मैं साथ में एक्सरसाइज करते थे जिसे देखकर उसमें भी इच्छा जागी और वह अपनी मां से स्पर्धा करने लगी। उसकी रुचि को देखते हुए, जब वह पांच साल की हुई, तब हमने उसे वेट ट्रेनिंग करवाना शुरू किया। उस समय हमें देखकर आश्चर्य हुआ कि उस समय अर्शिया के पोस्चर परफेक्शन के करीब था। फिर हमने उसे प्रोफेशनल ट्रेनिंग देने का निर्णय लिया।

********

---

**भक्ति और जुनून**

# भस्म रमाकर पाई प्रसिद्धि, शिव तांडव से आई समृद्धि

**निर्धन परिवार के सुनील तिलकधारी ने कभी सोचा भी नहीं था कि शरीर पर महाकाल नाम का भस्म लपेटकर शिव के स्वरूप में तांडव करने पर वह देशभर में प्रसिद्ध हो जाएंगे। अब तक पांच हजार प्रदर्शन दे चुके हैं :**

**कौशल सिंह, जागरण**

**जामताड़ा:** हरियाणा, हिसार के रहने वाले शिव भक्त सुनील ने 25 वर्ष पहले अपने भाई अनिल तिलकधारी व साथियों के साथ मिलकर समूह बनाया। इसमें शामिल सभी युवा भी निर्धन परिवार से संबंध रखते थे। रोजी-रोटी के लिए मजदूरी ही इनके लिए एकमात्र विकल्प था। परंतु, इस दल ने जब भगवान शिव के स्वरूपों का प्रदर्शन शुरू किया तो दर्शक-श्रद्धालु इसमें रमते गए। लोगों को इनका जीवंत अभिनय भाने लगा। आज उनकी टीम में 70 स्थायी और दर्जनों युवा अस्थायी रूप से जुड़े हैं। वे देशभर में शिव तांडव नृत्य कर रहे हैं। उनके आय का मुख्य साधन यही है। यह टीम 17 अप्रैल को जामताड़ा प्रस्तुति देगी। सुनील ने बताया कि अब तक वह पांच हजार से ज्यादा प्रस्तुति दे चुके हैं। नेपाल के विभिन्न शहरों व भूटान के लोगों के दिलों में भी जगह बनाई है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे व देवेंद्र फडणवीस के आमंत्रण पर टीम कई कार्यक्रम चुकी है। सुनील शेट्टी के जरिए होस्ट किए जा रहे टीवी शो में भी हमने वाहवाही बटोरी।

**जूते की दुकान में था सफाईकर्मी :** सुनील ने अपने अतीत को भी साझा किया। कहते हैं कि निर्धनता के कारण अधिक पढ़ाई-लिखाई नहीं कर सका। अपना परिवार चलाने के लिए हिसार में ही एक जूते के शोरूम में सफाईकर्मी बना। लेकिन, उनके मन में कुछ अलग करने की अभिलाषा पल रही थी। इसलिए अपने दोस्तों व भाई के साथ मिलकर सुनील-अनिल शिव तांडव ग्रुप बनाया। फिर विभिन्न आयोजनों में प्रदर्शन करने लगे।

महाकाल शिव व माता पार्वती के स्वरूप का साक्षात्कार कराते शिव तांडव के कलाकार।

शिव तांडव ग्रुप के संचालक सुनील तिलकधारी। जागरण

---

**नई पहल**

# चार वर्गफीट में उगा दिए 32 पौधे

**अगर आप अपार्टमेंट में रहते हैं और आपके पास न बालकनी है, न जगह लेकिन पौधे उगाने का शौक है तो गार्डनिंग की यह मैक्रो गार्डन्स की तकनीक अपनाइए, जिसे उत्तर प्रदेश के दो युवाओं ने तैयार किया है :**

**नेशनल डेस्क, जागरण ● नई दिल्ली**

गार्डनिंग की इस विधा को विकसित किया है उप्र के लखनऊ के दो युवाओं प्रखर अग्रवाल और तनय तिवारी ने। उन्होंने इस तकनीक की मदद से सिर्फ 4 वर्गफीट की जगह में बिना मिट्टी के पूरे 32 पौधे उगा सकते हैं। मूल रूप से यह मैक्रो गार्डन्स एक प्लांटर स्टैंड है। इसकी मदद से बेहद आसानी से अलग-अलग पौधे उगाए गए हैं। व कहते हैं इस तकनीक से कम जगह में ज्यादा हरियाली फैला सकते हैं। खास तौर पर मुंबई दिल्ली जैसे मेट्रोपालिटन शहर में रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद है, जिनके घरों में बहुत ज्यादा जगह नहीं होती है। प्रखर और तनय के अनुसार मैग्रो गार्डन वर्टिकल होने की वजह से इसे घर की छतों और बालकनी के लिए सटीक ढंग से रखा जा सकता है।

**लाकडाउन के दौरान विकसित किया शौक** : प्रखर के अनुसार यह आविष्कार लाकडाउन की देन है। वह बताते हैं लाकडाउन के दौरान बाहर की सब्जियां खाने की वजह से मेरी तबियत खराब हो गई थी। सब्जियां खरीदना भी मुश्किल था और इसके लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। उस समय ख्याल आया कि क्यों न घर पर ही कुछ सब्जियां उगाई जाए, जिससे कुछ सब्जियां तो घर पर हमेशा उपलब्ध रहे। छत या बालकनी में सब्जियां उगाने के लिए मिट्टी लाना संभव नहीं था, इसलिए पहले हमने हाइड्रोपोनिक तकनीक से गार्डन बनाना चाहते थे। यानी जिस गार्डन में मिट्टी की जरूरत न हो। फिर हमने पीवीसी पाइप (प्लास्टिक पाइप) के उपयोग के बारे में सोचा लेकिन यह भी काफी जगह ले रहा है और संभव नहीं हो रहा था। ऐसे में हमने हाइड्रोपोनिक सेटअप तैयार करना शुरू किया। करीब 20 तरह के माडल पर काम करने के बाद एक स्मार्ट वर्टिकल गार्डन स्टैंड बनाया। इसमें सब्जियां, हर्ब्स और फूलों के पौधे उगा सकते हैं।

स्मार्ट वर्टिकल गार्डन स्टैंड के साथ प्रखर व तनय। इंटरनेट मीडिया

### 95 प्रतिशत पानी की बचत

इसके साथ ही हाइड्रोपेनिक होने की वजह से यह 95 प्रतिशत पानी बचाता है। सारा का सारा पानी सिर्फ पौधों को मिलता है, कुछ भी जमीन में नहीं जाता।

दैनिक जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
रविवार 14 अप्रैल, 2024
आजकल

www.jagran.com

## बांग्लादेश के गोपालगंज जिले में गिरे सबसे भारी ओले

1986 में आज ही बांग्लादेश के गोपालगंज जिले में सबसे भारी ओले गिरे थे। अंगूर के आकार के ओलों का वजन 1.02 किग्रा था। यह संभवतः 144 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से जमीन पर गिरा था। इससे 92 की मौत हुई एवं 400 से अधिक घायल हुए थे।

## अमेरिका में हालैंड ब्रदर्स ने शुरू किया पहला काइनेटोस्कोप पार्लर

1894 में आज ही हालैंड ब्रदर्स ने पांच मशीनों के साथ न्यूयार्क में पहला काइनेटोस्कोप पार्लर खोला था। इसमें पैसे लेकर ग्राहकों को छोटे से छेद के माध्यम से छोटी फिल्म दिखाई जाती थी। इसे दुनिया का पहला व्यावसायिक फिल्म थिएटर भी कहा जाता है।

## संगीत निर्देशकों के करियर को संवारने वाली शमशाद बेगम

ले के पहला पहला प्यार, मेरे पिया गए रंगून और कजरा मोहब्बत वाला जैसे गीतों को गाने वाली शमशाद बेगम का जन्म 1919 में आज ही के दिन अमृतसर में हुआ था। 1941 में खजांची फिल्म ने उन्हें पहचान दिलाई थी। उस दौर में उनकी काबिलियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संगीत निर्देशक नौशाद अली अपनी सफलता का श्रेय उन्हें देते थे। शमशाद द्वारा गाए गीतों ने ही संगीत निर्देशक के रूप में एसडी बर्मन को ख्याति दिलाई थी। बुरे दौर से गुजर रहे ओपी नैय्यर को शमशाद बेगम के गीतों ने ही उबारा था।

# अब राकेट से होगी डिलीवरी, धरती के किसी भी कोने में 90 मिनट के भीतर पहुंचेगा सामान

राकेट का नाम आते ही अभी आपके मस्तिष्क में अंतरिक्ष की तस्वीर उभरती है, लेकिन आने वाले समय से इसका उपयोग धरती पर होगा। वह भी डिलीवरी के लिए। यानी राकेट से एक जगह से दूसरी जगह (या यूं कहे कि एक देश से दूसरे देश में) सामान पहुंचाया जाएगा। चीन की राकेट बनाने वाली कंपनी स्पेस इपोक ने इसकी तैयारी कर ली है। अलीबाबा के आनलाइन शापिंग प्लेटफार्म ताओबाओ के साथ अनुबंध भी हो चुका है। दोनों जल्दी ही इसे शुरू करेंगे। बेशक, यह फिलहाल शोध के स्तर पर है, लेकिन इसने नई उम्मीद को जन्म दिया है। खास रिपोर्ट

**अंतरिक्ष यान बनाने वाली चीनी कंपनी और आन लाइन शापिंग प्लेटफार्म ने मिलकर शुरू की तैयारी**

**जर्मनी विज्ञानी और अमेरिकी सेना भी इस पर कर रहे हैं शोध**

राकेट से होता प्रक्षेपण। फाइल

### दस टन वजन का सामान ले जा सकेगा राकेट

बीजिंग स्थित स्पेस इपोक ने हाल ही में यह जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत एक ऐसा राकेट विकसित किया जा रहा है, जो 120 घनमीटर के कंटेनर में दस टन वजन का सामान ले जा सके। अभी यह कार्यक्रम शुरुआती दौर में है।

### स्टारशिप की स्पेसलाइनर से तुलना करते हुए अध्ययन

साइंस डायरेक्ट में प्रकाशित एक शोध में जर्मन विज्ञानियों ने कहा था कि दुनियाभर में 90 मिनट से कम समय में यात्रियों और सामान का परिवहन संभव है। अपने शोध में उन्होंने स्पेस एक्स द्वारा विकसित किए जा रहे स्टारशिप राकेट की स्पेसलाइनर से तुलना करते हुए यह अध्ययन किया था।

### बार-बार इस्तेमाल किया जा सकेगा राकेट

कंपनी का दावा है कि यह राकेट बार-बार इस्तेमाल किया जा सकेगा। यानी रीयूजेबल होगा। उल्लेखनीय है कि स्पेस इपोक रीयूजेबल राकेट बनाती है। उसने पिछले साल ही युआनशिंग-1 राकेट का टेस्ट पूरा किया था। यह राकेट चीन की सीमा के बाहर जाकर वापस लौटकर आया था। हालांकि कंपनी भी मानती है कि राकेट से डिलीवरी की सेवा सुनने में जितना रोचक और मजेदार लग रहा है उससे शुरू करना इतना आसान नहीं होगा। कंपनी चुनौतियों को ध्यान में रखकर लांच करने की तैयारी कर रही है। शोध में कहा गया कि सस्ते और पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले राकेट का विकास पृथ्वी पर एक जगह से दूसरी जगह आने-जाने के नए रास्ते खोल सकता है।

**17** व्यवसायिक राकेट लांच किए गए थे पिछले साल चीन के राष्ट्रपति ने, इसमें से 1 राकेट विफल हुआ था

**10** व्यवसायिक राकेट अंतरिक्ष में भेजे गए थे 2022 में, जिनमें से दो विफल हो गए थे

**67** उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में भेजे जो एक रिकार्ड था

### अमेरिकी सेना भी कर रही है शोध

अमेरिकी सेना लंबे समय से राकेट से सामान लाने-ले जाने की संभावनाओं पर काम कर रही है। वर्ष 2021 में एक कार्यक्रम में अमेरिकी एयर फोर्स के विज्ञानियों और राकेट कार्गो प्रोग्राम मैनेजर डा. ग्रेग स्पान्येर्स ने कहा कि जब से अंतरिक्ष की उड़ान शुरू हुई तभी से यह विचार चर्चा में रहा है। यह संभव नहीं हो सका।

### यह हैं फायदे

- राकेट से डिलीवरी का सबसे अहम पहलू यह है कि इससे समय की बहुत बचत हो सकती है। अभी डिलीवरी में हफ्तों व महीनों तक का समय लगता है।
- न्यूयार्क से केन्या सामान पहुंचाना हो तो 14 घंटे का समय लगता है जबकि यह काम राकेट से एक घंटे में हो सकता है।
- इसके लिए राकेट को 100 किलोमीटर की ऊंचाई पर उड़ाया जा सकता है, जो विभिन्न देशों की वायु सीमाओं से बाहर है।
- यानी राकेट को सिर्फ उतरने के लिए उस देश की इजाजत चाहिए होगी, जहां सामान पहुंचाना है।
- बाकी समय राकेट रास्ते में आने वाले देशों की वायु सीमा से बाहर रहेगा। हालांकि इस कारण प्रति किलोग्राम लागत बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी।

नेशनल डेस्क

# बुंदेलखंड की माटी की ताकत परखेंगे विज्ञानी

## क्षेत्र में खनिज मिट्‌टी कार्बन पूल पर चरम जलवायु घटनाओं के प्रभाव पर करेंगे अध्ययन

### सूखे की तीव्रता में वृद्धि से मिट्‌टी की उर्वरक क्षमता में आई है कमी

**मृत्युंजय मिश्रा, प्रयागराज**

अपनी शुष्क और अर्ध-शुष्क जलवायु के लिए पहचाने जाने वाले बुंदेलखंड क्षेत्र में मिट्‌टी की उर्वरक क्षमता पर काफी खराब प्रभाव पड़ा है। एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स (चरम जलवायु स्थिति) वाले इस क्षेत्र में अनियमित वर्षा और उच्च तापमान की स्थितियों के प्रभाव से सूखे की तीव्रता में वृद्धि होने के साथ मिट्‌टी की उर्वरक क्षमता में भी कमी आई है।

चरम जलवायु स्थिति से बुंदेलखंड की माटी पर कितना प्रभाव पड़ा है, यह जानने के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञानी अध्ययन करेंगे। इस काम के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. जितेंद्र अहिरवाल को जिम्मेदारी दी गई है। प्रोजेक्ट के प्रधान अन्वेषक डा. जितेंद्र अहिरवाल स्वयं बुंदलेखंड के हैं। उन्होंने यहां की जलवायु, परिस्थितियों व मृदा के अध्ययन के लिए जिज्ञासा व्यक्त की। बताया कि यह प्रोजेक्ट दिसंबर 2023 में स्वीकृत हुआ और इस वर्ष फरवरी में बजट मिल गया है। जितेंद्र कहते हैं कि मिट्‌टी की गुणवत्ता और घटते उत्पादन के पीछे जलवायु की घटनाएं जिम्मेदार है। मिट्‌टी में कार्बन की उपस्थिति और जलवायु के बीच की उस कड़ी को खोजना महत्वपूर्ण है जो कम उत्पादन के लिए जिम्मेदार है। बुंदेलखंड क्षेत्र में उप्र व मप्र दोनों के क्षेत्र आते हैं। यहां वर्षा कम व गर्मी ज्यादा पड़ती है। यहां सूखे जैसी स्थिति है। निसंदेह इस मौसम से मिट्‌टी प्रभावित हुई है।

बुदेलखंड की कृषि मिट्‌टी में कार्बन डाइक्साइड की मात्रा जांचते शोधार्थी। सौ. इवि

### खतरे की घंटी है घटता आर्गेनिक कार्बन

2017-2018 में बुंदेलखंड की मिट्‌टी को लेकर हुए सर्वे के अनुसार आर्गेनिक कार्बन 0.8 से घटकर 0.2 से 0.25 फीसदी तक पहुंच गया है, जबकि फास्फेट 40 किग्रा प्रति हेक्टेयर की जगह सिर्फ 20 किग्रा प्रति हेक्टेयर और पोटास 250 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की जगह 200 किग्रा प्रति हेक्टेयर के स्तर तक पहुंच गया है। यह स्थिति खेती के लिए बड़े खतरे की ओर इशारा करती है। पानी की कमी और रासायनिक उर्वरकों ने यहां की खेती की स्थिति खराब कर दी है।

### खनिज मिट्‌टी कार्बन पूल पर जलवायु घटनाओं से जोड़े तार

वह मध्य भारत के इस बुंदेलखंड क्षेत्र में खनिज मिट्‌टी कार्बन पूल पर चरम जलवायु घटनाओं के प्रभाव को समझेंगे। मिट्‌टी में कार्बन का स्तर कम उत्पादन के जिम्मेदार कारकों का पता लगाने में मददगार होगा। इसके लिए जल्द ही विज्ञानी बुंदेलखंड जाएंगे और खेती योग्य भूमि, वन क्षेत्र के नमूनों का अध्ययन का निष्कर्ष पर पहुंचेंगे। डा. जितेंद्र के अनुसार मिट्‌टी में मौजूद कार्बन बहुत सारी चीजों को नियंत्रित करता है। जाहिर है कार्बन कम होगा तो उत्पादन भी घटेगा।

### द अमेजन क्वीन

लंदन में 13 मई को फिलिप्स के नीलामी घर में बेशकीमती ज्वेल्स की नीलामी से पहले उसे प्रदर्शित किया गया। इस दौरान फिलिप्स एक कर्मचारी ने 280.84 कैरेट वजन का एक अनोखा कोलंबियाई पन्ना दिखाते हुए। श्रेष्ठ गुणवत्ता वाले इस पन्ना को नाम दिया गया है 'द अमेजन क्वीन'। इसकी अनुमानित कीमत 1,500,000-2,600,000 यूएस डालर है। एपी

फैंसी विविड पिंक हीरे की अंगूठी दिखाती एक कर्मचारी, जिसका जिसका वजन 6.21 कैरेट है। इसकी अनुमानित कीमत 10,500,000-15,000,000 यूएस डालर आंकी गई है।

# बचपन में उपेक्षा जीवन भर के लिए बन सकती है परेशानी

**अनुसंधान**

प्रतीकात्मक फोटो

छोटे बच्चे के कोमल मन पर आपके व्यवहार का गहरा असर पड़ता है। कई लोग उनके नटखटपन पर बिना सोचे समझे झल्लाना शुरू कर देते हैं। गुस्सा देखकर बच्चा सहम जाता है और उस शख्स से कटा-कटा रहने लगता है। कभी-कभी यह भी देखा गया है कि वह घर में उपेक्षा का शिकार होता है। बड़े बुजुर्ग समझ नहीं पाते कि बच्चों के मस्तिष्क पर इसका कितने लंबे समय तक असर पड़ सकता है। एक शोध में सामने आया है कि गलत तरीके से किया गया व्यवहार बच्चे को जीवन भर परेशान कर सकता है। इससे मानसिक सृजन और प्रतिरोधक क्षमता तक पर प्रभाव पड़ सकता है।

यह अध्ययन ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी आफ कैंब्रिज के शोधकर्ताओं की ओर से किया गया है। शोधकर्ताओं ने इसके लिए करीब 21 हजार लोगों के दिमाग की एमआरआइ रिपोर्ट का अध्ययन किया। अध्ययन में 40 से 70 वर्ष तक के लोगों के आंकड़ों को शामिल किया गया था। इसमें उनकी बीएमआइ, सी रिएक्टिव प्रोटीन के स्तर और बचपन में हुए बुरे व्यवहार संबंधी जानकारियों को शामिल किया गया।

कैंब्रिज विश्वविद्यालय के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर एडवर्ड बुलमोर ने कहा कि एमआरआइ के अध्ययन में पाया गया कि बचपन में इस तरह के व्यवहार का सामना करने वालों के मस्तिष्क की संरचना में व्यापक परिवर्तन हुए थे। उन्होंने कहा कि इन संरचनात्मक परिवर्तनों से मस्तिष्क कोशिकाओं को होने वाली क्षति का पता चला, जिससे उनकी कार्यप्रणाली प्रभावित हुई थीं। यह शोध प्रोसीडिंग्स आफ द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज पत्रिका में प्रकाशित हुई है। प्रेट्र

## इधर-उधर की

### सायरन की नकल कर पक्षी ने पुलिस को किया भ्रमित

स्टार्लिंग के रूप में की जा रही है पक्षी की पहचान ● इंटरनेट मीडिया

**लंदन, एजेंसी:** कुछ पक्षी आवाज की नकल करने में माहिर होते हैं लेकिन ब्रिटेन में एक पक्षी ने पुलिस सायरन की आवाज की ऐसी नकल की टेम्स वैली पुलिस स्टेशन के अधिकारी अपना सिर खुजलाते रह गए। नकल इतनी सटीक थी कि पुलिस अधिकारियों को यह लगा कि उनके कार के सायरन में खराबी आ गई है। बाद में उन्हें अहसास हुआ कि यह एक पक्षी की करामात है। पुलिस ने इंटरनेट मीडिया पर इसका वीडियो पोस्ट किया जो तेजी से प्रसारित हो रहा है। कई यूजर्स ने पूछा कि क्या पक्षी पुलिस की विशेष शाखा या उड़न दस्ते का हिस्सा था। कुछ यूजर्स ने इसकी पहचान स्टार्लिंग के रूप में की है, जो नकल करने की क्षमता के लिए जाना जाता है।

## सोंगक्रान वाटर फेस्टिवल

थाइलैंड की राजधानी बैंकाक में सोंगक्रान वाटर फेस्टिवल के दौरान उल्लासित व्यक्ति। इसमें लोग एक-दूसरे के ऊपर पानी की जमकर बौछार करते हैं तथा आनंद उठाते हैं। यह वाटर फेस्टिवल थाई नववर्ष के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। जो कि विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। एएफपी

## स्क्रीन शाट

# एक्शन-कट के बीच वैसा होगा, जैसे पहले था : विक्रांत

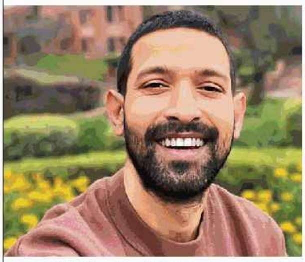

द साबरमती रिपोर्ट में नए अंदाज में दिखेंगे विक्रांत। Instagram (@ vikrantmassey)

सिनेमा में सितारों की किस्मत का फैसला हर शुक्रवार होता है। एक हिट फिल्म अगली फिल्म मिलने की गारंटी बन जाती है। बाक्स आफिस नंबर्स अगर अच्छे मिल गए, तो अगली कहानी को चुनने को लेकर कलाकार अधिक सतर्क हो जाते हैं। अभिनेता विक्रांत मेस्सी फिलहाल अपनी फिल्म ट्वेल्थ फेल की सफलता से खुश हैं, हालांकि उनका मानना है कि इसका असर उनके आगामी फिल्म संबंधी निर्णयों पर नहीं पड़ेगा। एक साक्षात्कार के दौरान विक्रांत ने कहा कि मैं आउटसाइडर हूं। आज भी सोच यही है कि जो विशेषाधिकार मुझे मिला है, उसका दुरुपयोग मुझे नहीं करना है। मैं भले ही कमाल के लोगों के साथ काम कर रहा हूं, लेकिन मैं यह नहीं भूलता हूं कि मुझे आम आदमी को भी फिल्मों में प्रस्तुत करना है। मैं यह भी जानता हूं कि फिल्में बहुत ही प्रभावशाली माध्यम हैं। मुझे बतौर कलाकार खुद को बांधना नहीं हैं, लेकिन अपनी प्रसिद्धी को हल्के में भी नहीं लेना है। एक समय था, जब मैं इस मुकाम तक पहुंचना चाहता था। आज जब मैं उस मुकाम पर हूं, तो यह नहीं सोचना है कि चलो अब यहां पहुंच गया, तो पैसों को लिए कुछ और कर लेता हूं। यह चीजें मुझमें स्वाभाविक तरीके से नहीं आती हैं। ईमानदारी और मेहनत जितनी पहले थी, उतनी आज भी कायम है। ट्वेल्थ फेल से मुझे बाक्स आफिस पर सफलता मिली। छह महीने पहले तक मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ था। मैं इसे संभालकर रखना चाहता हूं। लोग पैसे लगाकर मेरी फिल्में देख रहे हैं, लेकिन उसका असर मेरे भविष्य में स्क्रिप्ट चुनने के निर्णयों पर नहीं होगा। एक्शन और कट के बीच चीजें वैसी ही रहेंगी, जैसी पहले थी। आगामी दिनों में विक्रांत द साबरमती रिपोर्ट फिल्म में नजर आएंगे।

# सलमान के कमरे में आते ही उठ खड़े होते हैं सोहेल

रिश्ता कोई भी हो, उसे बनाए रखने के लिए प्रयास दोनों तरफ से होना चाहिए। अभिनेता सलमान खान, अरबाज खान और सोहेल खान का भाई वाला रिश्ता बेजोड़ है। अरबाज ने अपने बेटे अरहान खान के शो डम्ब बिरयानी में सोहेल संग मिलकर सलमान के साथ अपने रिश्तों पर बात की। सोहेल ने कहा कि सलमान मुझसे उम्र में बड़े हैं। मुझे अगर पता चल जाए कि वह कमरे में आ रहे हैं, तो मैं उठकर खड़े हो जाता हूं। यह उन्हें इज्जत देने का एक तरीका है। वहीं अरबाज ने कहा कि हम तीनों एक-दूसरे के करीब हैं। जब हमने काम करना शुरू किया, तो हम घर से बाहर निकल गए। सलमान ने अभी तक शादी नहीं की है, लेकिन हमने शादी भी कर ली। अलग भी हो गए और फिर मैंने दोबारा शादी कर ली। इन सबके बावजूद हम भाइयों के बीच कुछ भी नहीं बदला है। जब कोई मुसीबत आती है तो हम साथ होते हैं। सलमान और मैं बहुत बार नहीं मिल पाते हैं, लेकिन अगर उन्हें अहसास हो जाए कि मैं किसी मुसीबत में हूं, तो वह मेरे पास आने में बिल्कुल संकोच नहीं करेंगे। मैं यहां पैसों की बात नहीं कर रहा हूं।

अपने भाइयों के लिए हमेशा मौजूद रहते हैं सलमान। फाइल

# पूरी होने के करीब पहुंची 'उलझ', जुलाई में होगी प्रदर्शित

साल 2018 में फिल्म धड़क से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाली अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने विविधता को अपनी प्राथमिकता बनाने में ज्यादा समय नहीं लिया। उसके बाद गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल, रूही और मिली फिल्मों में उनकी कोशिश अपनी हर भूमिका में विविधता दिखाने की रही है। इसी कड़ी में उनकी आगामी फिल्म उलझ भी शामिल है। सत्य घटनाओं पर आधारित इस फिल्म में जाह्नवी आईएफएस (इंडियन फारेन सर्विस) अधिकारी की भूमिका में हैं।

पिछले साल सितंबर में सुधांशु सरिया के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग खत्म कर टीम लंदन से लौटी थी। अब इस फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन काम भी पूरा होने के करीब पहुंच गया है और निर्माताओं ने फिल्म की प्रदर्शन तिथि पर भी निर्णय ले लिया है। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माता इस फिल्म को पांच जुलाई को प्रदर्शित करने की योजना बना रहे हैं। जहां टिकट खिड़की पर इस फिल्म का मुकाबला करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन के अंतर्गत बनी फिल्म किल से होगा। किल में अभिनेता लक्ष्य लालवानी मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म उलझ में आईएफएस की भूमिका में नजर आएंगी जाह्नवी। Instagram (@ janhvikapoor)

# इसलिए बाबी ने खलनायक की भूमिकाओं को किया इन्कार

पहली तमिल फिल्म कंगुवा में भी खलनायक भूमिका में दिखेंगे बावी। फाइल

**हिंदी सिनेमा में** कभी अपनी रोमांटिक और एक्शन छवि के लिए प्रख्यात अभिनेता बाबी देओल को अब निगेटिव भूमिकाओं में खूब लोकप्रियता मिल रही है। पहले वेब सीरीज आश्रम, फिर लव हास्टल तथा एनिमल फिल्मों में स्याह भूमिकाओं में उन्हें लोगों का खूब प्यार मिला। हालांकि, अब इसमें भी बाबी पूरी सावधानी बरत रहे हैं और इसी कारण उन्हें कुछ खलनायक भूमिकाओं को इन्कार भी करना पड़ा। दैनिक जागरण से बातचीत में वह कहते हैं, 'आश्रम और लव हास्टल के मामले में आंकड़े इसलिए नहीं दिखे थे, क्योंकि वह दोनों प्रोजेक्ट डिजिटल प्लेटफार्म पर थे, पर उनके लिए प्यार बहुत मिला। दूसरी बात बड़े पर्दे का जादू अलग होता है। अगर आश्रम कोई फिल्म बनी होती और बड़े पर्दे पर आई होती तो कमाल ही कर देती, क्योंकि उसमें बाबा निराला का किरदार ही इतना दिलचस्प था। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि खलनायक की भूमिका होगी, तो अच्छी ही रहेगी। मैं तो हिंदी के साथ-साथ साउथ सिनेमा में भी खलनायक की भूमिकाएं निभा रहा हूं। एनिमल के बाद मुझे विलेन की कई भूमिकाओं के प्रस्ताव मिले, लेकिन मैंने सभी को ना बोला। मुझे वो भूमिकाएं दिलचस्प नहीं लगीं। भूमिका में कुछ अलग व दिलचस्प होगा तभी करूंगा।'

********